

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:322। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 13 जुलाई 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में किया मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन

● कार्यक्रम का आयोजन नायर सर्विस सोसाइटी की दिल्ली शाखा की ओर से किया गया।

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन किया। यह मंडपम मन्नम इंटरनेशनल सेंटर में एक स्मारक कक्ष है। कार्यक्रम का आयोजन नायर सर्विस सोसाइटी की दिल्ली शाखा की ओर से किया गया। साथ ही उन्होंने समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी मन्नथु पद्मनाभन की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में मन्नथु पद्मनाभन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने 1914 में नायर सर्विस सोसाइटी की स्थापना की थी और केरल में नायर समुदाय के उत्थान के लिए सामाजिक न्याय, शिक्षा, समानता और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और एनएसएस दिल्ली के अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने मन्नथु पद्मनाभन के सामाजिक न्याय, समानता, शिक्षा और सामुदायिक



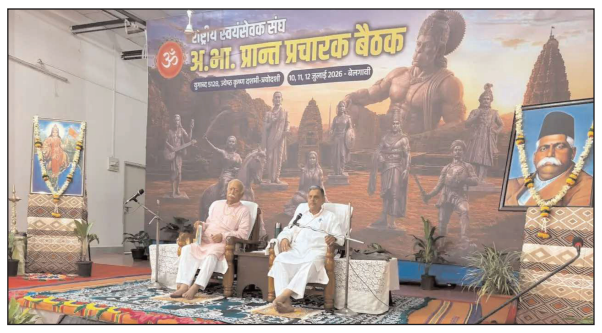
सेवा के प्रति आजीवन समर्पण को रेखांकित किया और कहा कि उनके आदर्श समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज की ओर राष्ट्र के सफर को निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने मन्नम स्मृति मंडपम की स्थापना के माध्यम से उनकी विरासत को संरक्षित और आगे बढ़ाने में दिल्ली स्थित नायर सर्विस सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने मन्नम इंटरनेशनल सेंटर में समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन की प्रतिमा के अनावरण और मन्नम स्मृति मंडपम के उद्घाटन के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत एक पौधा लगाया।

बेलगावी में संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक संपन्न

शाखा विस्तार, जनगणना और नशामुक्ति समेत कई मुद्दों पर हुआ मंथन

एजेंसी

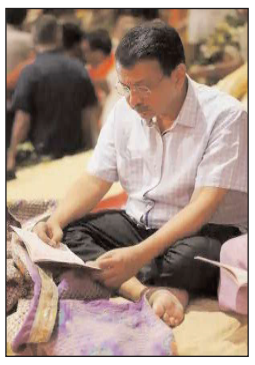
बेलगावी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय वार्षिक अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक रविवार को कर्नाटक के बेलगावी में संपन्न हो गई। बैठक में शाखा विस्तार, शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम, जनगणना, जनसांख्यिकीय असंतुलन, नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता तथा संगठनात्मक गतिविधियों सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित देश के विभिन्न प्रांतों से आए 226 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान संगठन के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं की रूपरेखा भी तैयार की गई। संघ के अखिल भारतीय प्रचार



प्रमुख सुनील आंबेकर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मार्च 2026 के बाद देशभर में आयोजित 83 संघ शिक्षा वर्गों और 12 कार्यकर्ता विकास वर्गों की समीक्षा की गई। इन प्रशिक्षण वर्गों में कुल 18,842 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान शाखा संचालन, संघ की कार्यपद्धति, ग्राम विकास, कुटुंब प्रबोधन, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि सितंबर माह में अधिकतम शाखा विस्तार के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लिया गया है। संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अब तक आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए शेष कार्यक्रमों के सफल आयोजन की रणनीति पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही शताब्दी वर्ष के दौरान संपर्क में आए लोगों को सामाजिक गतिविधियों तथा 'पंच परिवर्तन' अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने पर जोर दिया गया। वर्ष 2026-27 के लिए सरसंघचालक के प्रवास कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

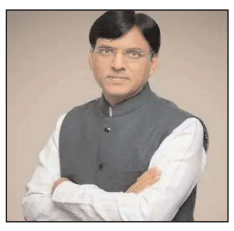
सुदंरकांड पाठ में शामिल हुए केजरीवाल ने कहा, चढ़ावा चोरी से रामभक्त आहत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने रविवार को रोहिणी स्थित जापानी पार्क में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। इसमें आआपा राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज शामिल हुए। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से देश-दुनिया के रामभक्त बेहद आहत हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए आज हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की गई है। केजरीवाल ने कहा कि सुंदरकांड पाठ के बाद रामभक्तों ने दोषियों को सख्त सजा दिलाने तक चैन से नहीं बैठने की शपथ ली।



देशभर में 668 करोड़ रुपये की सात ईएसआई स्वास्थ्य परियोजनाओं का मंगलवार को होगा उदघाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया 14 जुलाई को देशभर में कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) से जुड़ी सात स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। तेलंगाना के सनतनगर स्थित ईएसआईसी अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 668 करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं का शुभारंभ होगा। इनसे देशभर के लगभग 53 लाख बीमित व्यक्तियों एवं लाभार्थियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार मनसुख मांडविया सनतनगर स्थित ईएसआईसी अस्पताल के नए बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) ब्लॉक का प्रत्यक्ष उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वे छह अन्य परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इनमें असम के बेलटोला में उन्नत 200-बिस्तरीय ईएसआईसी अस्पताल, तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में 100-बिस्तरीय अस्पताल, आंध्र प्रदेश के राजमहेंद्रवरम स्थित ईएसआईएस अस्पताल, गुजरात के सुरेंद्रनगर तथा राजस्थान के कोटा के उद्योग नगर में ईएसआई औषधालय एवं शाखा कार्यालय तथा राजस्थान के भवानी मंडी में ईएसआई औषधालय शामिल हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे भी उपस्थित रहेंगी।



'नेक्स्टजेन प्रशासनिक एवं ई-शासन सुधार' पर शिलांग में 13 से 14 जुलाई को केंद्र सरकार का राष्ट्रीय सम्मेलन समयऔर कैलेंडर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 13 से 14 जुलाई को शिलांग में 'नेक्स्टजेन प्रशासनिक एवं ई-शासन सुधार' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। उद्घाटन सत्र को केंद्रीय राज्य मंत्री (कार्मिक) डॉ. जितेन्द्र सिंह और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा संबोधित करेंगे। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने बताया कि इस आयोजन का संचालन प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग मेघालय सरकार के सहयोग से करेगा। सम्मेलन में 30 से अधिक वक्ता, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी, जिला कलेक्टर और शासन विशेषज्ञ शामिल होंगे, अपनी पुरस्कार-विजेता पहलों और नवाचारपूर्ण प्रशासनिक अनुभव साझा करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य अगली पीढ़ी के प्रशासनिक सुधारों, डिजिटल शासन और नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक सेवा वितरण पर विचार करना है। उद्घाटन सत्र में डीएआरपीजी सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा और मेघालय के मुख्य सचिव डॉ शकील पी अहमद भी संबोधित करेंगे। सम्मेलन में 300 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता, शिक्षाविद और प्रशासनिक क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

पीएम मोदी के विदेश दौरों से भारत की वैश्विक साख मजबूत हुई : बीएल वर्मा

बरेली। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों को भारत के रणनीतिक और आर्थिक हितों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इन यात्राओं से देश की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री केवल औपचारिक विदेश यात्राएं नहीं करते, बल्कि प्रत्येक दौरे का उद्देश्य भारत के लिए नए अवसर, निवेश, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी सुनिश्चित करना होता है। बरेली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बी.एल. वर्मा ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान अनेक देशों की यात्राएं कर भारत के हितों को प्राथमिकता दी है।

खाकी के संरक्षण में करजन में शराबबंदी की उड़ीं धज्जियां

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के अभियान को खुली चुनौती

ट्रैकिंग सिस्टम लगाकर लोकेशन लीक कर रहा जेल-रिटर्न कारिंदा हनबा कामड़िया; स्टेट मॉनिटरिंग सेल की रेड से पहले ही वडोदरा LCB वॉट्सऐप पर देती है इनपुट

खुद पुलिस ही अपनों की रेकी कर बुकी-बूटलेगरों को बचा रही!

एलसीबी पीआई साहब मोटी रकम डकारकर मौन, कारिंदे खोड़ाभाई रबारी के इशारे पर चल रहा करोड़ों का हफ्ता-राज; सत्ताधारी दल के किस बड़े रसूखदार नेता का है

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन/वडोदरा। गुजरात सरकार भले ही गांधीनगर से राज्य में सख्त शराबबंदी और नशामुक्त गुजरात के बड़े-बड़े और गगनभेदी दावे करती हो, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका से सामने आई इस बेहद चौंकाने वाली जमीनी हकीकत ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के पूरे अभियान की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। करजन में कानून-व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर आ चुकी है और पूरा इलाका बूटलेगरों और जुआरियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह (Safe Haven) बन गया है। करजन पुलिस थाने की नाक के नीचे ही अरबों रुपये का अवैध नेटवर्क धड़ल्ले से चल रहा है। सबसे ज्यादा होश उड़ाने वाली बात यह है कि इस पूरे सिंडिकेट की कमान संभालने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि पहले शराब के ही बड़े मामले में जेल की हवा खा चुका करजन पुलिस के पीआई पटेल का खास कारिंदा हनबा कामड़िया उर्फ हनू बूटलेगर है। इस शातिर के पीछे सत्ताधारी दल के एक बेहद रसूखदार नेता का हाथ होने की चर्चाओं से स्थानीय राजनीति में भूचाल आ गया है।

स्क्ष्ट की गाड़ियों की मुखबिरी: जब पुलिस ही करने लगी पुलिस की जासूसी!

विश्वसनीय सूत्रों से मिली इस विस्फोटक जानकारी ने पूरे महकमे को हिला दिया है। राज्य की स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) की विशेष टीमें जब भी वडोदरा जिले में छापेमारी के लिए निकलती हैं, तो करजन पुलिस के इस कथित कारिंदे हनबा कामड़िया ने गांधीनगर की एसएमसी टीमों की गाड़ियों में गुपचुप तरीके से जीपीआरएस (GPRS) ट्रैकिंग डिवाइस फिट कर रखी है! इस डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए वडोदरा एलसीबी (LCB) के कुछ



कथित भ्रष्ट मुलाजिम बूटलेगरों और जुआरियों को वॉट्सऐप पर लाइव लोकेशन भेजकर पहले ही अलर्ट कर देते हैं कि 'टीम रवाना हो चुकी है, अपने-अपने अड्डे तुरंत समेट लो!'. नतीजा यह होता है कि गांधीनगर की टीम के पहुंचने से पहले ही अपराधी पूरी तरह साफ हो जाते हैं। वडोदरा के जिला पुलिस अधीक्षक (स्क्) सुशील अग्रवाल और एलसीबी पीआई की इस पूरे मामले पर रहस्यमयी चुप्पी सीधे तौर पर करोड़ों रुपये के हफ्ता-वसूली के खेल की ओर इशारा कर रही है। जब इस संवेदनशील विषय पर पक्ष जानने के लिए 'महानगर मेट्रो' ने एलसीबी पीआई से संपर्क साधने की कोशिश की, तो वे तीखे सवालों के डर से फोन काटने और नंबर बंद करने में ही अपनी भलाई समझने लगे!

गांव-गांव चल रही मौत की भट्टियां और सट्टे के अड्डे: लोकेशन के साथ पूरा सच

कुरई और करमडी गांव: करजन पुलिस स्टेशन से महज 3 किलोमीटर दूर स्थित कुरई गांव और सिर्फ 2 किमी दूर करमडी गांव में लगभग 15 से ज्यादा अवैध देसी शराब की भट्टियां बेखौफ धधक रही हैं, लेकिन स्थानीय पीआई को यह खुली लत कभी दिखाई ही नहीं देती! कुलारी और सापा गांव: कुलारी गांव में नई नगरी पानी की टंकी के पास नगीन नाम का बूटलेगर और सापा गांव की नई वसाहत (बस्ती) में सरेआम वर्ली मटका का सट्टा धड़ल्ले से खिलाया जा रहा है। रणपुर गांव: रणपुर गांव का सरपंच और भाजपा युवा मोर्चा का अध्यक्ष पार्थ शाह खुद पूरे करजन तालुका में अंग्रेजी (विदेशी) शराब का बहुत बड़ा सिंडिकेट ऑपरेट कर रहा है। सीमडी से रणपुर जाने वाले रास्ते पर शराब का भारी जखीरा छिपाए जाने के पुख्ता सबूत हाथ लगे हैं।

कंडारी गांव और बारियावास: कंडारी गांव में टावर के पास अमित वसावा और बारियावास इलाके में परेश चूनावाड़ा नाम का शख्स खुलेआम विदेशी शराब काउंटर खोलकर बेच रहा है।

अगर इस जहरीली देसी शराब के कारण करजन की धरती पर कोई बड़ा लट्ठाकांड (जहरीली शराब त्रासदी) हो गया और किसी गरीब का घर उजड़ गया, तो क्या यह हफ्ताखोर पुलिस उसकी जिम्मेदारी लेगी या इन्हें राजनीतिक संरक्षण देने वाले बड़े नेता सामने आएंगे? सरकार को बिना वक्त गंवाए इस पूरे भ्रष्ट सिंडिकेट को तत्काल निलंबित कर सलाखों के पीछे भेजना होगा, अन्यथा जनता के भारी आक्रोश और उग्र आंदोलन के आगे इस बिके हुए प्रशासनिक तंत्र को घुटने टेकने ही पड़ेंगे!

'महानगर मेट्रो' का सीधा और बेबाक सवाल

अगर करजन में कोई बड़ा लट्ठाकांड हुआ, तो इन लाशों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एलसीबी के मुख्य कारिंदे खोड़ाभाई रबारी और करजन के हनबा कामड़िया जैसे संगीन और दागदार इतिहास वाले लोग आज वडोदरा जिले के पूरे पुलिस महकमे को अपनी उंगलियों पर नचा रहे हैं। शराब और जुए के इन अड्डों से होने वाली लाखों-करोड़ों की काली कमाई के दम पर इन कारिंदों ने बेनामी संपत्तियों के विशाल साम्राज्य खड़े कर लिए हैं। 'महानगर मेट्रो' सीधे तौर पर जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल पूछता है कि आम जनता की सुरक्षा को रामभरोसे छोड़कर केवल अपनी जेबें गर्म करने में व्यस्त एसपी और पीआई साहब के खिलाफ गांधीनगर की आला कमान कब सख्त एक्शन लेगी?

केंद्र सरकार देश में 10 से 19 सितंबर तक चलाएगी 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' अभियान

● बैठक में विज्ञान मंत्रालयों की संचार रणनीति की भी समीक्षा की गई।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 10 से 19 सितंबर तक पूरे देश में तटीय स्वच्छता अभियान 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' चलाएगी। इस अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने वैज्ञानिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचार, जनभागीदारी तथा विभागीय सहयोग को जोड़कर इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। छुट्टियांव मौसमी आयोजन

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को विज्ञान मंत्रालयों और विभागों के सचिवों तथा वरिष्ठ



अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. उमेश वी वाघमारे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश एस गोखले और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की सचिव डॉ. एन कलैसेल्वी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' अभियान की रणनीति और तैयारियों की समीक्षा की गई। यह अभियान देश के समुद्री तटों पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा। इसमें वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों, स्वयंसेवकों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक विभागों को अलग-अलग संस्थानों की तरह नहीं बल्कि एकीकृत तंत्र के रूप में कार्य करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों के कई डंप बरामद, सोना, नकदी, हथियार और विस्फोटक जब्त

बरामद सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 18 लाख रुपये बताया गया है।

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों ने आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर बारसूर थाना क्षेत्र के तोड़मा गांव के जंगल-पहाड़ी इलाके में छिपाकर रखे गए नक्सलियों के कई डंप बरामद किए हैं। कार्रवाई में 116 ग्राम सोना, दो लाख रुपये नकद, आधुनिक हथियार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य नक्सली सामग्री जब्त की गई है। बरामद सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 18 लाख रुपये बताया गया है। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ओ इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अभियान की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार बर्मन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) जितेंद्र कुमार खूंटे ने की। पुलिस के अनुसार, हाल ही में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नक्सलियों के गुप्त डंप की सटीक जानकारी दी थी। इसके आधार पर संयुक्त टीमों ने तोड़मा के घने जंगलों में सर्च अभियान चलाया, जहां जमीन के नीचे अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में -116 ग्राम सोने का बिस्कुट (अनुमानित कीमत 16 लाख), 2 लाख नकद, 1 इंसास राइफल एवं 16 इंसास मैगजीन, 4 एके-47 मैगजीन और 68 राउंड, 23 एसएलआर मैगजीन एवं 34 राउंड, 5 बारह बोर बंदूकें और 7 कारतूस, 3 बीजीएल लॉन्चर एवं 1 बीजीएल सेल, 2 कार्बाइन मैगजीन, 303 के 8 राउंड एवं 45 चार्जर, 10 भरमार बंदूकें (टूटी-फूटी), 1 रिवॉल्वर, 1 एयरगन, 6 टिफिन बम, 4 पाइप बम, 122 तीर बम, 1 पैरा बम, 2 देशी हैंड ग्रेनेड, 2 देशी मोर्टार, जिलेटिन, 20 डेटोनेटर, कोडेक्स वायर का बंडल और 14 कुकर बम, नक्सली वर्दी का कपड़ा, दवाइयां, पर्चे-पाम्पलेट एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई।

डभोई-वडोदरा रोड पर भिलापुर पुल के पास भयानक हादसा: दो गाड़ियों के पहिए उखड़ गए,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। करोड़ों रुपये की लागत से बनी 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' रोड 'मौत का जाल' बन गई। डभोई पुलिस एक्शन मोड में: अब कोई हादसा हुआ तो सीधे कॉन्ट्रैक्टर और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज होगी। डभोई कल रात डभोई-वडोदरा रोड पर राजली और भिलापुर के बीच बन रहे पुल पर एक भयानक हादसा हुआ। डभोई तालुका में भिलापुर पुल पर एक अर्टिगा फोर-व्हीलर और एक इको कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि दोनों गाड़ियां पलट गईं और उनके पहिए उखड़ गए। इस हादसे में 2-3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें खून से लथपथ हालत में तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के कारण हाईवे के दोनों तरफ दो किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे रात में घर लौट रहे वाहन चालक और स्थानीय लोग घंटों तक फंसे रहे। यहां यह बताना ज़रूरी है कि डभोई पुलिस ने पहले ही रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट और पलास्वाडा व भिलापुर के पास पुल निर्माण का काम कर रही कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को वाहन चालकों को हो रही भारी परेशानी के बारे में लिखित नोटिस भेजा था। इस नोटिस में पुलिस ने साफ चेतावनी दी थी कि अगर सही डायवर्जन या सुरक्षा उपकरणों की कमी के कारण कोई हादसा होता है, तो इसके लिए कॉन्ट्रैक्टर और सड़क विभाग पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। इसके बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस गंभीर हादसे के बाद डभोई पुलिस ने जिम्मेदार प्रशासन के प्रति बहुत सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि अब से इस सड़क पर कोई भी हादसा होने पर कॉन्ट्रैक्टर और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सीधे आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। वडोदरा को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क को चौड़ा करने और मरम्मत करने की जिम्मेदारी GHV एजेंसी की है। पुलिस ने इस एजेंसी को आखिरी चेतावनी भी दी है। करोड़ों रुपये का प्रोजेक्ट, लेकिन सुरक्षा के नाम पर सिर्फ़ दिखावा यहाँ सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे इस बड़े हाईवे पर सही डायवर्जन की व्यवस्था नहीं की गई है। इसके अलावा, रात में गाड़ी चलाने वालों को चेतावनी देने के लिए कोई साइन बोर्ड या पर्याप्त रोशनी का इंतज़ाम नहीं है, जिसकी वजह से यहाँ रोज़ाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएँ हो रही हैं। इस सड़क पर पहले भी कई लोग घायल हो चुके हैं और ऐसी खबरें हैं कि कुछ लोगों की जान भी गई है। कल रात हुई दुर्घटना के बाद, डभोई पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी जाँच कर रही है। अब यह देखना बाकी है कि क्या पुलिस की इस सख्ती और FIR की कड़ी चेतावनी के बाद संबंधित सिस्टम और ट्रांसपोर्ट एजेंसी की नींद खुलती है, और क्या मासूम वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए पुल के आसपास पर्याप्त इंतज़ाम किए जाते हैं.



सिर्फ़ धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सुख-समृद्धि की चाबी जानें रोज़ माथे पर तिलक लगाने के अद्भुत फ़ायदे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारतीय संस्कृति में माथे पर तिलक लगाने की परंपरा सदियों पुरानी है। पूजा-पाठ, शुभ अवसरों या त्योहारों पर हम माथे पर कुमकुम, चंदन या भस्म का तिलक ज़रूर लगाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोज़ तिलक लगाना सिर्फ़ धार्मिक रस्म नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक रहस्य छिपा है? शास्त्रों और पुराणों के अनुसार, रोज़ माथे पर तिलक लगाने से इंसान के शरीर और मन पर अद्भुत पॉज़िटिव असर होते हैं।

1. आज्ञा चक्र को जगाता है: आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ाता है

हमारे ऋषियों और मुनियों ने शरीर की बनावट का बहुत गहराई से अध्ययन किया। इंसान के शरीर का छठा चक्र, यानी 'आज्ञा चक्र', ठीक दोनों भौंहों (आइब्रो) के बीच में होता है। तिलक लगाने और उस जगह पर हल्का दबाव डालने से यह चक्र उत्तेजित होता है। वैज्ञानिक नज़रिए से देखें तो इस जगह पर तिलक लगाने से एकाग्रता भी बढ़ती है, मानसिक शांति मिलती है और व्यक्ति का आध्यात्मिक ज्ञान और अंतर्ज्ञान शक्ति मज़बूत होती है।

2. पॉज़िटिव एनर्जी का कवच: बुरी नज़र से सुरक्षा

आज की व्यस्त और तनाव भरी ज़िंदगी में, हमारे आस-पास नेगेटिव चीज़ें बहुत बढ़ गई हैं। शास्त्रों के अनुसार, जो व्यक्ति रोज़ अपने माथे पर पवित्र तिलक लगाता है, उसके चारों ओर पॉज़िटिव एनर्जी (पॉज़िटिव एनर्जी ऑरा) का एक मज़बूत कवच बन जाता है। यह दिखाई न देने वाला कवच व्यक्ति को समाज की बुरी नज़र, जलन और नेगेटिव विचारों से बचाता है। चंदन का तिलक दिमाग को ठंडा करता है, जिससे गुस्सा कंट्रोल होता है।

ऊना घटना के 10 साल: 'यह सिर्फ़ एक घटना नहीं थी, यह करोड़ों दलितों पर हमेशा रहने वाला ज़ख्म है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड सिटी सूरत में अपराधियों और असामाजिक तत्वों का आतंक इस हद तक बढ़ गया है कि अब आम लोगों की ज़िंदगी सस्ते खाने की दुकान जैसी हो गई है। सूरत में एक दिल दहला देने वाली और दिल दहला देने वाली हत्या की घटना ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। इस बेरहमी से हुई हत्या के बाद, मृतक युवक की बहन ने मीडिया के सामने रोते हुए पुलिस सिस्टम की निष्क्रियता और बड़ी लापरवाही की ऐसी पोल खोली, जिसे सुनकर किसी भी संवेदनशील इंसान का खून खौल उठेगा। मृतक की बहन ने रोते हुए एक गंभीर आरोप लगाया है, जिसने पत्थर दिल अधिकारियों को हिलाकर रख दिया है, 'हम पहले से ही पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगा रहे थे, अगर पुलिस ने हमारी अर्जी पर तुरंत कार्रवाई की होती और पहले शिकायत दर्ज की होती, तो आज मेरा भाई मेरी आंखों के सामने जिंदा होता! मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मृतक युवक और स्थानीय असामाजिक तत्वों के बीच किसी बात को लेकर दुश्मनी थी। ये अपराधी लगातार युवक को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। डर के साये में जी रहा यह परिवार न्याय और सुरक्षा की उम्मीद लेकर स्थानीय पुलिस स्टेशन की सीढ़ियों तक जा रहा था। परिवार ने पुलिस को लिखकर दिया था कि उनके बेटे की जान को खतरा है। लेकिन, हमेशा की तरह, 'जब तक लाश नहीं मिलती, तब तक कोई कार्रवाई नहीं' की पंगु नीति पर चलने वाली पुलिस ने इस अर्जी को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजतन, बेखौफ हमलावरों ने दिनदहाड़े सोनी बाजार या किसी आम सड़क पर युवक को घेर लिया और उस पर धारदार हथियारों से वार करके उसे मौत के घाट उतार दिया। रोती हुई बहन का गुस्सा: पुलिस की ढीली पॉलिसी ने मेरा भाई छीन लिया इस मर्डर की घटना के बाद, हॉस्पिटल के आंगन में मृतक की बहन की दर्दनाक चीखें देखकर वहां मौजूद हर किसी की आंखें भर आईं। बहन ने पुलिस पर बहुत गुस्से से हमला किया और कहा, 'जब गुंडे धमकी दे रहे थे, तो थाने में बैठे बॉस हमें धक्का दे रहे थे। कानून लागू करने वालों ने ही गुंडों को खुली छूट दे दी है। अब जब बॉडी मिल गई है तो पुलिस क्यों भाग रही है? मेरा भाई कभी वापस नहीं आएगा मोरबी में 'लुटेरी दुल्हन' के मामले में शिकायत तब दर्ज हुई जब मामला होम मिनिस्टर तक पहुंचा, और अब सूरत में इस युवक की हत्या में भी यही पैटर्न दिखा - 'पुलिस की बेपरवाही'! कि आम लोग अपनी सुरक्षा की अर्जी कूड़ेदान में क्यों फेंक रहे हैं? क्या पुलिस सिर्फ़ VIPs और नेताओं के पीछे भागने के लिए बनी है? अगर समय पर शिकायत दर्ज करके अपराधियों को काबू में किया गया होता, तो आज किसी बहन का भाई ज़िंदा होता। सिस्टम को अब सिर्फ़ कागज़ों पर पेट्रोलिंग दिखाना बंद करना होगा और ऐसे लापरवाह अफ़सरों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करनी होगी, नहीं तो जनता का खाकी पर से भरोसा पूरी तरह उठ जाएगा.

वडोदरा में सत्ता के नशे में कानून का चीरहरण

जिला पंचायत से लेकर बड़ौदा डेयरी तक भ्रष्टाचार का दीमक

खनन माफिया के आतंक के आगे प्रशासनिक तंत्र लाचार

नारेश्वर हाईवे पर बिना रॉयल्टी रेत के पहाड़ खड़े होने के बावजूद कलेक्टर, एसपी और खान-खनिज विभाग मौन; आखिर किन-किन दफ्तरों तक पहुंच रहे हैं

बड़ौदा डेयरी के चिलिंग सेंटर में पशुपालकों की गाढ़ी कमाई पर 60 लाख का डाका; ऑडिट में घोटाला साबित होने के बाद भी एफआईआर रोकने वाला वह कौन सा बड़ा राजनीतिक दबाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा/करजन। गुजरात सरकार भले ही गांधीनगर की गद्दी से भ्रष्टाचार मुक्त शासन और 'जीरो टॉलरेंस' के बड़े-बड़े दावे करती हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि वडोदरा जिले में सत्ताधारी दल के सफेदपोश नेताओं की भूख के आगे पूरा प्रशासनिक अमला घुटने टेक चुका है। जिले में सरपंच की कुर्सी से लेकर जिला पंचायत के अध्यक्ष तक भ्रष्टाचार का ऐसा दलदल बन चुका है, जहां करोड़ों रुपये का काला कारोबार सरेआम फल-फूल रहा है। वडोदरा जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योत्स्नाबेन वसंतभाई रबारी के पति वसंत रबारी पर अवैध रेत खनन, जबरन वसूली और करोड़ों की रॉयल्टी चोरी के जो पुख्ता सबूत सामने आए हैं, उसने पूरे राज्य की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है।

नर्मदा मैया का सीना चीरकर खुली लूट: एसडीएम और तहसीलदार क्यों हैं खामोश?

विश्वसनीय सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, नारेश्वर से पालेज की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर बिना किसी सरकारी मंजूरी या रॉयल्टी पास के अवैध रेत का विशाल भंडार जमा कर दिया गया है। पवित्र नर्मदा नदी का सीना चीरकर दिन-रात जेसीबी और डंपर दौड़ाए जा रहे हैं और प्राकृतिक संपदा की अंधी लूट मची है। सबसे बड़ा और शर्मनाक सवाल यह है कि इतना बड़ा घोटाला मुख्य सड़क पर सरेआम दिखने के बावजूद, करजन के एसडीएम शिवम बारिया, वडोदरा कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक और स्थानीय तहसीलदार आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं? क्या करोड़ों रुपये के हफ्तों की गूंज गांधीनगर तक पहुंच रही है, जिसके चलते पूरा तंत्र इन माफियाओं के सामने बेबस और मूकदर्शक बना हुआ है?



गरीब पशुपालकों के पसीने पर डाका: बड़ौदा डेयरी का महाघोटाला!

इन कथित नेताओं की भूख इस कदर बढ़ चुकी है कि वे गरीब दूध उत्पादकों और किसानों को भी बख्शने के मूड में नहीं हैं। बड़ौदा डेयरी के आधिकारिक ऑडिट रिपोर्ट में एक ऐसा सनसनीखेज खुलासा हुआ है जिसने सहकारी क्षेत्र की नींव हिला दी है। डेयरी के सबडोल गांव में स्थित चिलिंग सेंटर में करीब 50 से 60 लाख रुपये का बड़ा वित्तीय घोटाला किए जाने की बात सरकारी कागजों में साबित हो चुकी है। गरीब किसानों के पैसे को अपने निजी स्वार्थ के लिए उड़ाने वाले इन रसूखदार नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की हिम्मत डेयरी प्रबंधन क्यों नहीं जुटा पा रहा है? वडोदरा भाजपा जिला अध्यक्ष या स्थानीय विधायक इस महापाप पर पर्दा क्यों डाल रहे हैं?

मुख्यमंत्री तक लिखित शिकायत, फिर भी कार्रवाई से क्यों कतरा रहा है अमला?

इस पूरी खुली लूट और संस्थागत भ्रष्टाचार को लेकर खुद राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को तमाम सबूतों और दस्तावेजों के साथ लिखित शिकायत भेजी जा चुकी है। इसके बावजूद, मुख्यमंत्री कार्यालय (ट्रस्ड) की ओर से अब तक कोई ठोस या सख्त आदेश जारी नहीं होना बेहद निराशाजनक है। वडोदरा का पूरा प्रशासनिक और पुलिस अमला या तो राजनीतिक दबाव के आगे नतमस्तक है या फिर इस अरबों रुपये के खेल में मूक साझीदार बन चुका है। करजन तालुका का यह सरेआम चीरहरण हो रहा है और सरकार धृतराष्ट्र बनी बैठी है।

'महानगर मेट्रो' का सीधा और तीखा सवाल: भ्रष्ट नेताओं पर कब चलेगा कानून का हथौड़ा?

जब एक आम नागरिक पर मामूली नियमों के उल्लंघन के लिए कानून का डंडा चलाया जाता है, तो सत्ता के बल पर नर्मदा नदी को लूटने वाले और गरीब पशुपालकों का पैसा डकारने वाले इन नेताओं के लिए रेड कारपेट क्यों बिछाया जाता है? 'महानगर मेट्रो' सीधे मुख्यमंत्री से सवाल पूछता है कि क्या आपका भ्रष्टाचार मुक्त शासन का नारा सिर्फ चुनावी भाषणों तक ही सीमित है? ये सफेदपोश घोटालेबाज जेल की सलाखों के पीछे कब भेजे जाएंगे? अगर आने वाले दिनों में इन भ्रष्ट नेताओं और इन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो वडोदरा की जनता गांधीनगर तक उग्र आंदोलन छेड़ेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी इस लाचार और बिक चुके प्रशासनिक तंत्र की होगी!

बालासिनोर के TSDF डंपिंग साइट पर हाई कोर्ट के एफिडेविट का खुला मज़ाक: ऑफिस में एडमिनिस्ट्रेशन साफ़ है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालासिनोर। क्या आप सच में यह पानी पी सकते हैं? यही वो सुलगता हुआ सवाल है जो बालासिनोर के 29 गांवों के लोग आज गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और करप्ट एडमिनिस्ट्रेशन के मुंह पर फेंक रहे हैं। कल जब 'पाको गुजरात' टीम ने सभी गांववालों और पशुपालकों के साथ बालासिनोर में TSDF (डंपिंग) साइट की ज़मीन का दौरा किया तो जो डरावनी तस्वीर सामने आई, वह हमारी डेमोक्रेटिक और सेंसिटिव सरकार के दावों पर एक परमानेंट दाग की तरह है। एक तरफ गुजरात हाई कोर्ट में नंबर 3 बने GPCB के अधिकारी लिखकर 'एफिडेविट' फाइल कर रहे हैं कि कंपनी सभी गाइडलाइंस को फॉलो करती है, लेकिन कल जब जनता ने इन्हीं बाबुओं को मैदान में लाकर खड़ा कर दिया तो झूठे सिस्टम की बोलती ही बंद हो गई। पिछले 3 साल से बोडोली और जमीयतपुरा गांव के लोग अपने हक के लिए कलेक्टर और GPCB के ऑफिस के चक्कर काट रहे हैं। कई बार गुहार लगाने के बाद भी इस सोए हुए सिस्टम का पेट नहीं हिला है। आज हालत यह है कि पीने के पानी की जगह स्थानीय लोगों के कुओं और बोरवेल से 'गाढ़े लाल केमिकल जहर' की असहनीय बदबू आ रही है। कल जब GPCB के बड़े अधिकारियों की मौजूदगी में कुएं का लाल पानी पंप से निकालकर अधिकारियों को सौंपा गया, तो उन्हें लाइव कैमरों के सामने मानना पड़ा कि यह गंदा पानी फैक्ट्री के बाहर जाकर कुदरती चीज़ों को बर्बाद कर रहा है। यहां बड़ा सवाल यह है कि अगर किसी छोटी सी कंपनी की हाउसकीपिंग में साधारण कचरा या बदबूदार रंग दिख जाए, तो यही GPCB वाले 'क्लोजर ऑर्डर' (लॉकडाउन) दे देते हैं। तो फिर इस मौर्य कंपनी पर पक्की सील क्यों नहीं लगाई गई जो 29 गांवों की पूरी ज़िंदगी को अस्त-व्यस्त कर रही है और अब तक लाखों लीटर केमिकल ज़मीन में डाल रही है? किस बड़े मुखिया की मेहरबानी से यह कंपनी इतनी बेखौफ हो गई हैतना पड़ता है



नानासालाई में वायरस ग्रुप की बैठक हुई; झालोद से 12 सितंबर को शुरू होगी अंबाजी की भव्य पैदल यात्रा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। वायरस ग्रुप (जय अम्बे ग्रुप) द्वारा हर साल की परंपरा के अनुसार आयोजित अंबाजी पैदल यात्रा के संबंध में आज नानासालाई में ग्रुप के कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में यात्रा के सफल आयोजन के लिए रास्ते की व्यवस्था, यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा, अनुशासन, सेवा कार्यों और विभिन्न जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई और योजना को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार, इस वर्ष अंबाजी पैदल यात्रा की भव्य शुरुआत 12 सितंबर 2026 (शनिवार) को शाम 7:00 बजे होगी। खोडियार मंदिर के पवित्र दिन झालोद नगर से एक जुलूस निकाला जाएगा। बड़ी संख्या में अम्बा भक्त भजन-कीर्तन और माताजी के जयकारों के साथ इस यात्रा में शामिल होंगे, जिससे पूरा झालोद नगर भक्तिमय माहौल से भर जाएगा। यात्रा में शामिल सभी तीर्थयात्री 22 सितंबर 2026 को अगियारस के शुभ दिन शक्तिपीठ अंबाजी पहुंचेंगे और माँ अम्बा के पवित्र चरणों में ध्वज अर्पित कर सभी की खुशी, शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना करेंगे। वायरस ग्रुप (जय अम्बे ग्रुप) ने सभी अम्बा भक्तों से आग्रह किया है कि वे माताजी की कृपा पाने और यात्रा को सफल बनाने में योगदान देने के लिए इस पवित्र पैदल यात्रा में शामिल हों।

प्रकृति की सुंदरता को सहेजने ग्रामीण अंचल में किया पौधारोपण नशामुक्ति का भी दिया संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थांदला। जीवन को सुरक्षित रखना है तो प्रकृति को सुरक्षित रखना होगा यह संदेश गाँव की खूबसूरती व खुशहाली देख कर सार्थक दिखाई देता है यही विचार लेकर आर्यवर्त पत्रकार संघ व जीवदया अभियान के संयुक्त तत्वाधान में दोनों ही संगठनों के राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों द्वारा थांदला के निकट ग्राम पंचायत खजूरी के नशा मुक्ति के दैविक धाम बीड़ महुड़ीपाड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। आयोजन में थाना प्रभारी अशोक कनेश, पूर्व सरपंच कैलाश डामोर सहित विभिन्न स्थानों के पत्रकारों व समाजसेवियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर उत्साहित पूर्व सरपंच कैलाश डामोर ने अपनी ग्राम पंचायत में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किये जाने की सार्थक पहल पर पत्रकारों व समाजसेवियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारें गाँव की खूबसूरती ही इस प्राकृतिक वातावरण से है जिसे लेकर आपकी जागरूकता से यहाँ पौधारोपण किया जाना वास्तव में प्रेरणादायक है। डामर ने कहा आपके आने से इस धाम से नशा छुड़ाने की दैविक शक्ति का भी सबको एहसास होगा कि आज कितने ही घर नशामुक्त होकर देश सेवा में अपना योगदान दे रहे है। पौधारोपण में विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थाना प्रभारी अशोक कनेश ने कहा कि में यहाँ की भीड़ देखकर हैरान रह गया हूँ कि आज कितने ही लोग यहाँ आकर नशा मुक्ति का संकल्प ले रहे है इसलिए वह यहाँ विशेषकर गुरुवार व रविवार को वरिष्ठ अधिकारियों की संज्ञान में लाकर पुलिस सहायता के हर सम्भव प्रयास करेंगें। कनेश ने पत्रकार व जीवदया प्रेमियों के गाँव में पौधारोपण की सराहना करते हुए कहा कि वास्तव में ग्रामीणों में प्रकृति को सहेजने की इच्छा शक्ति होती है जो शहरों से इसे अलग बनाती है इसलिए यहाँ रोपा गया हर पौधा आने वालें समय में निश्चित बड़ा आकार लेगा व प्रकृति को सुरक्षित रखेगा। पत्रकार संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलिम शेरानी ने कहा हमारें युवा पत्रकार नई सोच नई दिशा में कदम बढ़ा रहे है.



फकीरा खत्री डभोई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, जीतने और हारने वाले उम्मीदवारों का स्वागत, सिद्धार्थ पटेल के बीजेपी और सिस्टम पर तीखे हमले जनता ने बीजेपी के अहंकार का जवाब दिया; डभोई में सिद्धार्थ पटेल ने सरकार और अधिकारियों पर तीखे हमले किए; बीजेपी महिला मोर्चा की पूर्व उपाध्यक्ष कांग्रेस में शामिल हुईं। डभोई नगर पालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में कांग्रेस के जीतने और हारने वाले उम्मीदवारों के स्वागत और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए पटेल वाडी में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान, कांग्रेस के सभी जीतने और हारने वाले उम्मीदवारों को सम्मानित किया गया और लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की गई। इस मौके पर कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी की जिम्मेदारी संभालने और सक्रिय रूप से काम करने का संकल्प लिया। इसके अलावा, बीजेपी महिला मोर्चा की पूर्व उपाध्यक्ष हिनाबेन ब्रह्मभट्ट भी कांग्रेस में शामिल हुईं और पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की। कार्यक्रम में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व विधायक सिद्धार्थभाई पटेल, वडोदरा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जसपालसिंह पडियार, युवा नेता विश्लेषण पटेल, राज्य महासचिव संदीप मग्रोला, डभोई नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पाबेन रावल, कार्यकारी अध्यक्ष अफजल कबावाला, सलीमभाई नूर भाई, घांची तालुका कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर बारोट, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सतीश रावल और कई अन्य नेता व पदाधिकारी मौजूद थे। अपने संबोधन में, सिद्धार्थभाई पटेल ने सबसे पहले डभोई शहर और तालुका के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने बीजेपी पर राजनीतिक हमला करते हुए आरोप लगाया कि चुनावों के दौरान विपक्षी उम्मीदवारों पर दबाव डालने और नामांकन पत्र वापस लेने के आरोप लगे थे, लेकिन मतदाताओं ने लोकतंत्र में अपना भरोसा जताया और बैलेट बॉक्स के जरिए इसका जवाब दिया। सिद्धार्थभाई पटेल ने आगे आरोप लगाया कि कुछ सरकारी अधिकारी निष्पक्ष प्रशासन के तौर पर नहीं, बल्कि राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने संवैधानिक और प्रशासनिक कर्तव्यों का निष्पक्ष रूप से पालन करना चाहिए। लोकतंत्र में सिस्टम की निष्पक्षता बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है और अगर सरकारी तंत्र राजनीतिक पक्षपात के साथ काम करता है, तो इसे लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय माना जाएगा। कार्यक्रम के दौरान, कांग्रेस नेताओं ने संगठन को और मज़बूत करने का संकल्प लिया और लोगों के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए संघर्ष जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। यह पूरा कार्यक्रम कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच नए उत्साह और संगठनात्मक एकता का प्रतीक बन रहा था।

गुजरात मॉडल की राजधानी में पाप का घड़ा फूट गया है गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की बड़ी लापरवाही से जंगली जानवर मर रहे हैं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिस शहर से पूरे गुजरात का प्रशासन चलता है, जहां राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्री और टॉप अधिकारियों का काफिला बैठता है, उसी गुजरात की राजधानी गांधीनगर में कानून-व्यवस्था के नाम पर जंगली जानवरों के साथ क्रूरता और भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी गई हैं। गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की बड़ी लापरवाही के कारण आज राजधानी की सड़कों पर और सरकारी कूड़ेदानों में बेगुनाह जानवर अपनी जान गंवा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बुरी हालत होने के बाद भी गांधीनगर के नेता और अधिकारी मुंह में उंगली डालकर चुपचाप क्यों बैठे हैं? क्या इस पूरी बेपरवाही के पीछे कोई बड़ा खेल (मेगा स्कैम) खेला जा रहा है, जिससे गांधीनगर की भोली-भाली जनता बिल्कुल अनजान है?

10 करोड़ का बजट पानी में? या अधिकारियों की जेब में?

'पाको गुजरात' की एक सनसनीखेज इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, गांधीनगर में आवारा जानवरों, कुत्तों पर कंट्रोल और जानवरों के बाड़ों के रखरखाव के लिए हर साल लगभग 10 करोड़ रुपये का चौंका देने वाला बजट दिया जाता है। फिर भी ज़मीनी हकीकत यह है कि जानवरों को न तो भरपूर चारा मिलता है, न ही बीमार जानवरों को समय पर इलाज मिल पाता है। लोग पूछ रहे हैं कि जनता के टैक्स का यह 10 करोड़ रुपये कहां जाता है? गंभीर आरोप लगे हैं कि भ्रष्ट डिपार्टमेंट और ठेकेदारों की मिलीभगत से जानवरों की जान जोखिम में डालकर सिर्फ कागजों पर एक बड़ा एडमिनिस्ट्रेशन चलाया जा रहा है। इस मामले में लोकल लेवल पर जागरूक लोगों और एनिमल लवर्स ने एडमिनिस्ट्रेशन से कई लिखित शिकायतें की हैं। लेकिन पंगु एडमिनिस्ट्रेशन ने इन सभी अर्जियों को नज़रअंदाज़ करके कचरा इकट्ठा कर लिया है। हाल ही में एक जागरूक बहन का रोते हुए और गुस्सा दिखाते हुए एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह जानवरों पर हो रहे अत्याचार और एडमिनिस्ट्रेशन की मिलीभगत का खुलासा कर रही है। अगर सोशल मीडिया पर इस बहन के आंसू देखकर भी गांधीनगर के अधिकारियों का दिल नहीं पिघला, तो इससे बड़ी शर्म की बात और कुछ नहीं हो सकती। सवाल यह है .

संक्षिप्त न्यूज

आनंद पुलिस की बड़ी सफलता, कपसिया बाज़ार हत्याकांड का मुख्य आरोपी कुछ ही घंटों में गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। कपसिया बाज़ार के पास हुए सनसनीखेज हत्याकांड का मुख्य आरोपी आनंद टाउन पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सर्विलांस स्क्वाड ने ष्टष्टङ्घङ्घ फुटेज और तकनीकी निगरानी की मदद से फरार आरोपी को दबोच लिया। मामले का खुलासा करते हुए DYSP जे. एन. पंचाल ने बताया कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश या विवाद की आशंका है। पुलिस ने हथियार सहित अन्य साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई तेज कर दी है

न्यूज़ीलैंड दौरे पर PM मोदी की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर उठा सवाल, विदेश मंत्रालय ने दी सफाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वेलिंगटन/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यूज़ीलैंड दौरे के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं होने को लेकर एक महिला पत्रकार ने सवाल उठाया। विदेश मंत्रालय के सचिव ने जवाब देते हुए कहा कि विदेशी दौरों में संयुक्त बयान और मीडिया संवाद तय प्रोटोकॉल के तहत होते हैं। इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज़ हो गई है और पहले नॉर्वे दौरे के दौरान उठे समान सवालों की भी चर्चा हो रही है।

MS यूनिवर्सिटी में हॉस्टल संकट पर छात्रों का प्रदर्शन, सीटें बढ़ाने की मांग तेज़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी की आर्ट्स फैकल्टी में FYBA की पढ़ाई शुरू होने के बावजूद हॉस्टल में सीटें नहीं मिलने से छात्रों में नाराज़गी है। BVM ग्रुप के नेतृत्व में तीर्थ सोलंकी ने डीन कल्पना गवली को ज्ञापन सौंपकर हॉस्टल क्षमता बढ़ाने की मांग की। छात्रों ने चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं होने पर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

गुजरात में मॉनसून की रफ्तार थमी, अगले 7 दिन भारी बारिश के आसार नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में मॉनसून की रफ्तार धीमी पड़ गई है और मौसम विभाग के अनुसार अगले सात दिनों तक राज्य में भारी बारिश की संभावना नहीं है। इस सीजन में अब तक औसत से 17 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, अरब सागर में तेज़ हवाओं और ऊंची लहरों को देखते हुए तटीय क्षेत्रों के मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

आतंकः शादी के सिर्फ़ आठ दिन में दुल्हन लाखों रुपये लेकर चंपत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। गुजरात में 'लुटेरी दुल्हन' गैंग की एक और चौंकाने वाली कहानी मोरबी से सामने आई है, जो सीधे-सादे और इच्छुक युवाओं को टारगेट करके उनसे लाखों रुपये ठगती है। मोरबी के वावडी रोड पर रहने वाले 47 साल के आदमी से शादी करने के बाद दुल्हन सिर्फ़ आठ दिन में बिना किसी को बताए रातों-रात फरार हो गई है। इस काले धंधे के शिकार को आखिरकार इंसाफ के लिए गांधीनगर तक जाना पड़ा, जिसके बाद अब मोरबी ए-डिवीजन पुलिस स्टेशन में दो महिलाओं के खिलाफ धोखाधड़ी और भरोसा तोड़ने का केस दर्ज किया गया है। अहमदाबाद एजेंट और राजस्थान दुल्हन का 'खेल खलास' नेटवर्क पुलिस कंप्लेंट की डिटेल्स के मुताबिक, मोरबी के वावड़ी रोड के रहने वाले अशोकभाई मूलचंदभाई आडवाणी (उम्र 47) काफी समय से शादी के लिए दुल्हन ढूंढ रहे थे। इसी दौरान उनका कॉन्टैक्ट अहमदाबाद की रहने वाली प्रीति केवलराम वाघवानी नाम की एक महिला एजेंट से हुआ। शोकभाई की शादी राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली निशा रामचंद्र हेमलानी नाम की लड़की से करवा दी।

स्टील की रॉड लेकर प्रशासन को धमकाने वाला एक व्यापारी हर्ष संघवी से मिलते ही क्यों झुक गया?

पहले वीडियो में रॉड दिखाई दीं दूसरे वीडियो में उसने डिप्टी सीएम के पैर छुए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। जब हीरा और कपड़ा नगरी मानी जाने वाली सूरत बाढ़ के पानी में डूबी हुई थी, तो हज़ारों व्यापारियों का करोड़ों रुपये का सामान कचरे के ढेर में बदल गया। चारों तरफ़ बढ़ते पानी के बीच जब व्यापारी नारे लगा रहे थे, तब सूरत का एक व्यापारी सीधे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और सरकार के पास पहुँचा। इस व्यापारी का हथियार कोई कानूनी नोटिस नहीं, बल्कि उसके हाथ में 'स्टील की रॉड' थी! गुस्से में आकर इस व्यापारी ने एक वीडियो बनाया और खुलेआम धमकी दी कि वह इन रॉड को म्युनिसिपल अधिकारियों के शरीर में घुसा देगा। यह वीडियो इतना वायरल हुआ कि बाढ़ से प्रभावित सूरत के हर व्यापारी को लगा कि यह उसकी अपनी आवाज़ है। लेकिन, कहानी में मोड़ तब आया जब यह वायरल वीडियो डिप्टी सीएम हर्ष संघवी तक पहुँचा। जैसे ही यह ज़बरदस्त वीडियो राज्य के गृह मंत्री और डिप्टी सीएम हर्ष संघवी तक पहुँचा, उन्होंने तुरंत कार्रवाई की और सीधे उस नाराज़ व्यापारी की दुकान पर पहुँच गए। लेकिन, सत्ता की ताकत देखिए, जैसे ही नेताजी अंदर आए, डंडा लहराने वाले उस व्यापारी की आवाज़ अचानक गीले गद्दे की तरह बैठ गई! सोशल मीडिया पर उसी व्यापारी का हर्ष संघवी के साथ एक और वीडियो सामने आया, जिसमें सरकार के सिस्टम को कोसने वाला यह 'शेर' जैसा व्यापारी नेताजी के पैर छूते और सरकार के काम से संतुष्टि ज़ाहिर करते हुए दिखा। यह देखकर सूरत का पूरा व्यापारी वर्ग हैरान रह गया कि जो आदमी कल सड़क पर डंडे से सिस्टम को तहस-नहस करने की बात कर रहा था, वह आज नेताजी के पैर छू रहा है! अब तीसरा वीडियो सामने आया है: फिर से शेर बनने का ड्रामा और लोगों का गुस्साद्ब यह ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ। कुछ ही दिनों में ने



जाने-माने साइकियाट्रिस्ट्स से इस व्यापारी की मानसिक स्थिति के बारे में बात की—जो बार-बार अपनी बात बदलता है और यू-टर्न लेता है—तो बहुत चौंकाने वाली बातें सामने आईं। डॉक्टरों के अनुसार, ऐसे लोग मानसिक रूप से 'अटेंशन सीकिंग' होते हैं, यानी वे सिर्फ़ अपनी तारीफ़ और वाहवाही पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। जब वे कोई अजीब हरकत करते हैं और समाज या मीडिया उसकी तारीफ़ करता है, तो उनके मन में एक भ्रम पैदा हो जाता है। अक्सर वीडियो वायरल होने की लत और लाइक्स व व्यूज़ की भूख को शांत करने के लिए वे ऐसे ड्रामे करते हैं। सूरत के व्यापारी बाढ़ की वजह से आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं, मुआवज़े के लिए उन्हें दफ़्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ऐसे समय में, बिज़नेस जगत को ऐसे 'वीडियोबाज़' लोगों से सावधान रहने की ज़रूरत है जो जनता के असली गुस्से को हथियार बनाकर सोशल मीडिया पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं। कल रॉड दिखाना, आज सरेंडर करना और प्रोटोकॉल के तहत तीसरा वीडियो—यह सब कुछ कैमरे के सामने हीरो बनने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है। जनता सब समझती है और उसने सोशल मीडिया पर ही ऐसे रंग बदलने वाले लोगों को आईना दिखा दिया है!

'जो करना है कर लो, हम तो किश्तों में पैसे देते हैं': अहमदाबाद के मुरलीधर रेस्टोरेंट में खाने में कीड़े मिले, ग्राहक ने विरोध किया तो व्यापारी ने दिखाई हेकड़ी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के खाने-पीने के शौकीनों के लिए एक और आंखें खोलने वाला और कड़वी सच्चाई दिखाने वाला मामला सामने आया है। अहमदाबाद के मशहूर 'मुरलीधर रेस्टोरेंट' से ऑर्डर किए गए पाव (खाने की चीज़) में मरे हुए कीड़े मिलने के बाद हंगामा मच गया। हैरानी की बात यह है कि जब ग्राहक ने इस गंभीर लापरवाही के बारे में रेस्टोरेंट मालिक से शिकायत की, तो गलती मानने के बजाय मैनेजर ने हेकड़ी और अहंकार की सारी हदें पार कर दीं। मैनेजर ने ग्राहक को धमकाया और गुस्से में कहा, 'जो करना है कर लो, हम तो ऊपर तक पैसे पहुंचाते हैं, कोई हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता!' सोशल मीडिया पर इस दादागिरी का वीडियो और ऑडियो वायरल होते ही म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का फूड डिपार्टमेंट हरकत में आ गया। मिली जानकारी के अनुसार, जब एक जागरूक नागरिक ने मुरलीधर रेस्टोरेंट से खाना ऑर्डर किया, तो परोसे गए पाव के अंदर से एक घिनौना कीड़ा निकला। ग्राहक ने तुरंत होटल के कर्मचारियों और मालिक को बुलाकर यह गंदगी दिखाई। आम तौर पर, ऐसी स्थिति में माफ़ी मांगकर ग्राहक को संतुष्ट किया जाना चाहिए, लेकिन यहाँ व्यापारी ने ऐसा व्यवहार किया जैसे उसने उगाही के दम पर कानून को ही धो डाला हो। 'हम तो किश्तों में पैसे देते हैं' वाली दो-टूक बात सुनने के बाद, जागरूक ग्राहक ने सबूतों के साथ अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फूड एंड हेल्थ डिपार्टमेंट में लिखित शिकायत दर्ज कराई। ग्राहक की आधिकारिक शिकायत और सोशल मीडिया पर अधिकारियों की साख पर उठते सवालों को देखते हुए, AMC के फूड इंस्पेक्टरों की एक टीम ने तुरंत मुरलीधर रेस्टोरेंट पर छापा मारा। जांच के दौरान किचन में गंदगी और फूड सेफ्टी नियमों का भारी उल्लंघन पाया गया। वसूली के आरोपों के बीच अपनी साख बचाने के लिए, खाद्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रेस्टोरेंट संचालक पर 25,000 का भारी प्रशासनिक जुर्माना लगाया है। साथ ही, विभाग ने सख्त नोटिस जारी कर चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी गंदगी या लापरवाही पाए जाने पर लाइसेंस रद्द कर रेस्टोरेंट को हमेशा के लिए सील कर दिया जाएगा। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि जो व्यापारी कैमरे या ग्राहक के सामने खुलेआम 'किस्तें देने'



(रिश्वत देने) की बात करता है, क्या उस पर 25,000 का मामूली जुर्माना कोई असर डालेगा? जो रेस्टोरेंट सुबह से शाम तक लाखों रुपये कमाते हैं, उनके लिए 25,000 कोई बड़ी रकम नहीं है।जो इन व्यापारियों को रिश्वत लेने और जनता को ज़हरीला खाना खिलाने की छूट देते हैं?

नागदा खाचरोद विधानसभा के 53 गांव में किसान कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। रविवार को किसान कांग्रेस नागदा ग्रामीण एवं खाचरोद ब्लॉक का कार्यकर्ता सम्मेलन स्नेह कुंज गार्डन में संपन्न हुआ। जिसमें प्रथम चरण में विधानसभा क्षेत्र के त्रेपन गांव में किसान कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति की गई और अध्यक्षों को अतिथियों ने नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनका स्वागत किया। यह जानकारी देते हुए किसान कांग्रेस के खाचरोद ब्लॉक अध्यक्ष सुरपाल सिंह भाटी एवं नागदा ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष श्रवण सोलंकी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता बसंत मालपानी, किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव दीपक शर्मा, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष लखन सिंह ठाकुर, युवा कांग्रेस के पूर्व जिला उपाध्यक्ष दिलीप फतरोड,सेवादल के जिला महासचिव दिनेश माहेश्वरी सेवादल के जिला संयुक्त सचिवद्वय हरिराम पाटीदार, पुखराज पटेल मंचासीन थे। अपने उद्बोधन में श्री मालपानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश एवं केंद्र सरकार से सबसे ज्यादा कोई परेशान है तो वह किसान परेशान है और कांग्रेस पार्टी ने हमेशा किसानों की आवाज मजबूती से भोपाल से दिल्ली तक उठाई है। और आगे भी कांग्रेस किसानों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ेगी। आज जो किसान कांग्रेस का ग्राम अध्यक्ष बना है वह किसने की समस्या ग्रामीण स्तर पर जाने और पार्टी के जवाबदारों को बताएं ताकि जवाबदारी पदाधिकारी किसानों के हक और अधिकार की लड़ाई तथ्यों के साथ लड़ सके।दोनों ब्लॉक अध्यक्षों ने बताया कि नवनियुक्त किसान कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष अनोखी लाल चौधरी ग्राम गोठड़ा ,जीवन सिंह पवार ग्राम लोहचितारा,शंकर सिंह राठौड ग्राम कथारखेड़ी, रामनिवास मालवीय ग्राम चापाखेड़ा,भेरूलाल मालवीय ग्राम चापानेर,रामसिंह गुर्जर ग्राम मोकडी,सुरेश रोतिया ग्राम तारोद, समरथ धाकड़ ग्राम अकायाजागीर,मनीष गुर्जर ग्राम चंदोड़िया,अंकित सोलंकी ग्राम केसरिया, राजेंद्रसिंह सोलंकी ग्राम भेसोला, गोकुल चौधरी ग्राम बोरदीया,जयसिंह पवार ग्राम थडोदा,एजाज खान ग्राम बेडावनिया, कन्हैया लाल गुर्जर ग्राम दीवेल, लाल सिंह गुर्जर ग्राम चौकी,लोकेंद्र गोयल ग्राम भुवासा,महेंद्र माहेश्वरी ग्राम नरसिंहगढ़, कारूलाल परमार ग्राम अंतलवासा, प्रहलाद पाटीदार ग्राम कमठाना , अजय पवार ग्राम नायन, राहुल परमार ग्राम भीलसुडा, दशरथ परमार ग्राम भाटीसुडा, दिनेश चंद्रवंशी ग्राम टकरावदा, पप्पू वाघेला ग्राम लसूडिया, राजेश सिंह राठौड ग्राम मकला ,बाबूलाल परमार ग्रामर पालकी,मंगल गुर्जर ग्राम डाबरी, जगदीश गुर्जर ग्राम निपानिया, बालमुकुंद सोलंकी ग्राम उमरना का अतिथियों ने स्वागत कर नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

गांधीनगर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज़' के तहत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री तथा गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्री अमित शाह द्वारा 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज़' के तहत एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरित क्रांति के इस बड़े अभियान के साथ-साथ, केंद्रीय गृह मंत्री ने क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सार्वजनिक विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

कई राजनीतिक नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे

इस खास मौके पर राज्य के सम्मानित मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, गृह राज्य मंत्री श्री हर्षभाई संघवी, राज्य के नेता श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा, विभिन्न सांसद, विधायक और अहमदाबाद नगर निगम के मेयर श्री हितेश बारोट के साथ-साथ AMUCO के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, मित्र और स्थानीय नागरिक भी शामिल हुए।

पर्यावरण और विकास का तालमेल

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान और वृक्षारोपण के इस वैश्विक अभियान को बढ़ावा देते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि विकास के साथ-साथ प्रकृति का संरक्षण करना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज़' के तहत गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र को और अधिक हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया गया है। इसके साथ ही, करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन स्थानीय बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगा और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाएगा। उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने इन सार्वजनिक कार्यों की सराहना की।

गलत कनेक्शन से झटका लगता है, लेकिन सही कनेक्शन पूरी ज़िंदगी रोशन कर देता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज की दुनिया एक अजीब दौड़ में भाग रही है। किसी व्यक्ति के फेसबुक पर पाँच हज़ार दोस्त, इंस्टाग्राम पर हज़ारों फ़ॉलोअर्स और व्हाट्सएप पर सैकड़ों ग्रुप होते हैं, लेकिन जब मन का दुख या खुशी बांटने की बात आती है, तो वह व्यक्ति बिल्कुल अकेला और बेबस खड़ा होता है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में, अगर हमें रिश्तों को परिभाषित करना हो, तो एक बहुत सटीक और तीखी बात सामने आती है: 'रिश्ते बिजली के करंट की तरह होते हैं, गलत कनेक्शन से ज़बरदस्त झटका लगता है, लेकिन अगर कनेक्शन सही हो, तो यह पूरी ज़िंदगी रोशन कर देता है।' हम ऐसे समाज में रह रहे हैं जहाँ लोग होंठों पर मिठास और दिल में मतलब लिए घूमते हैं। आज के दौर में रिश्तों में बहुत ज़्यादा 'शॉर्ट-सर्किट' होता है। जब आप भावनाओं, उम्मीदों या भरोसे के साथ किसी गलत व्यक्ति से जुड़ते हैं, तो वह कनेक्शन कभी भी फट सकता है। वे नकारात्मक तार आपकी सकारात्मक ऊर्जा को सोख लेते हैं।गलत रिश्ते का झटका इतना जानलेवा होता है .

ब्रांडेड मसालों के नाम पर लोगों को 'धीमा ज़हर' परोसने वाली नकली फैक्ट्री का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडल। राजकोट ग्रामीण पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप शाखा ने करोड़ों गुजरातियों की रसोई तक कैंसर और गंभीर बीमारियों का 'धीमा ज़हर' पहुँचाने वाले शर्मनाक घोटाले के ख़िलाफ़ एक बड़ी कार्रवाई की है। स्हत पुलिस ने खाद्य और औषधि विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर 'जे.पी. मसाला' नाम की फैक्ट्री पर अचानक बड़ी रेड मारी। इस रेड के दौरान फैक्ट्री के अंदर के हालात देखकर पुलिस और खाद्य विभाग के अधिकारी भी हैरान रह गए। पुलिस ने इस फैक्ट्री से कुल 41.91 लाख रुपये का संदिग्ध और मिलावटी सामान ज़ब्त किया है, जो खुलेआम नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ कर रही थी और ब्रांडेड सामान के नाम पर कचरा बेच रही थी। पैसे के बेतहाशा लालच में इन बेईमान व्यापारियों ने सारी हदें पार कर दी थीं। इस फैक्ट्री में सब्ज़ियों और खाने का स्वाद बढ़ाने वाले पवित्र मसालों जैसे मिर्च पाउडर, शुद्ध हल्दी और धनिया में रंग लाने के लिए सस्ते मक्के के आटे, घटिया क्वालिटी के पाम ऑयल और ज़हरीले केमिकल वाले रंगों का इस्तेमाल किया जाता था, जो इंसानी आंतों को नुकसान पहुँचा सकते हैं। मिलावट का यह पूरा नेटवर्क सिर्फ़ आर्थिक फ़ायदा कमाने और बाज़ार में सस्ती दरों पर बड़ी मात्रा में सप्लाई करने के लिए चलाया जा रहा था। इन केमिकल-युक्त मसालों को खाने से कैंसर, लिवर और पेट की गंभीर बीमारियों का पूरा ख़तरा है। सटीक और विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, SOG पुलिस ने फैक्ट्री के मुख्य मास्टरमाइंड और मालिक मितुल उर्फ़ मनीष गिरधरभाई बल्धा (पटेल) को मौके से रंगे हाथों पकड़ा और उसे जेल भेज दिया है।

प्रवासियों के खिलाफ सख्त अभियान के दौरान स्थानीय लोगों और विदेशियों की पहचान को लेकर एक बड़ी उलझन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/सूरत। गुजरात सरकार और सुरक्षा एजेंसियां राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, खासकर बांग्लादेशियों की पहचान करने के लिए 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' जोर-शोर से चला रही हैं। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए इस ऑपरेशन को बेहद अहम माना जाता है और इसके तहत कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर डिपोर्ट (देश से बाहर) किया गया है। लेकिन, इस सख्त कानूनी ऑपरेशन के साथ-साथ सोशल मीडिया से लेकर ज़मीनी स्तर तक एक बड़ा सामाजिक और प्रशासनिक विवाद भी गरमा गया है। गुजरात में रहने वाले बंगाली भाषी मुस्लिम परिवारों का दावा है कि उन्हें सिर्फ भाषा और धर्म के आधार पर शक की नज़र से देखा जा रहा है, जिसकी वजह से कानूनी तौर पर भारतीय नागरिक भी डर के साये में जी रहे हैं। श्चिम बंगाल के हजारों मुस्लिम मजदूर सालों से गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, राजकोट और वडोदरा जैसे बड़े शहरों में रह रहे हैं। ये लोग मुख्य रूप से कंस्ट्रक्शन, हीरा उद्योग, ज़री का काम, सोना बाजार और कबाड़ (स्क्रैप) के कारोबार से जुड़े हैं। 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' शुरू होने के बाद ज़मीनी हालात ऐसे हो गए हैं कि जो कोई भी बंगाली बोलता है, उसे अपने आप बांग्लादेशी मान लिया जाता है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, मालदा या चौबीस परगना जिलों से कानूनी तौर पर रोजी-रोटी कमाने आए भारतीय मुसलमानों की शिकायत है .

अहमदाबाद में अंजलि क्रॉसरोड्स के पास ST बस और मोटरसाइकिल के बीच भयानक हादसा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पुलिस और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची शव को आगे की जांच के लिए पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अहमदाबाद शहर में लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण एक और बेगुनाह नागरिक की जान चली गई। आज अहमदाबाद के व्यस्त पलड़ी इलाके में अंजलि स्वामीनारायण मंदिर क्रॉसरोड्स के पास ST बस और मोटरसाइकिल के बीच एक भयानक हादसा हुआ। इस हादसे में, स्ज्ञ बस के संपर्क में आते ही बाइक सवार सड़क पर गिर गया और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घंटों तक ट्रैफिक जाम रहा। पवित्र स्वामीनारायण मंदिर के पास हुई इस घटना से स्थानीय लोगों और राहगीरों में हड़कंप मच गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज करने की तैयारी; घटना की जानकारी मिलते ही पलड़ी पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखी और ट्रैफिक को सुचारू किया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पता चला है कि हादसा स्ज्ञ बस ड्राइवर की लापरवाही के कारण हुआ, जिसके बाद पुलिस ने बस ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी जांच कर रही है।

वीर शहीद कैप्टन नीलेश सोनी की वीरता को सलामः भारतीय सेना द्वारा भेंट की गई भव्य 'वॉर ट्रॉफी' (तोप) का अहमदाबाद में उद्घाटन होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सपूत और देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद कैप्टन नीलेश सोनी की अमर वीरता को श्रद्धांजलि देने के लिए अहमदाबाद में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। वीर शहीद की स्मृति में भारतीय सेना द्वारा भेंट की गई 'वॉर ट्रॉफी' (एक ऐतिहासिक तोप जो अब इस्तेमाल में नहीं है) को शहीद स्मारक पर स्थापित किया गया है, जिसका भव्य उद्घाटन अगले



सोमवार को होने जा रहा है। शहीदों को उनके जन्मदिन पर श्रद्धांजलि देने के लिए एक अनोखा त्रिवेणी संगम 13 जुलाई वीर शहीद कैप्टन नीलेश सोनी का 64वां जन्मदिन है। इस विशेष और पवित्र अवसर पर, देश के लोगों और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए अहमदाबाद के माननीय मेयर श्री हितेशभाई ब्रह्मभट्ट द्वारा इस शानदार वॉर ट्रॉफी का अनावरण किया जाएगा। इस अवसर पर एलिसब्रिज के माननीय लोकप्रिय विधायक श्री अमितभाई शाह भी उपस्थित रहेंगे और शहीद सैनिक को श्रद्धांजलि देंगे। अहमदाबाद के देशभक्त नागरिकों को इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने और देश के वीर सपूत को श्रद्धांजलि देने के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है।

भाग्यदय सोसाइटी से लाखों की विदेशी शराब ज़ब्त 5.51 लाख रुपये की शराब और बीयर की 1046 बोतलें ज़ब्तः 4 शराब तस्कर गिरफ़्तार, 3 फ़रार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। PCB (पुलिस क्राइम ब्रांच) ने शहर में शराबबंदी कानून का उल्लंघन करके विदेशी शराब छिपाकर रखने वालों के खिलाफ़ बड़ी कार्रवाई की है। PCB की एक टीम ने जानकारी मिलने पर अहमदाबाद के घाटलोडिया इलाके की भाग्यदय सोसाइटी में अचानक छापा मारा और लाखों रुपये की भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की। लाखों का सामान और गाड़ियाँ ज़ब्त पुलिस के आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को पक्की खबर मिली थी कि घाटलोडिया की इस सोसाइटी में विदेशी शराब की अवैध बिक्री हो रही थी। छापे के दौरान, पुलिस ने मौके से कुल 1046 विदेशी शराब की बोतलें और बीयर के टिन ज़ब्त किए, जिनकी कीमत लगभग 5.51 लाख रुपये है। इसके अलावा, पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई कार, 5 मोबाइल फ़ोन और नकद समेत कुल 9.63 लाख रुपये का सामान ज़ब्त किया है। PCB टीम ने इस शराब नेटवर्क का पर्दाफ़ाश किया और मौके से चार मुख्य आरोपियों को गिरफ़्तार किया। गिरफ़्तार आरोपियों में कौशल अहारी, अनिल डामोर, शुभम वोरा और गुलाब डाभी शामिल हैं। हालाँकि, इस अपराध में शामिल तीन अन्य साथी पुलिस छापे के दौरान भागने में सफल रहे, जिन्हें अब फ़रार घोषित कर दिया गया है



चेन्नई में बजेगा बिग बैश का बिगुल भारत ऑस्ट्रेलिया खेल साझेदारी का नया अध्याय



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम दिन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्थालेकर भी मौजूद रहे। इसी मंच से दोनों नेताओं ने भारत ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप भी लॉन्च किया जिसके माध्यम से खेल विज्ञान खेल अवसंरचना खेल व्यापार पर्यटन निवेश और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों में खेल कूटनीति का एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टी-20 प्रतियोगिता बिग बैश लीग (बीबीएल) का उद्घाटन मुकाबला इस वर्ष 12 दिसंबर को चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसी विदेशी फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग का आधिकारिक मैच भारत की धरती पर आयोजित किया जाएगा। यह फैसला केवल क्रिकेट आयोजन भर नहीं बल्कि दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास आर्थिक सहयोग और खेल आधारित साझेदारी का प्रतीक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम दिन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्थालेकर भी मौजूद रहे। इसी मंच से दोनों नेताओं ने भारत ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप भी लॉन्च किया जिसके माध्यम से खेल विज्ञान खेल अवसंरचना खेल व्यापार पर्यटन निवेश और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

बिग बैश लीग पिछले डेढ़ दशक से ऑस्ट्रेलिया की सबसे लोकप्रिय टी-20 प्रतियोगिता रही है। अब तक इसके सभी मुकाबले केवल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होते रहे हैं। ऐसे में चेन्नई में उद्घाटन मैच का आयोजन इस लीग के इतिहास का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय विस्तार माना जा रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में कदम रखने से लीग को नई पहचान और व्यापक दर्शक वर्ग मिलेगा। भारतीय दर्शकों की क्रिकेट के प्रति दीवानगी और विशाल प्रसारण बाजार को देखते हुए यह फैसला व्यावसायिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चेन्नई को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए चुनना भी अपने आप में विशेष महत्व रखता है। चेपॉक स्टेडियम भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में गिना जाता है। यहां के दर्शक खेल भावना और क्रिकेट की गहरी समझ के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। ऐसे वातावरण में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच उद्घाटन मुकाबला दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक यादगार अवसर बनेगा।



प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि साझा जुनून है। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड हर भारतीय के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इस मैदान से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कई ऐतिहासिक मुकाबलों की यादें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की मुलाकात होती है तब क्रिकेट दोनों नेताओं के बीच संवाद और मित्रता का माध्यम बन जाता है।

मोदी ने यह भी कहा कि भारत में किसी भी खेल लीग का आयोजन उसे करोड़ों दर्शकों तक पहुंचा देता है। यही कारण है कि दुनिया की कई खेल संस्थाएं भारत के विशाल खेल बाजार की ओर आकर्षित हो रही हैं। बिग बैश लीग का भारत आना इसी बदलते वैश्विक खेल परिदृश्य का प्रमाण है। इससे भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को विश्व स्तरीय विदेशी लीग का अनुभव अपने देश में मिलेगा जबकि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को भी नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे।

दोनों देशों ने खेलों को आर्थिक विकास और सांस्कृतिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम भी माना है। भारत जहां वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है वहीं वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया वर्ष 2032 के ब्रिस्बेन ओलंपिक की मेजबानी करेगा। ऐसे में खेल अवसंरचना प्रशिक्षण तकनीक और आयोजन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भी खुलकर सराहना की। उन्होंने स्टीव वॉ की मानसिक दृढ़ता और लिसा स्थालेकर के हरफनमौला प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि महान खिलाड़ी केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि अनुशासन सही सोच और लगातार मेहनत से बनते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से इन दिग्गजों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी इस घोषणा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार बिग बैश लीग ऑस्ट्रेलिया से बाहर आयोजित होगी और भारत इसका सबसे उपयुक्त स्थान है। उन्होंने कहा कि चेन्नई में होने वाला मुकाबला केवल क्रिकेट मैच नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया महोत्सव की शुरूआत भी होगा जिसमें खेल संस्कृति व्यापार और पर्यटन से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और भी मजबूत होगा।

खेल सहयोग के साथ दोनों देशों ने आर्थिक और सामरिक संबंधों को भी नई गति दी है। प्रधानमंत्री मोदी और एंथनी अल्बनीज की बैठक में रक्षा व्यापार शिक्षा ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम आपूर्ति संबंधी समझौते को भी आगे बढ़ाया गया। इसके अलावा कृषि और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर भी सकारात्मक बातचीत हुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कृषि उत्पादों पर शुल्क और व्यापार नियमों में संभावित बदलाव पर भी चर्चा की संभावना जताई जा रही है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी न्यूजीलैंड रवाना हो गए हैं।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री वहां की सरकार के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और लगभग चालीस हजार भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार निवेश शिक्षा कृषि और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देना है। इससे पहले इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया की यात्राओं के दौरान भी भारत ने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका का प्रभाव अब खेल जगत में भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। पहले जहां विदेशी खिलाड़ी केवल भारतीय प्रीमियर लीग में भाग लेने भारत आते थे वहीं अब विदेशी लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करने के लिए उत्सुक हैं। यह भारत की खेल अर्थव्यवस्था मीडिया बाजार और दर्शकों की अपार शक्ति का परिणाम है। आने वाले वर्षों में यदि अन्य अंतरराष्ट्रीय लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करती हैं तो इससे भारतीय खेल उद्योग को नई ऊंचाइयां मिल सकती हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग का उद्घाटन मुकाबला केवल एक क्रिकेट मैच नहीं बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्वास साझेदारी और साझा भविष्य की नई शुरूआत का प्रतीक है। यह आयोजन दोनों देशों के खेल संबंधों को नई दिशा देगा और यह संदेश भी देगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि देशों को जोड़ने वाली सबसे प्रभावशाली कड़ी भी है। आने वाले समय में यह साझेदारी खेल संस्कृति व्यापार और जनसंपर्क के अनेक नए अवसरों का द्वार खोल सकती है।

संपादकीय

परमाणु बम बनाएगा ईरान!

युद्ध का तनाव इतना बढ़ चुका है कि ईरान परमाणु बम बनाने की सोचने लगा है। वह परमाणु अप्रसार सन्धि (एनपीटी) से भी बाहर आ सकता है। फिलहाल ऐसी संभावनाएं और आशंकाएं जताई जा रही हैं, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ इन्हें ही परमाणु बम बनाने का आधार मान रहे हैं। रूस ने भी कई बार बयान दिया है कि हालात ईरान को एटम बम बनाने को बाध्य कर रहे हैं। इस संदर्भ में रक्षा विशेषज्ञ ईरान की तुलना उत्तर कोरिया से कर रहे हैं। उत्तर कोरिया 1985 में एनपीटी का सदस्य था। फिर भी उसने रहस्यमयी परमाणु परीक्षण किए और छोटे-छोटे बम भी बना लिए। उसने 2003 में एनपीटी को छोड़ दिया। आज वह सरेआम विनाशक मिसाइलों के परीक्षण कर रहा है। उसके पास कितने परमाणु बम हैं, उसका सत्यापित हिसाब किसी के पास भी नहीं है, लेकिन अमरीका और यूरोपीय देश उससे आशंकित रहते हैं। क्या ईरान युद्ध ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है कि ईरान ह्यउत्तर कोरियाह्ण बन सकता है? वैसे ईरान के पास करीब 440 किग्रा. संवर्धित यूरेनियम बताया जाता है। यह संवर्धन 60 फीसदी से अधिक है, जिससे छोटे एटम बम बनाए जा सकते हैं! जब तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण कर रही थी, उसके आधार पर अब भी आकलन किए जा रहे हैं कि ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाया है। दिवंगत सुप्रीम लीडर खामेनेई भी घोषित रूप से परमाणु बम बनाने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन मौजूदा सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की इस बाबत सोच अभी तक अस्पष्ट है। ईरान के सबसे बड़े और प्रमुख परमाणु केंद्र ह्यनतांजह्ण सहित फोर्डो और इस्फहान परमाणु केंद्रों में यूरेनियम संवर्धन अब भी जारी है, ऐसी खबरें आती रही हैं। ये जमीन के बहुत नीचे और सुरक्षित परमाणु केंद्र हैं, जिन्हें अमरीका और इजरायल अभी तक नष्ट करने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी सेना ने जिस बुशहर परमाणु प्लांट के निकट अभी हवाई हमले, बम विस्फोट किए हैं, वह ईरान का एकमात्र सक्रिय परमाणु बिजलीघर है। इस 1000 मेगावाट के संयंत्र को जर्मनी ने बनाना शुरू किया था, लेकिन वह अधूरा छोड़ कर भाग गया। फिर रूस ने इसे अंतिम रूप दिया। यह ईरान का सर्वाधिक संवेदनशील परमाणु प्लांट है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बिजली संयंत्रों और महत्वपूर्ण पुलों पर हमले करने का ऐलान किया है। बीते गुरुवार को अमरीकी हमले में उन रेल पुलों को तबाह किया गया है, जो तेहरान और मशहद को जोड़ते हैं। मशहद में ही खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किया गया है। अमरीकी हमलों में पहली बार चाबहार बंदरगाह के ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर और आईआरजीसी के इमाम अली बेस को निशाना बनाया गया है। जाहिर है कि नुकसान भी हुआ है। इस बंदरगाह को विकसित करने में भारत ने भी 1400 करोड़ रुपए का निवेश कर रखा है, लिहाजा हमारा भी नुकसान हुआ है। बहरहाल बीते दिनों एक खबर आई थी कि बुशहर में ही करीब 2100 किग्रा. प्लूटोनियम का भंडार है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

नेतन्याहु के मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे ट्रंप?



सनत जैन

28 फरवरी को इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर व्यापक हमले किए, जिसके बाद से पूरा मध्य पूर्व इस सैन्य संघर्ष की चपेट में आ गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता बदल जाएगी। मोसाद और इजराइल की नेतन्याहू सरकार ने जिस तरह से ईरान में सत्ता पलटने की कोशिश की थी, ईरान में आंदोलन बड़े पैमाने पर हो रहे थे। इसी बीच ईरान पर हमला किया गया। इजराइल और अमेरिका ने कभी सोचा भी नहीं था कि ईरान उन्हें इस तरह से जवाब देगा। अमेरिका और इजराइल की जो सबसे बड़ी गलती थी, उसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या तथा स्कूल में किए गए हमले में 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत ने युद्ध के सारे समीकरण बदल दिए। मोसाद, अमेरिका और इजराइल के खिलाफ ईरान की जनता भड़क गई। ईरान के रणनीतिकारों ने इसे अपने अस्तित्व का संकट मानकर जिस तरह से रूस और चीन के साथ-साथ होर्मूज स्टेट को अपना हथियार बनाया, उसने तमाम दावों को गलत साबित कर दिया। जिस तरह से मोसाद का सफाया ईरान से किया गया, अरब देशों में अमेरिका के जो सैन्य ठिकाने बने थे ईरान ने अपने जवाबी हमले में उन्हें नष्ट किया। इसकी कल्पना कभी भी अमेरिका और इजराइल ने नहीं की थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में जिस तरह का नरसंहार कर रहे थे, उनके ऊपर भ्रष्टाचार के भारी आरोप लगे हुए थे। नेतन्याहू ने स्वयं को बचाने के लिए जिस तरह से अमेरिका का उपयोग किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने मकडजाल में फंसाया, उसके बाद से अमेरिका बुरी तरह से फंसता चला गया। पिछले 4 महीने में अमेरिका ने तीन बार युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। हर बार इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कारण कोई भी बातचीत परिणाम तक नहीं पहुंच सकी है। अब तो यह साफ दिखने लगा है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इजराइल में कुछ महीने पश्चात चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के कुछ राज्यों में चुनाव अगले कुछ महीनो में होना है। दोनों ही नेताओं की लोकप्रियता में बड़ी तेजी के साथ कमी आई है और दोनों ही अपने अस्तित्व की लड़ाई को लड़ रहे हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपना आखिरी ब्रह्मास्त्र चल दिया है। इस ब्रह्मास्त्र में उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी हत्या का भय दिखाकर युद्ध के मैदान से भागने के स्थान पर डटकर मुकाबला करने की सलाह दी है। यह ब्रह्मास्त्र उन्होंने चला है, जिसका असर भी डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर होता हुआ नजर आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह कथन कि उन्होंने 1000 मिसाइल ईरान की तरफ तैनात कर दी हैं, यदि उनकी हत्या होती है तो इसके लिए ईरान जिम्मेदार होगा और ऐसे में उसे पूरी तरफ खत्म कर दिया जाएगा। इसी तरह ईरान ने भी अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दे दी है कि वह अपने सर्वोच्च नेता की हत्या का बदला लेंगे। अपराधियों की पूरी सूची उन्होंने तैयार कर रखी है। ईरान की जनता ने जिस तरह से इमाम हुसैन की शहादत का बदला लिया था ठीक उसी तरह का बदला इन हत्यारों से लेगी। जिसके कारण पश्चिम एशिया में एक बार फिर से युद्ध का संकट बढ़ गया है। ईरान और अमेरिका एक दूसरे के ऊपर लगातार हमले कर रहे हैं।



युद्ध विराम को लेकर जो एक शांति का वातावरण बनता हुआ दिख रहा था वह एक बार फिर अशांति की ओर परिवर्तित हो रहा है। यदि यह युद्ध हुआ तो सारी दुनिया के देशों पर इसका असर पड़ेगा। अंततः युद्ध कभी किसी समस्या का हल नहीं होता, इसके लिए शांति-वार्ता के साथ बीच का रास्ता निकालना ही समझदारी होगी।

सात पुश्तों के लिए काली कमाई जोड़ कर बैठे हैं भ्रष्टाचारी अधिकारी!



मनोज कुमार अग्रवाल

देश में भ्रष्टाचार लाइलाज बीमारी बन रहा है जिससे आम आदमी को रोजाना दो चार होना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2025 के अनुसार, भारत 91वें स्थान पर है।इस सूची में 182 देशों को शामिल किया गया था, जिसमें भारत को 100 में से 39 अंक मिले हैं। 0 अंक का अर्थ अत्यधिक भ्रष्ट और 100 अंक का अर्थ पूर्णतः पारदर्शी या ईमानदार होता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्थिति में पिछली रैंकिंग के मुकाबले पांच स्थानों का सुधार हुआ है।

आपको बता दें कि देश के सिस्टम से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के पास भ्रष्टाचार व पद का दुरुपयोग कर जमा की गयी अकूत चल अचल संपत्ति का भंडार है। भारत में भ्रष्टाचारी अधिकारियों की धर-पकड़ और उनसे अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त (राजसात) करने के लिए बेहद कड़े कानूनी प्रावधान और सक्रिय जांच एजेंसियां काम कर रही हैं। हाल ही में जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश विजिलेंस और कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा की गई बड़ी छापेमारी इस बात का जीवंत उदाहरण हैं, जहां भ्रष्ट अधिकारियों के गुप्त लॉकरों से करोड़ों रुपये नकद और किलो के हिसाब से सोना बरामद किया गया है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग (विजिलेंस टीम) ने जुलाई 2026 में आगरा के पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस टीम ने उनके लखनऊ स्थित अलीगंज आवास पर छापेमारी कर करीब रू.35 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति का खुलासा किया है, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी जांच और कार्रवाई को तेज कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग की छापेमारी में उनके घर के कोने-कोने से भारी मात्रा में घर के विभिन्न हिस्सों में पैकेटों में छिपाकर रखे गए रू.1.62 करोड़ नकद मिले।लगभग 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी (बिस्किट, बार और आभूषण के रूप में) जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब रू.20 करोड़ आंकी गई है। लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में कई मकानों, भूखंडों (प्लॉट्स), फ्लैटों और कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत रू.13 करोड़ के आसपास है।बैंक खातों, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और पोस्ट ऑफिस स्कीमों में रू.1 करोड़ से अधिक के निवेश के दस्तावेज मिले। इसके अलावा दो लग्जरी कारें इनोवा और आइ20 और एक रिवॉल्वर भी बरामद की गई है। रू.300 की घूस की शिकायत से खुला राज इस विशाल साम्राज्य का पदार्फाश साल 2020 में हुई एक छोटी सी शिकायत से शुरू हुआ था। ललित कुमार जब कानपुर में तैनात थे, तब उन पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए रू.300 की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। तत्कालीन परिवहन आयुक्त की अनुमति के बाद एंटी-करप्शन और विजिलेंस विभाग ने उनकी गोपनीय जांच शुरू की, जिससे उनकी आय से अधिक संपत्ति के इस बड़े मामले की परतें खुलती चली गईं। ललित कुमार अक्टूबर 2025 में आगरा से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हुए थे।

इस से छह दिन पूर्व 4 जुलाई को अकोला अकोला में हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने किरण पुरुषोत्तम चौधरी सह-जिला निबंधक तथा मुद्रांक जिलाधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की' उनके खिलाफ रू.10,000 रिश्वत लेने का मामला दर्ज होने के बाद उनके जलगांव स्थित आवास पर छापेमारी की गई, जहां से रू.2.94 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बरामद हुई है' किरण पुरुषोत्तम चौधरी, तत्कालीन अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार और स्टाम्प ड्यूटी अधिकारी (श्रेणी-क), अकोला महारा एसीबी ने उन्हें 26 जून को ?10,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था'बरामद की गई जलगांव स्थित घर पर छापेमारी कर रू.1.53 करोड़ से अधिक नकद रू.60 लाख के सोने के बिस्किट व आभूषण तथा अन्य कीमती धातुएं' लगभग रू.62 लाख की बेनामी संपत्ति के कागजात'लगभग रू.2.94 करोड़'यह जब्ती महाराष्ट्र के नासिक, अकोला और जलगांव की एसीबी टीमों द्वारा संयुक्त रूप से की गई है'

इसी सप्ताह तेलंगाना के हैदराबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज में तैनात डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस संकीरेड्डी भीम रेड्डी को लगभग रू.300 करोड़ की अवैध बेनामी संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने अधिकारी के तेलंगाना और कर्नाटक स्थित कुल 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। शुरूआती जांच में करीब रू.300 करोड़ मूल्य की बेनामी संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। अधिकारी के ठिकानों से 2 किलोग्राम सोने के आभूषण और 20 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। छापेमारी के दौरान उनके घर से ?3.60 लाख और एक अन्य ठिकाने से रू.40 लाख कैश मिला। रिश्तेदारों और बेनामियों के नाम पर 50 एकड़ से अधिक कृषि भूमि, व्यावसायिक भूखंड, कई लग्जरी फ्लैट और आलीशान विला के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनके बैंक खातों में लगभग रू.19.91 लाख जमा पाए गए हैं। भ्रष्ट आचरण और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में गिरफ्तारी के बाद एसीबी कोर्ट ने आरोपी डीएसपी भीम रेड्डी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल भेज दिया है।

25 फरवरी 2026 तीस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए खनन विभाग के उप निदेशक देवव्रत महांति की गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस की छापेमारी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।भुवनेश्वर स्थित उनके फ्लैट से 4 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गई । इसके अलावा, महांति के कार्यालय की दराज और उनके पास से 1.20 लाख रुपये नकद भुवनेश्वर के पहाल क्षेत्र में लगभग 2400 वर्गफुट में बना एक भव्य दो मंजिला मकान, करीब 130 ग्राम सोना जब्त किया है।

उधर 9 जून 2026 भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने रोड्स एंड बिल्डिंग्स विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ जे. मोहन नाइक और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी कई प्रॉपर्टीज पर एक साथ छापे मारे। उन पर आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप है।

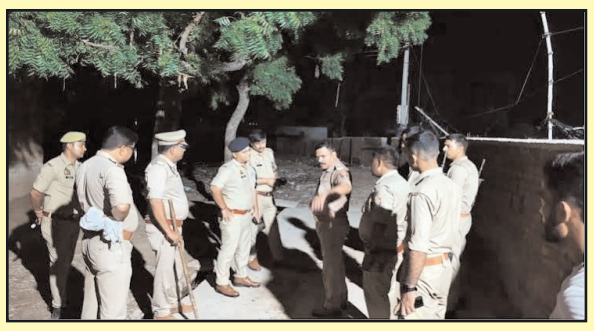
यह तलाशी हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों सहित लगभग 15 जगहों पर की गई। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को सोने के बिस्किट, गहने, चांदी की चीजें, कैश और प्रॉपर्टी से जुड़े कई दस्तावेज मिले हैं। शुरूआती अनुमानों के अनुसार, जांच के दायरे में आई कुल संपत्ति की मार्केट वैल्यू 100 करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकती है।

ये तो सिर्फ बानगी नमूना भर है देश भर में करीब एक सौ सरकारी कर्मचारी अधिकारीयों के कब्जे से आय से अधिक जुटाई गयी करोड़ों अरबों की संपति मिल रही है। एक एक अधिकारी ने सौ से तीन चार सौ करोड़ तक की अवैध संपत्ति जुटाने का काम किया है जिस से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक बढ़ गया है।

केन्द्र में भारतीय जनतापार्टी की सरकार केन्द्र और विभिन्न प्रदेशों में आयी, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस का नारा तो रहा लेकिन स्थितियों में कोई विशेष अन्तर नहीं आया। इसके लिए सब कुछ डिजिटल आनलाइन करने की कवायद हुई वह चाहे टेंडर हो या अन्य जनउपयोगी सुविधाएं लेकिन राजस्व से लेकर कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है। डबल इंजन की सरकार भी इससे मुक्त नहीं कर पायी है। भ्रष्टाचार के बारे जारी होने वाली ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 182 देशों की रिपोर्ट में भारत 91 वें स्थान पर है। यह संस्था सरकार संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करती है और उसके आधार पर रैंकिंग तय करती है।यदि इस रैंक को न भी मानें तो भी आम आदमी से लेकर खास आदमी तक इससे प्रभावित है।सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भ्रष्टाचार समाप्त होने के बजाय निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है। सार्वजनिक जीवन में अब इसे रिश्वत , घूस के बजाय सुविधाशुल्क और प्रथा के रूप में अपनाया जा चुका हैं। सिर्फ जीरो टालरेंस का नारा देने से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता है। निचले स्तर से लेकर उच्चस्तर पर कदम पर भ्रष्टाचार की विषबेल फैल रही हैं। पिछले दिनों एक हाइकोर्ट जज के आवास के कमरे में आग लगने पर नोटों से भरे बोरों का जलते देखा जाना और उस पर सटीक कारवाई नहीं किया जाने से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार और यहां तक कि न्यायपालिका भी पर्याप्त गंभीर नहीं है। जाहिर है कि देश की उन्नति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और आम चुनाव का मुद्दा भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग ही होना चाहिए क्योंकि पुलिस पटवारी से लेकर ऊंची न्याय की कुर्सियों तक भ्रष्टाचार की जड़ें देश को खोखला कर रहीं हैं और देश की तरक्की में बाधा उत्पन्न कर रहीं हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्रेम विवाह का विरोध बना मां की मौत का कारण, दामाद ने धारदार हथियार से उतारा मौत के घाट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। उत्तरप्रदेश के बांदा में बिसंडा थाना क्षेत्र के कोरंही गांव में प्रेम विवाह का विरोध एक महिला की हत्या का कारण बन गया। बेटी के प्रेम विवाह का लगातार विरोध कर रही मां की उसके दामाद ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के बाद गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, कोरंही गांव निवासी बानो (46) पत्नी स्वर्गीय राजू की बेटी आलिया का गांव के ही लवकुश वर्मा पुत्र लक्ष्मी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बानो इस रिश्ते के खिलाफ थी और बेटी को लगातार समझाती रही कि वह लवकुश से शादी न करे। इसके बावजूद आलिया ने अपनी मर्जी से लवकुश से विवाह कर लिया।

दहशत का माहौल

बताया जा रहा है कि विवाह के बाद भी बानो इस रिश्ते का विरोध करती रही। इसी बात से नाराज होकर शनिवार देर शाम लवकुश ने धारदार हथियार से बानो पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

तीनों आरोपी गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए गए। क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ सिंह ने बताया कि 11 जुलाई को थाना बिसंडा पुलिस को कोरंही गांव में महिला की हत्या की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतका की बालिग बेटी ने गांव के ही युवक से प्रेम विवाह किया था, जिसका महिला विरोध कर रही थी। इसी रंजिश में युवक ने धारदार हथियार से हमला कर महिला की हत्या कर दी।

CM योगी पर टिप्पणी करने वाला राहिल मलिक हवालात पहुंचते ही मांगने लगा माफी

उत्तरप्रदेश के आगरा में राहिल मलिक नामक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है उसने मुख्यमंत्री का नाम लेते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया था



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। यूपी के मुख्यमंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एत्माद्दौला थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद हवालात के अंदर आरोपी के हाथ जोड़कर माफी मांगने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरोपी ने सड़क की दुर्दशा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लेकर अभद्र टिप्पणी की थी पुलिस ने बताया कि राहिल मलिक नामक युवक ने अपनी फेसबुक आईडी पर वीडियो बनाकर अपलोड किया था। इसमें वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए सुना जा रहा था। इस मामले में थाना पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया था। शनिवार को पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 270 बीएनएस समेत आईटी एक्ट में केस दर्ज किया है।

ऑटो चलाता है राहिल मलिक

थाना प्रभारी ने बताया कि राहिल की उम्र लगभग 60 साल है। वह थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के नुनिहाई में रहता है। किराए पर ऑटो चलाता है। वह सनकी किस्म का व्यक्ति प्रतीत होता है। नौ जुलाई को उसने सोशल मीडिया अकाउंट पर शाहदरा से 80 फुटा सड़क का एक वीडियो अपलोड किया था। इसमें वह सड़क की खराब स्थिति को दिखाते हुए मुख्यमंत्री के बारे में अपशब्द बोलता हुआ सुनाई दे रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी राहिल को गिरफ्तार कर लिया है। जैसे ही उसे पुलिस हवालात में लेकर पहुंची तो उसके सुर बदल गए। वह अपने दोनों हाथों को जोड़कर माफी मांगता हुआ नजर आया है। इसमें वह कह रहा है कि 'साहब मैंने वीडियो बनाया।



खरगोन के शिवना में पंचायत भवन पर किया कब्जा, अंदर से बंद किए दरवाजे, 6 घंटे बाद पुलिस ने खुलवाए

पुलिस ने सरपंच पति सहित सात नामजद और अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। जिले के बिस्टान थाना क्षेत्र के शिवना गांव में शनिवार को सड़क पर बने गड्ढें और कथित दुकान आवंटन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना में करीब 10 लोग घायल हो गए। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने सरपंच पति सहित सात नामजद और अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं, दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी क्रॉस एफआईआर दर्ज की जा रही है। पुलिस के अनुसार, विवाद की शुरुआत गांव की सड़क पर बने गहरे गड्ढें को लेकर हुई। फरियादी गणेश गोंड ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि उसके घर के सामने सड़क पर बड़े गड्ढें होने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ था। उसने इस संबंध में सरपंच के पति बाबलू धुर्वे और सरपंच के बेटे जितेंद्र धुर्वे से सड़क का निरीक्षण करने का अनुरोध किया था। हालांकि दोनों मौके पर नहीं पहुंचे, जबकि ग्राम सचिव ने सड़क का निरीक्षण किया था। गणेश का आरोप है कि शनिवार सुबह उसे ग्राम





पंचायत कार्यालय बुलाया गया, जहां बाबलू धुर्वे, जितेंद्र धुर्वे और अन्य लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों तथा लात-घूंसों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके चाचा सुरेश पेंडारे, चचेरे भाई प्रदीप पेंडारे और मित्र पवन भावसार के साथ भी मारपीट की गई। सभी घायलों का उपचार झिरन्या अस्पताल में कराया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। आरोप है कि बाबलू धुर्वे अपने करीब 20 समर्थकों के साथ सुबह लगभग 10 बजे से शाम 4 बजे तक पंचायत भवन को अंदर से बंद कर भीतर बने रहे। बाद में पुलिस उन्हें बाहर निकालकर एसडीएम कार्यालय ले गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। एसडीएम लोकेन्द्र छापरे, भीकनगांव थाना प्रभारी नीरज सरवान, बिस्टान थाना प्रभारी गुलाब सिंह रावत सहित अन्य अधिकारी कई घंटों तक गांव में मौजूद रहे। पुलिस ने कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया।

पुलिस के पास पहुंचे दोनों पक्ष, एफआईआर दर्ज

बिस्टान थाना प्रभारी गुलाब सिंह रावत ने बताया कि दूसरे पक्ष की शिकायत के आधार पर भी क्रॉस एफआईआर दर्ज की जा रही है। वहीं, खरगोन पुलिस अधीक्षक रवींद्र वर्मा ने कहा कि गांव में पर्याप्त पुलिस बल तैनात है और मामले की विस्तृत जांच के बाद विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

दतिया उपचुनाव: कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को दिया टिकट, तो नरोत्तम मिश्रा को उद्धव ठाकरे की पार्टी से मिला बड़ा 'ऑफर'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश . दतिया विधानसभा सीट पर होने जा रहा उपचुनाव अब देश की सियासत का सबसे हॉट टॉपिक बन चुका है. पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद मचे बवाल के बीच दो बड़ी घटनाएं हुईं. कांग्रेस ने इस सीट से घनश्याम सिंह को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर दिया. दूसरी और सबसे चौंकाने वाली घटना यह रही कि महाराष्ट्र की प्रमुख पार्टी शिवसेना (UBT) ने नाराज नरोत्तम मिश्रा को दतिया से चुनाव लड़ने का खुला न्योता दे दिया है. जिले के पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष 72 वर्षीय घनश्याम सिंह का दतिया राजघराने से संबंध हैं. वह तीन बार विधायक रह चुके हैं. पार्टी ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है. दतिया और सेवढ़ा से पूर्व विधायक रहे घनश्याम सिंह के पिता महाराज कृष्ण सिंह जू देव साल 1984 में कांग्रेस के टिकट पर भिंड-दतिया से लोकसभा के लिए चुने गए थे. घनश्याम सिंह ने पहली बार 1993 में BJP उम्मीदवार शंभू दयाल तिवारी को हराकर दतिया विधानसभा सीट जीती थी. 1998 में टिकट न मिलने के बाद, सिंह 2003 में अवधेश नायक को हराकर दतिया से विधानसभा में लौटे. 2008 के विधानसभा चुनाव में वे BJP नेता नरोत्तम मिश्रा से हार गए थे. कांग्रेस



नेता सिंह ने 2013 में सेवढ़ा से चुनाव लड़ा लेकिन हार गए, फिर 2018 में यह सीट जीती. हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनाव में वे BJP के प्रदीप अग्रवाल से हार गए. सिंह ने बताया, 'मैं उपचुनाव जीतने जा रहा हूं. मैं विकास के लिए काम करूंगा और दतिया में फैली बदले की भावना वाली राजनीति और जातिवाद को खत्म करने पर ध्यान दूंगा. मिश्रा हां कहें, उद्धव-आदित्य खुद आएंगे MP उधर, मुंबई में हेडक्वार्टर वाली शिवसेना ने नरोत्तम मिश्रा को टिकट देने का ऑफर दिया. शिवसेना के MP प्रमुख सुनील शर्मा ने कहा कि अगर मिश्रा यह ऑफर स्वीकार करते हैं, तो पार्टी अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे समेत अन्य नेता मध्य प्रदेश में उनके लिए प्रचार करेंगे. सुनील शर्मा ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, 'मैंने अपनी लीडरशिप से बात करने के बाद मिश्रा को यह ऑफर दिया है.' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने मध्य प्रदेश IT सेल के प्रमुख नहार सिंह गौर से कहा कि वे मिश्रा को दिए गए इस निमंत्रण का वीडियो मैसेज सोशल मीडिया पर शेयर करें. ' बता दें कि महाराष्ट्र में सेना के 20 विधायक और तीन लोकसभा सांसद हैं. हाल ही में उसे तब झटका लगा जब उसके 6 लोकसभा सदस्य महाराष्ट्र के डिप्टी ष्टरूएकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्ताधारी शिवसेना में शामिल हो गए. ठाकरे की पार्टी का यह ऑफर BJP की ओर से 30 जुलाई को होने वाले दतिया उपचुनाव के लिए आशुतोष तिवारी को अपना उम्मीदवार घोषित करने के एक दिन बाद आया है, जिससे मिश्रा के समर्थकों में विरोध शुरू हो गया था. आशुतोष तिवारी की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद पूर्व मंत्री के समर्थकों ने प्रदर्शन किए, नेशनल हाईवे जाम किया, बाजार बंद कराया और स्थानीय BJP ऑफिस में ताला लगा दिया. साथ ही, उन पर हिंसा करने का भी आरोप है, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए. यह उपचुनाव तब जरूरी हो गया जब कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को धोखाधड़ी के एक मामले में दोषी ठहराए जाने और तीन साल की जेल की सजा मिलने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया. भारती ने साल 2023 के विधानसभा चुनावों में दतिया से मिश्रा को हराया था. दतिया 30 जुलाई को होगा और वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी.

ग्रेटर नोएडा की सोसाइटी में 15 लाख की लूट करने वाले बदमाश गिरफ्तार, पुलिस मुठभेड़ में पैर में लगी गोली



महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा के जीटा-1 स्थित पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी के विला में लूट और चोरी के मामले में पुलिस मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, उनके दो साथियों को कॉबिंग के बाद गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार, थाना सूरजपुर पुलिस तिलपता गोलचक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कार आती दिखाई दी, जोकि दिल्ली नंबर की थी। कार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन कार चालक रुकने के बजाय तेज गति से वाहन को भगा दिया। पुलिस ने जब पीछा किया तो पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। थोड़ी दूरी पर जाकर बदमाश कार को छोड़कर जंगल की ओर भाग गए। पुलिस ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और घायल होकर गिर गए।

घायल बदमाश अस्पताल में भर्ती

घायलों को गिरफ्तार करने के बाद उसके दो अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए जंगल में कॉबिंग की। सर्च अभियान चलाया। इस दौरान बदमाशों के दो और साथी पकड़े गए। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई में जुट गई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

चार जुलाई की रात हुई थी लूट

बता दें कि पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी के एक विला में चार जुलाई की देर रात बदमाश ने घुसकर महिला से चाकू की नोक पर लूटपाट की थी। लूटे गए सामान की कुल कीमत 15 लाख रुपये बताई गई थी। महिला ने पुलिस को बताया था कि घर में एक ही बदमाश घुसा था। पुलिस ने अब चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

तुम्हारे पिताजी का स्कूल नहीं है, सांदीपनि स्कूल के प्रिंसिपल से बोलीं महिला SDM शिवानी पांडे, सरेआम हड़काया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। बमोरी क्षेत्र अंतर्गत फतेहगढ़ में उस समय प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया, जब सांदीपनि विद्यालय के निरीक्षण पर पहुंचीं एसडीएम शिवानी पांडे अचानक स्कूल के प्राचार्य पर बुरी तरह बिफर पड़ीं। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने इस पूरे प्रशासनिक तेवर को जगजाहिर कर दिया है, जिसमें एसडीएम साहिबा प्राचार्य को सरेआम डांटती नजर आ रही हैं। वीडियो में एसडीएम शिवानी पांडे स्कूल के प्राचार्य भगवत प्रसाद को बेहद सख्त लहजे में फटकार लगाते हुए कह रही हैं, 'स्कूल की सबसे बड़ी समस्या तुम खुद हो, तुम्हारा ट्रांसफर यहां से करवा दिया जाए तो सारी मुसीबतें अपने आप खत्म हो जाएंगी।' दरअसल, फतेहगढ़ के सांदीपनि विद्यालय परिसर में लंबे समय से जलभराव और बाउंड्री वॉल के आसपास अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं। जब प्राचार्य ने परिसर की बदहाली का



रोना रोते हुए कहा कि बाहरी लोगों के अतिक्रमण के कारण पानी जमा हो रहा है, तो एसडीएम का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। वीडियो में उन्होंने तल्ख अंदाज में यहां तक कह दिया, 'जिस तरह की तुम्हारी हरकतें हैं, मुझे तो लगता है कि यह स्कूल तुम्हारे पिताजी का है!' इस पूरे हाई-प्रोफाइल ड्रामे के बाद क्षेत्र के शिक्षक संगठनों में भारी आक्रोश है और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग उठने लगी है। वहीं दूसरी ओर, प्रशासनिक पक्ष रखते हुए जिम्मेदार अधिकारी ने प्राचार्य के दावों को पूरी तरह खारिज किया है। प्राचार्य द्वारा कलेक्टर सर को गलत जानकारी दी गई थी। वे अगरिया समुदाय पर अतिक्रमण का आरोप लगा रहे थे, लेकिन अभी तक स्कूल की जमीन का सीमांकन ही नहीं हुआ है। ऐसे में केवल एक समुदाय को दोषी ठहराना ठीक नहीं है। प्राचार्य ने बाउंड्री को भी गलत तरीके से बढ़ाया था। मेरे लिए हर संस्था और समुदाय महत्व रखता है। शिवानी पांडे, एसडीएम, बमोरी, गुना सांदीपनि स्कूल परिसर में जलभराव और बाउंड्री वॉल के पास अतिक्रमण की शिकायत थी। जमीनी हकीकत परखने प्रशासनिक टीम के साथ अचानक स्कूल पहुंची थीं एसडीएम। प्राचार्य द्वारा सीमांकन के बिना एक विशेष समुदाय पर अतिक्रमण का आरोप लगा। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय शिक्षक संगठनों ने SDM के आचरण को लेकर आपत्ति जताई।

शाहबेरी में बनेगा यूपी का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर



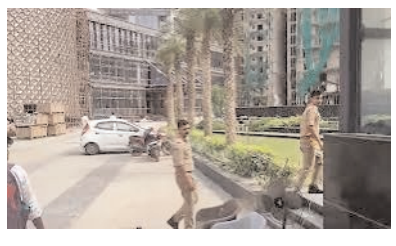
महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। वेस्ट के शाहबेरी में उत्तर प्रदेश का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर बनने जा रहा है. जगह की कमी के चलते पूर्व प्रस्तावित 4 लेन के फ्लाईओवर के डिजाइन में बड़ा बदलाव करते हुए अब तीन-तीन लेन के दो तलों वाला 6 लेन का फ्लाईओवर बनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया गया है. ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेनो वेस्ट के शाहबेरी में उत्तर प्रदेश का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर बनाने का निर्णय लिया है. ये फैसला चार लेन के फ्लाईओवर के लिए जरूरी 15 मीटर की चौड़ाई न मिलने के बाद लिया गया है. प्राधिकरण ग्रेनो वेस्ट को 130 मीटर रोड से शाहबेरी व क्रॉसिंग रिपब्लिक होते हुए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए इस 1400 मीटर लंबे प्रोजेक्ट का निर्माण कराएगा. परियोजना विभाग ने एनएचएआई (NHAI) को इसका प्रजेंटेशन दे दिया है. करीब 900 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले इस डबल डेकर फ्लाईओवर के दोनों तलों पर वन-वे ट्रैफिक रहेगा, जिससे ग्रेटर नोएडा से गाजियाबाद और दिल्ली जाना बेहद आसान हो जाएगा और लोगों को तिगरी चौक के भारी जाम से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी. प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि ह्यूढ्ढ के साथ पिछले दिनों जगह की अड़चन पर बातचीत हुई थी. इसके बाद कंसल्टेंट की मदद से दूसरे विकल्पों पर विचार शुरू हुआ और अंततः डबल डेकर फ्लाईओवर के डिजाइन पर सहमति बनी. ग्रेनो प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने इसका प्रजेंटेशन एनएचएआई को दे दिया है. ह्यूढ्ढ ने अब इसके लिए विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसके बाद निर्माण पर अंतिम फैसला लिया जाएगा. नेशनल हाइवे से जुड़ाव को देखते हुए पूर्व में ही इस फ्लाईओवर का निर्माण एनएचएआई से ही कराने पर सहमति बनी थी, जिस पर पहले 400 करोड़ का खर्च प्रस्तावित था. प्रोजेक्ट के तरू एके सिंह ने बताया कि 4 लेन के साधारण फ्लाईओवर के लिए करीब 15 मीटर की खुली जगह चाहिए होती है, जबकि यहां अधिकतम चौड़ाई 14 मीटर ही मिल पा रही थी. इसके उलट प्रस्तावित डबल डेकर फ्लाईओवर में तीन-तीन लेन दोनों तल पर बनाई जाएंगी.

चिप्स का लालच, 7 साल की बच्ची और गैंगरेप गाजियाबाद के निर्माणाधीन मॉल में जो हुआ, वो दहला देगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। ये डरा देने वाली कहानी गाजियाबाद के एक निर्माणाधीन मॉल की है. यहां कई परिवार मजदूरी करते हैं. बच्चे भी उनके साथ रहते हैं. शुक्रवार की शाम 7 साल की बच्ची लापता हो गई. माता-पिता वहीं पर काम करते रहे. कुछ घंटे बाद मॉल के बेसमेंट में बच्ची का शव मिला. आरोप है कि बच्ची को चिप्स का लालच दिया गया, गैंगरेप किया गया और फिर हत्या कर दी गई. शाम के करीब साढ़े सात बजे. मजदूरी करने वाले मां-बाप अपनी 7 साल की बेटी को आसपास खेलता छोड़ काम में लग गए. किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ घंटे बाद वही बच्ची निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट में मृत मिलेगी. परिवार का आरोप है कि उसे चिप्स और कोल्ड ड्रिंक का लालच देकर अंदर ले जाया गया, उसके साथ गैंगरेप किया गया और फिर हत्या कर दी गई. पुलिस ने एक वयस्क आरोपी को गिरफ्तार किया है और एक किशोर को पकड़ा है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है. 'अभी तो यहीं खेल रही थी...' शुक्रवार की शाम करीब 7:30 बजे गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित निर्माणाधीन मॉल के पास यही बात बच्ची के माता-पिता और आसपास के मजदूर एक-दूसरे से पूछ रहे थे. सात साल की बच्ची अचानक



गायब हो गई थी. बच्ची के माता-पिता उसी निर्माणाधीन मॉल में मजदूरी करते हैं. काम खत्म होने वाला था. बच्ची रोज की तरह आसपास खेल रही थी. लेकिन कुछ ही देर बाद वह नजर नहीं आई. पहले परिवार ने सोचा, शायद दूसरे बच्चों के साथ होगी. फिर पूरे परिसर में तलाश शुरू हुई. मजदूरों ने आवाज लगाई, आसपास देखा, लेकिन बच्ची का कहीं पता नहीं चला. समय बीतता गया और बेचैनी बढ़ती गई. जब काफी देर तक बच्ची नहीं मिली तो परिजन पुलिस के पास पहुंचे. उधर, रात करीब 1 बजे डायल-112 पर सूचना मिली कि निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट-2 में एक बच्ची का शव पड़ा है. कुछ ही मिनटों में नंदग्राम थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई. फिर सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे. पूरे बेसमेंट को घेर लिया गया. फॉरेंसिक साइंस लैब और डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया. जिस बच्ची को परिवार घंटों से जिंदा ढूंढ़ रहा था, वह अब बेसमेंट में मृत मिली. बच्ची के परिवार का आरोप है कि उसे कुरकुरे, चिप्स और कोल्ड ड्रिंक का लालच देकर निर्माणाधीन मॉल के अंदर ले जाया गया. इसके बाद उसके साथ गैंगरेप किया गया और फिर हत्या कर शव बेसमेंट में फेंक दिया गया. परिजनों का कहना है कि जब उन्होंने बच्ची का शव देखा तो वह खून से लथपथ था और उसके सिर पर चोट के निशान थे. परिवार ने मामले में सख्त एक्शन की मांग की है. मौके से साक्ष्य जुटाने के साथ पुलिस ने निर्माणाधीन मॉल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की. पुलिस के मुताबिक, तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्धों की पहचान हुई. इसके बाद पुलिस ने एक वयस्क आरोपी को गिरफ्तार किया और एक किशोर को पकड़ा. दोनों के खिलाफ हत्या, रेप और POCSO Act की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. उनसे पूछताछ जारी है. नंदग्राम की कार्यवाहक एसीपी प्रियाश्री पाल ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी. सीनियर अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया. एफएसएल टीम ने सबूत जुटाए. परिवार की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया और जांच आगे बढ़ाई गई. उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई है. फिलहाल सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.

महाराष्ट्र में डॉन बाबा फरज़ान के घर छापे में मिला कैश का पहाड़, सोना, गोला-बारूद समेत हथियारों का जखीरा

महाराष्ट्र के एक हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन के तहत, बाबा फरज़ान के आलीशान बंगले पर जबरदस्त छापेमारी की गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में मिटमिता में गैंगस्टर बाबा फरजान (उर्फ बाबा फरदुन अड्रेसर दोरदी) के बंगले पर छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने 5.65 करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की, जिसमें कैश, गहने, हथियार, गोला-बारूद और धारदार हथियार शामिल थे। इसके बाद गैंगस्टर की पत्नी होने का दावा करने वाली 48 वर्षीय महिला को गिरफ्तरर कर लिया गया। यह छापेमारी शहर की क्राइम ब्रांच और कैंटोनमेंट पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त रूप से की थी। पुलिस ने गिरफ़्तार महिला की पहचान शीलाबाई बाबा फरदुन दोरदी (उर्फ शीलाबाई गणपत साल्वे) के तौर पर की है। उसे शनिवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। यह छापेमारी डॉन की बीमारी से मौत के ठीक छह महीने बाद की गई। अधिकारियों के अनुसार, जब क्राइम ब्रांच के अधिकारी घर पहुंचे, तो वहां फरजान की दूसरी पत्नी शीला गणपतराव साल्वे (52) मौजूद थीं। तलाशी के दौरान, अधिकारियों को कुल



5,26,29,560 रुपये का बेहिसाब कैश मिला - जिसमें 100 और 200 रुपये के नोटों के अलावा 50, 20 और 10 रुपये के नोटों की बड़ी मात्रा में छोटी गड्डियां शामिल थीं। सही रकम का पता लगाने के लिए अधिकारियों को पांच नोट गिनने वाली मशीनें मंगवानी पड़ीं। इसके पुलिस ने 5.26 करोड़ रुपये कैश, 21.34 लाख रुपये कीमत के 151.3 ग्राम सोने के गहने, 8.09 लाख रुपये कीमत के 3.92 किलोग्राम चांदी के गहने और सील, साथ ही एक रिवॉल्वर, दो पिस्तौल, चार राइफल, चार मैगज़ीन, 632 जिंदा कारतूस, 23 से ज्यादा धारदार हथियार, विदेशी शराब, एक DVR और हथियारों के लाइसेंस के दस्तावेज बरामद किए। पुलिस को घर में 5,50,000 रुपये कीमत के कई हथियार भी मिले - इनमें मैगजीन वाली दो पिस्तौल, चार राइफ़ल, 12-बोर राइफ़ल, दो एयर गन, एक . 22 राइफ़ल, एक तलवार, तीन खंजर, 17 तरह के चाकू और 21 अन्य धारदार हथियार शामिल थे। ACP (क्राइम) मजहर सैयद ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि कुछ हथियार मूल रूप से बाबा फरजान के नाम पर लाइसेंससुदा थे। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले उनकी मौत के बाद, कानून के मुताबिक इन हथियारों को अधिकारियों के पास जमा नहीं कराया गया था। पुलिस कमिश्नर प्रवीण पवार ने कहा कि यह ऑपरेशन संगठित अपराध और अवैध संपत्ति के खिलाफ शहर की पुलिस की चल रही कार्रवाई का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि हम ज़ब्त किए गए कैश और कीमती सामान के स्रोत की गहन जांच करेंगे, हथियारों की वैधता की पुष्टि करेंगे और यह पता लगाएंगे कि क्या यह संपत्ति किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ी है। कि क्या विदेशी शराब को शराबबंदी कानूनों का उल्लंघन करके रखा गया था।

E20 पेट्रोल पर अरविंद केजरीवाल ने लोगों से पूछे कई सवाल, दिल्ली की जनता ने दिया सॉलिड जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में श्व20 पेट्रोल को लेकर इस समय सियासत तेज हो गई है। केंद्र सरकार ने 10 जुलाई को साफ कर दिया है कि श्व20 पेट्रोल ही देश का मानक पेट्रोल बना रहेगा और पेट्रोल पंपों पर बिना इथेनॉल वाला शुद्ध पेट्रोल या E10 बेचने की मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया है। बता दें कि E20 पेट्रोल में 20' इथेनॉल और 80' पेट्रोल का मिश्रण होता है। वहीं, अब इस मामले में आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की सड़कों पर लोगों से श्व-20 पेट्रोल पर सवाल पूछे हैं। वहीं पब्लिक ने भी अपने अंदाज में जवाब दिया है।



अरविंद केजरीवाल ने क्या कहा

अरविंद केजरीवाल ने E20 पर लोगों का जवाब जानने के बाद अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि कल मैंने दिल्ली में कुछ कार मैकेनिकों और गाड़ी मालिकों से Ethanol पर बात की। E20 के कारण खराब हुई गाड़ियों की लाइन लगी हुई थी। गाड़ियों के माइलेज में भी भारी गिरावट है। सब परेशान हैं। मोदी सरकार को समझना होगा कि टीवी पर झूठे इंटरव्यू देने और फर्जी प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से जमीनी हकीकत नहीं बदल जाएगी। लोगों पर श्व20 थोपना बंद करिए। अब पानी मिडिल क्लास के सिर से ऊपर जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने एक गैरेज के मैकेनिक ने सवाल पूछते हुए कहा कि क्या श्व20 के कारण गाड़ियां खराब हो रही हैं। इसपर मैकेनिक ने कहा कि हां सर गाड़ियां तेजी से खराब हो रही हैं। लोग धक्के देकर यहां ला रहे हैं। फ्यूल पंप खराब हो गया है। इंजेक्टर चॉक कर गया है। माइलेज आधा हो गया है। कुछ और लोगों ने भी इसी तरह की समस्या का जिक्र किया। इसमें 100 ' शुद्ध पेट्रोल होता है और इसमें बिल्कुल भी इथेनॉल नहीं मिलाया जाता है। E20 पेट्रोलः इसमें 20 ' इथेनॉल और 80 ' शुद्ध पेट्रोल का मिश्रण होता है।

शख्स को चाकू से गोदकर मारने वाले 5 नाबालिग गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने सुलझाई गुत्थी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने पांच नाबालिगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस को 9 जुलाई को एक शख्स की लाश बेहद गंभीर हालत में मिली थी. वो व्यक्ति बेहोश पड़ा हुआ था और उसके शरीर पर चाकू से हमले के गहरे निशान थे सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया. हालांकि, अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया. शुरुआत में इस हत्या के पीछे का कारण और आरोपियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. पुलिस के पास कोई सीधा सुराग न होने से ये मामला पूरी तरह उलझा हुआ था. लेकिन अब ये ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री सुलझ गई है. पुलिस की शुरुआती तफ्तीश और शव के मुआयने में कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं. जांच के दौरान पता चला कि उस व्यक्ति पर बहुत बेरहमी से हमला किया गया था. उसके सीने, पेट और हाथ-पैरों पर चाकू के कई गहरे जख्म थे. ज्यादा खून बह जाने के कारण उसकी जान बच नहीं सकी. इस मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाई थीं. इलाके के लोगों से पूछताछ और तकनीकी जांच की मदद से पुलिस आखिरकार आरोपियों तक पहुंच गई और पांच नाबालिगों को पकड़ा. पकड़े गए नाबालिगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है. इसी चाकू से उस व्यक्ति पर ताबड़तोड़ वार किए गए थे. हालांकि, इस हत्या के पीछ की असल वजह का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है. फिलहाल पुलिस पकड़े गए नाबालिगों से आगे की पूछताछ कर रही है ताकि हत्या की असली वजह का पूरी तरह खुलासा हो सके.

भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने की आंदोलन से जुड़ने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 15 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर हैं. इस बीच उन्होंने लोगों से कहा कि वो उन्हें 'आधुनिक गांधी' या कोई हीरो न समझे. वांगचुक ने सलाह दी कि लोगों को अपना हीरो खुद बनना चाहिए. इसके साथ ही उन्होंने लोगों से परीक्षा में धांधली के खिलाफ 20 जुलाई को होने वाले संसद मार्च में शामिल होने की अपील की. सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में भूख हड़ताल पर बैठे हैं. 22 दिन से जारी इस प्रदर्शन में वांगचुक 28 जून को शामिल हुए थे और उनके अनिश्चितकालीन अनशन को अब 15 दिन हो गए हैं. इस बीच उन्होंने खुद को 'आधुनिक गांधी' या कोई हीरो मानने से साफ इनकार कर दिया है. वांगचुक ने लोगों से अपील की कि वो देश को बदलने के लिए किसी दूसरे नेता या मसीहा का इंतजार न करें, बल्कि खुद एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में आगे आएं. भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक कहा, 'मैं कोई हीरो नहीं, बल्कि सिर्फ एक आम नागरिक हूं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में वांगचुक ने अपना हेल्थ अपडेट शेयर किया. उन्होंने कहा, 'आज मेरे उपवास का 13वां दिन है. मैं कल जितना ऊर्जावान महसूस नहीं कर रहा हूं और थोड़ी थकान है. ऐसा होता है, कुछ दिन अच्छे होते हैं और कुछ दिन नहीं.' सोशल मीडिया पर मिल रहे समर्थन के लिए लोगों का आभार जताते हुए वांगचुक ने कहा, टकई लोग मुझे 21वीं सदी का गांधी या आधुनिक गांधी कह रहे हैं. कुछ लोग मुझे हीरो बुलाते हैं. इन बातों से मुझे असहजता होती है. मैं न तो गांधी हूं और न ही कोई हीरो. मैं सिर्फ एक आम नागरिक हूं, जिसने अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की कोशिश की है.' परीक्षाओं में धांधली के कारण छात्रों की आत्महत्याओं पर दुख जताते हुए वांगचुक ने कहा, 'अगर उन छात्रों में से कोई आपकी बहन या बेटी होती, तो आप आज हमारे साथ होते. उस स्थिति का इंतजार न करें. अगर आप रोज नहीं आ सकते, तो कम से कम एक दिन के लिए जंतर-मंतर जरूर आएं. जो लोग दिल्ली नहीं आ सकते, वो जहां हैं वहीं उपवास रखें और अपना मैसेज शेयर करें. वांगचुक ने आगामी 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन प्रस्तावित शांतिपूर्ण मार्च में शामिल होने की अपील की. उन्होंने कहा, 'आपको हमारी तरह 24 दिनों तक भूखा रहने की जरूरत नहीं है. आप खाना खाकर आएं, लेकिन अपनी जिम्मेदारी समझते हुए 20 जुलाई को हमारे साथ जुड़ें.' बता दें कि 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की तबीयत लगातार बिगड़ रही है. CJP के मुताबिक, भूख हड़ताल के कारण सोनम वांगचुक का वजन अब तक 7.5 किलोग्राम घट चुका है. शनिवार को उनका ब्लड प्रेशर 106/74 द्वद्व ॥द्द रिकॉर्ड किया गया था.



शिवसेना BT के पूर्व सांसद विनायक राउत की बहू ने पूरे परिवार पर कराई FIR, काला जादू करने समेत लगाए कई गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना ठाकरे गुट के नेता और पूर्व सांसद विनायक राउत विवादों में घिर गए हैं। विनायक राउत की बहू ने पूरे परिवार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने गंभीर आरोप लगाए हैं। विनायक राउत की बहू गिरिजा राउत ने ठाणे के कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। उनके पति और मुंबई नगर निगम के पार्षद गीतेश राउत तथा ससुर पूर्व सांसद विनायक राउत समेत 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामला घरेलू उत्पीड़न और जादू टोना विरोधी अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। इसके साथ ही शिकायत में कई चौंकाने वाले आरोप भी लगाए गए हैं। उन्होंने शिकायत में यह भी कहा है कि उन पर जादू टोना करने का आरोप है। उन्होंने न सिर्फ अपने बाल कटवाए, बल्कि यह भी बताया कि उनके पति उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित भी कर रहे थे। विनायक राउत की बहू गिरिजा राउत की तरफ से ठाणे के कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है। विनायक राउत की बहू गिरिजा राउत ने शिकायत में घरेलू उत्पीड़न के साथ-साथ 'जादू-टोना विरोधी अधिनियम' के तहत मामला दर्ज किया गया है। विनायक राउत और



उनके बेटे गीतेश राउत के अलावा, FIR में फिरोज बाबा और काजी बाबा का भी नाम शामिल है।

तंत्र-मंत्र और काले जादू का आरोप

विनायक राउत की बहू गिरिजा ने आरोप लगाया है कि राउत परिवार के सदस्यों ने धार्मिक रीति-रिवाजों के नाम पर उन्हें गोमूत्र पीने के लिए मजबूर किया और कथित तंत्र-मंत्र के तहत उनके बाल खींचकर काला जादू किया। पुलिस ने 'महाराष्ट्र मानव बलि और अन्य अमानवीय, बुरी और अघोरी प्रथाओं और काले जादू की रोकथाम और उन्मूलन अधिनियम' के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच चल रही है गिरिजा राउत ने शिकायत में कहा कि शादी के बाद हम हनीमून के लिए ऊटी गए थे। हम ऊटी में 6 दिन रहे। लेकिन गीतेश ने मेरे साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए। वह मुझसे दूर भागता रहा। जब मैंने उससे पूछा कि वह मेरे साथ ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है, क्या तुम्हें कोई समस्या है? तो उसने मुझसे कहा कि मानसिक जुड़ाव होना बहुत जरूरी है। शादी में शारीरिक संबंध बिल्कुल भी महत्वपूर्ण नहीं होते। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें हनीमून से ऊब हो जाती है। वे मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाने से बचते हैं। गिरिजा ने आरोप लगाया कि 2018 में हम ऑस्ट्रेलिया घूमने गए थे। उस समय गीतेश के दोस्त महक नंदू और उनकी पत्नी प्रियंका भी हमारे साथ थे। इस दौरान गीतेश मेरे पास तक नहीं आए, जब मैंने उनके पास जाने की कोशिश की तो उन्होंने मुझे गाली दी और पीटा। उस समय शारीरिक संबंधों को लेकर हमारा झगड़ा हुआ था। उन्होंने सीधे-सीधे मुझसे कहा कि अगर तुमने मुझे छुआ तो तुम विधवा हो जाओगी। झगड़े के बाद उन्होंने मुझे कुछ खाने को नहीं दिया और भूखा रखा। यहां का माहौल मेरी इच्छा के अनुरूप नहीं है।

यमुना पुनर्जीवन के लिए एलजी की बड़ी पहल, शुरू हुआ 'यमुना डायलॉग्स', तैयार होगा दिल्ली का नया रोडमैप

स्वर्ण खबर डेस्क

नई दिल्ली। यमुना के बाढ़ क्षेत्र (फ्लडप्लेन) के संरक्षण और पुनर्जीवन को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए डीडीए ने यमुना डायलॉग्स पहल की शुरुआत कर दी है। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य दिल्ली यमुना कॉम्पैक्ट का ड्राफ्ट तैयार करना है। यह यमुना कॉरिडोर के संरक्षण, विकास और पुनर्जीवन के लिए विस्तृत रोडमैप होगा। इस पर सितंबर 2026 और जनवरी 2027 में होने वाले दो बड़े यमुना डायलॉग्स सत्रों में चर्चा कर अंतिम रूप दिया जाएगा। एलजी तरनजीत सिंह संधू के निर्देशों पर यमुना डायलॉग्स के तहत पहली बार विभिन्न सरकारी संस्थानों, पर्यावरण विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, टाउन प्लानरों, लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स और अन्य हितधारकों के साथ स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन वर्कशॉप आयोजित की गई।



एलजी संधू ने किया था यमुना फ्लडप्लेन का दौरा

डीडीए के मुताबिक हाल ही में एलजी ने यमुना फ्लडप्लेन का दौरा किया था। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर नदी को स्वच्छ करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि यमुना का पुनर्जीवन केवल सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि लोगों की साझा जिम्मेदारी बननी चाहिए। इसी सोच के तहत विशेषज्ञों और नागरिकों को भी इस प्रक्रिया का भागीदार बनाया जा रहा है। वर्कशॉप में दो प्रमुख विषयों फ्लडप्लेन रिस्पॉन्सिव प्लानिंग और घाटों के विकास पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि फ्लडप्लेन में होने वाला विकास नदी के प्राकृतिक बाढ़ चक्र के अनुरूप होना चाहिए। वहीं, घाटों का विकास इस तरह किया जाए कि पर्यावरण संरक्षण के साथ धार्मिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी जरूरतें भी पूरी हो सकें। डीडीए का कहना है कि 'यमुना डायलॉग्स' के तहत देश-विदेश के विशेषज्ञों से नदी पुनर्जीवन, नदी तट विकास, प्रकृति आधारित समाधान, जल गुणवत्ता सुधार, ड्रेनेज, वित्तीय मॉडल और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था जैसे विषयों पर सुझाव लिए जाएंगे। आने वाले हफ्तों में दो और स्टेकहोल्डर वर्कशॉप का आयोजन होगा।

'भगवान राम को बचा रहे', चढ़ावा चोरी पर आदित्य ठाकरे का वार, BJP को बताया बाबर जनता पार्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की कथित घटना को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गर्म हो गई है. उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ खुलकर मैदान में आ गई है. शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र में राम रक्षा आंदोलन चला रही है, वहीं पार्टी के प्रमुख नेताओं ने भी बीजेपी के खिलाफ बयानी घोड़े खोल दिए हैं. शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के पुत्र और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर बीजेपी पर हमला बोला है. आदित्य ने कहा है कि हम भगवान राम को बीजेपी से बचा रहे हैं. उन्होंने कहा है कि बीजेपी अब बाबर जनता पार्टी बन गई है. महाराष्ट्र के विधायक आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया है कि बीजेपी राम मंदिर में हुई कथित लूट से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठा रही है. आदित्य ठाकरे ने



कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे. उन्होंने यूसीसी को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके गुण-दोष के आधार पर बहस होनी चाहिए. हम इसका समर्थन करेंगे. आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और अन्य अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की. शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर में हुई लूट की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए. गौरतलब है कि शिवसेना के राम रक्षा आंदोलन की शुरुआत पिछले दिनों पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दादर के हनुमान मंदिर से की थी. इस मौके पर मंदिर आंदोलन में बालासाहेब ठाकरे की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने चढ़ावा चोरी को हिंदू आस्था के साथ विश्वासघात बताया था.

दिल्ली में ई-रिक्शा का नया विकल्प! संकरी गलियों से गांवों तक चलेंगी 7-सीटर ई-वैन

दिल्ली सरकार राजधानी में लास्ट-माइल कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए 7-सीटर इलेक्ट्रिक वैन सेवा शुरू करने की तैयारी में है



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ई-रिक्शा के विकल्प के तौर पर 7-सीटर इलेक्ट्रिक वैन सेवा शुरू करने की तैयारी कर रही है. इस योजना का मकसद उन इलाकों तक सार्वजनिक परिवहन पहुंचाना है, जहां डीटीसी या क्लस्टर बसें नहीं पहुंच पाती हैं. इससे मेट्रो स्टेशनों, मुख्य बस मार्गों और रिहायशी इलाकों के बीच लास्ट-माइल कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है. सूत्रों के मुताबिक, यह सेवा पहले संचालित होने वाली 'ग्रामीण सेवा' की तर्ज पर शुरू की जा सकती है, लेकिन इसमें पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल होगा. इससे यात्रियों को सस्ता, सुविधाजनक और प्रदूषण मुक्त परिवहन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है. सरकार की योजना के तहत ये 7-सीटर इलेक्ट्रिक वैन करोल बाग जैसी संकरी गलियों, आउटर दिल्ली के गांवों, अनधिकृत कॉलोनियों और उन रिहायशी इलाकों में चलाई जा सकती हैं, जहां फिलहाल सार्वजनिक परिवहन की सुविधा सीमित है. इससे रोजाना यात्रा करने वाले लाखों लोगों को राहत मिलने की संभावना है. यह सेवा निजी टैक्सी की तरह नहीं होगी, बल्कि साझा (शेयर्ड) परिवहन मॉडल पर आधारित होगी. यात्रियों से कम किराया लिया जाएगा, ताकि आम लोगों को किफायती यात्रा का विकल्प मिल सके और मेट्रो व बस सेवाओं तक पहुंच आसान हो. सरकार इस योजना के जरिए राजधानी में तेजी से बढ़ रहे ई-रिक्शा संचालन को भी व्यवस्थित करना चाहती है. इसके लिए परमिट आधारित व्यवस्था लागू करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि अनियंत्रित संचालन पर रोक लगे और यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके. परिवहन विभाग जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं और ऑपरेटरों से उपयुक्त 7-सीटर वाहन मॉडल, तकनीकी मानकों और संचालन व्यवस्था को लेकर सुझाव मांगेगा. इन सुझावों के आधार पर वाहन की डिजाइन, क्षमता और परमिट संबंधी नियमों को अंतिम रूप दिया जाएगा. फिलहाल यह योजना प्रारंभिक चरण में है और विभिन्न पहलुओं पर मंथन जारी है. अंतिम मंजूरी मिलने के बाद ही सेवा शुरू करने की समय-सीमा तय की जाएगी. यह पहल दिल्ली सरकार की प्रस्तावित ईवी पॉलिसी 2026 का हिस्सा मानी जा रही है. इसका उद्देश्य सार्वजनिक और व्यावसायिक परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना, प्रदूषण कम करना और राजधानी को स्वच्छ, टिकाऊ तथा आधुनिक परिवहन प्रणाली की ओर ले जाना है.

मुंबई के ताज होटल को किसने दी बम से उड़ाने की धमकी? फोन करने वाले ने लिया दाऊद का नाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद देर रात मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही होटल की सुरक्षा बढ़ा दी गई और पूरे परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि कई घंटों तक चली गहन जांच के बाद होटल से कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। शुरुआती जांच में यह धमकी फर्जी पाई गई।

फोन पर कहां- दाऊद ने बम रखा है

जानकारी के अनुसार, शनिवार-रविवार रात करीब 12:13 बजे नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में एक व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि दाऊद ने ताज होटल में बम रखा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए नवी मुंबई पुलिस ने तुरंत यह जानकारी मुंबई पुलिस के मुख्य कंट्रोल रूम को भेज दी। अलर्ट मिलते ही कोलाबा पुलिस, क्राइम ब्रांच और बम खोजी एवं निष्क्रियकरण दस्ते (बीडीडीएस) की टीमें तत्काल ताज होटल पहुंच गईं। सुरक्षा एजेंसियों ने होटल की मुख्य लॉबी, स्विमिंग पूल, विभिन्न हॉल, रेस्तरां, पार्किंग, बाहरी



परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों की बारीकी से तलाशी ली।

सर्च ऑपरेशन में कुछ नहीं मिला

लंबे समय तक चले सघन सर्च ऑपरेशन के बाद पुलिस को होटल परिसर में कोई भी संदिग्ध सामान या विस्फोटक नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने शुरुआती जांच में इस धमकी को फर्जी करार दिया। मुंबई पुलिस के अनुसार, तकनीकी जांच में पता चला है कि धमकी भरा कॉल नवी मुंबई के तुर्भे इलाके से किया गया था। पुलिस ने कॉल करने वाले के मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी पहचान कर ली है और उसे गिरफ्तार करने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी का पता लगाने के लिए तुर्भे पुलिस की भी मदद ली जा रही है। मामले की जांच जारी है और कॉल करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि किसी भी तरह की धमकी को गंभीरता से लिया जाता है। ऐसे मामलों में तुरंत सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाती है ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और किसी भी संभावित खतरे से समय रहते निपटा जा सके।

सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में किया पौधरोपण, 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके बाद वे गोरखपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर सीएम राज्य में महा वृक्षारोपण 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत पूरे यूपी में 35 करोड़ पौधे लगाने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत साल 2026 के इस अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के लॉन्च के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण और धरती के महत्व को समझाया। सीएम योगी ने कहा कि यह धरती मां के प्रति आभार जताने का एक बहुत बड़ा और शानदार प्रयास है। धरती मां हम सभी को एक अच्छा और अनुकूल पर्यावरण देती हैं और आगे बढ़ने का मौके देती है। वह हमें जिंदा रखने के लिए अनाज और फल पैदा करती हैं। वह हमारे पीने के लिए पानी देती हैं और हमारी सभी जरूरतों को पूरा करती हैं।



ताज होटल में बम होने की फर्जी सूचना से मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर में मशहूर मुंबई की प्रतिष्ठित ताज होटल में बम रखे जाने की एक फर्जी सूचना ने रविवार तड़के पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दावा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम ने ताज होटल में बम लगवाया है। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों की जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिलने पर पुलिस ने कॉल को फर्जी करार दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया, कि देर रात करीब 12:13 बजे नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में यह फोन कॉल प्राप्त हुआ था। कॉल करने वाले ने दावा किया कि दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित ताज होटल में बम लगाया गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए कोलाबा पुलिस, मुंबई क्राइम ब्रांच और बम निरोधक दस्ते की टीमें तुरंत होटल पहुंचीं और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करते हुए होटल परिसर के विभिन्न हिस्सों की गहन तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान होटल के कमरों, सार्वजनिक क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों की सावधानीपूर्वक जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने इसे अफवाह फैलाने के उद्देश्य से किया गया फर्जी कॉल बताया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने फोन कॉल का स्रोत नवी मुंबई के तुर्भे क्षेत्र में चिन्हित किया है। पुलिस का कहना है कि कॉल करने वाले की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम रवाना की गई है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह के स्वामित्व वाला ताज महल पैलेस होटल देश के सबसे प्रतिष्ठित होटलों में गिना जाता है। वर्ष 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान यह होटल आतंकवादियों का प्रमुख निशाना बना था, जिसमें कई लोगों की जान गई थी। इसी कारण होटल की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ रखी जाती है और किसी भी प्रकार की धमकी या संदिग्ध सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियां तत्काल उच्च स्तर की सतर्कता बरतती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी, चार साल मे चार्जशीट नही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा, घटना के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है। जो आपराधिक न्याय व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है,जांच में इतनी असामान्य देरी क्यों हुई। कोन इसके लिए जिम्मेदार है, अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की, समयबद्ध जांच और शीघ्र चार्जशीट न्याय व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। अनावश्यक विलंब से पीड़ित और आरोपी दोनों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले की प्रगति संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए जांच में तेजी लाने और लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इतने नाराज थे कि उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर स्थिति जल्द ही नहीं बदली तो वह सरकार को बेनकाब कर देंगे।

16 से शुरू होगी जगन्नाथ रथ यात्रा, आयोजन को सफल बनाने तैयारियों में जुटा प्रशासन

पटना(एजेंसी)। 16 जुलाई से शुरू हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार, पुलिस प्रशासन, सेवायतों और लोगों के प्रयासों से इस भव्य आयोजन को सफल बनाने की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा को तीन विशाल लकड़ी के रथों में विराजमान कर श्रद्धालु गुंडिचा मंदिर तक खींचकर ले जाएंगे। जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुक्षद्रा एक हफ्ते तक रहते हैं। फिर उसके बाद जगन्नाथ मंदिर लौट आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जगन्नाथ मंदिर, पुरी के सेवायत दैतापति भबानी दास महापात्रा ने कहा कि रथ यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी पक्ष एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दैतापति परिवार, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के सभी लोग महाप्रभु की कृपा से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। भगवान जगन्नाथ स्वयं इस रथ यात्रा का मार्गदर्शन और आशीर्वाद देते हैं।

उन्होंने सीएम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम स्वयं तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। साथ ही पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए बताया कि यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर अब तक 20 से 30 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। महापात्रा ने विश्वास जताया कि इस वर्ष की रथ यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भक्तों, सेवायतों, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के नागरिकों के सामूहिक सहयोग और मिले-जुले प्रयासों को दिखाती है। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ मंदिर में इस दिव्य और भव्य उत्सव की सभी तैयारियां पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी हैं।

पंजाब कांग्रेस में बगावत: बागियों को नहीं मना पाए बघेल

12 विधायकों और तीन सांसदों के साथ चन्नी ने दिखाई ताकत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में बगावत के सुर और तेज हो गए हैं। आलाकमान की कोशिशें नाकाम हो गई हैं। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने चंडीगढ़ में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। बघेल इन नेताओं को मनाने विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें नाराज नेताओं की ताकत का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद भी बगावत के सुर शांत नहीं हुए। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है। नाराज नेताओं ने एक सुर में कहा कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नेतृत्व कतई स्वीकार नहीं है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें पंजाब में कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता



के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने बघेल से साफ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब में बड़ा और सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं।

कई बार फैसले वापस लेने पड़ते हैं: रंधावा

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने अपनी बात प्रभारी भूपेश बघेल के सामने रख दी है और उनसे आग्रह किया है कि वह नेताओं की भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराएं। कई बार परिस्थितियों के अनुसार हाईकमान को अपने फैसले वापस लेने पड़ते हैं। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे: चन्नी

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे, यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

मैं कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं: वड़िंग

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उनका नाम नहीं लिया। वह और रंधावा पिछले साढ़े चार वर्षों से साथ काम कर रहे हैं। यदि दोनों में से कोई कॉम्प्रोमाइज्ड होता तो इतनी लंबी राजनीतिक साझेदारी संभव नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह भी मानते हैं कि पंजाब में कांग्रेस कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकती।

ओमान तट पर व्यावसायिक जहाज पर हुए ईरानी हमले का भारत ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए कथित ईरानी हमले का भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि जहाज पर मौजूद 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नाविक लापता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक ओमान स्थित भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहा है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने कहा कि लापता भारतीय नागरिक का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि हम ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और बचाव अभियान पर करीबी नजर रखे हुए है। भारत ने बचाव अभियान में सहयोग के लिए ओमान सरकार और स्थानीय अधिकारियों का आभार माना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब होर्मुज और ओमान के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। बतादें हाल के दिनों में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वैश्विक समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हमले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।



बीजेपी नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर सरकार को गिराने की कोशिश कर रही: उमर



जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपए तक की पेशकश की गई है।

श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पैसे और मंत्री पद का लालच काम नहीं आया, तो भाजपा बंद दरवाजों के पीछे विधायकों से कह रही है कि वे उनके साथ आ जाएं और वे उन्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक विशिष्ट घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने खुद उन्हें इसकी जानकारी दी। विधायक के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी और उच्चतम न्यायालय के एक वकील ने उनसे समर्थन मांगा और इसके बदले में 20 से 30 करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

अपनी पार्टी के सहयोगियों और विधायकों पर पूरा भरोसा जताते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस का कोई भी विधायक खुद को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो 20 करोड़ या 100 करोड़ रुपये के लिए भी अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अल्लाह को जवाब देना है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश न करें।

इस सम्मेलन के बाद, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भी अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिशों की बात स्वीकार की और कहा कि ऐसी कोशिशें अतीत में भी की जा चुकी हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन सब बातों से निराश न हों।

बांग्लादेश में आतंकी प्रशिक्षण शिविर होने के दावे से बढ़ी चिंता

-चिकन नेक को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी के दावों से रणनीतिक बहस हुई तेज

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और भारत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी लकी बिष्ट के दावों के बाद सुरक्षा संबंधी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, इन दावों की भारत सरकार या किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से फिलहाल पुष्टि नहीं की गई है।

दरअसल लकी बिष्ट ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दावा किया कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहे हैं, जहां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके सहयोगियों की भूमिका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्ष 2025 में पाकिस्तान की आईएसआई के प्रमुख आसिम मलिक ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान इन



कथित शिविरों का गुप्त दौरा किया था। इन दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पूर्व रॉ अधिकारी ने रंगपुर, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स, सिलहट और नेत्रोकोना क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन इलाकों में विभिन्न चरमपंथी संगठनों से जुड़े तत्व सक्रिय हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आम तौर पर चिकन नेक कहा जाता है, पश्चिम बंगाल में स्थित भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भू-भाग है। यह संकरा गलियारा देश के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों–अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा–को शेष भारत से जोड़ता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई लगभग 22 किलोमीटर है, जिसके कारण इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों से संपर्क बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस क्षेत्र से जुड़े किसी भी सुरक्षा दावे का मूल्यांकन आधिकारिक खुफिया सूचनाओं और सरकारी जांच के आधार पर ही किया जाना चाहिए। फिलहाल बांग्लादेश में कथित आतंकी शिविरों और उनके भारत की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी से ध्यान भटकाने बीजेपी यूसीसी का मुद्दा उठा रही

-शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने कहा-बीजेपी बाबर जनता पार्टी बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गर्मा गई है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) इस मुद्दे को लेकर बीजेपी के खिलाफ खुलकर मैदान में आ गई है। शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र में राम रक्षा आंदोलन चला रही है, वहीं पार्टी के प्रमुख नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। आदित्य ने कहा है कि हम भगवान राम को बीजेपी से बचा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि बीजेपी अब बाबर जनता पार्टी बन गई है। आदित्य ने आरोप लगाया है कि बीजेपी राम मंदिर में हुई लूट से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठा रही है। आदित्य ने कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने यूसीसी को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके गुण-दोष के आधार पर बहस होनी चाहिए। हम इसका समर्थन करेंगे। आदित्य ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और कई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की।

रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर में हुई लूट की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए। बता दें शिवसेना के राम रक्षा आंदोलन की शुरुआत



पिछले दिनों पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दादर के हनुमान मंदिर से की थी। इस मौके पर मंदिर आंदोलन में बालासाहेब ठाकरे की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने चढ़ावा चोरी को हिंदू आस्था के साथ विश्वासघात बताया था।

नरोत्तम मिश्रा ने ऐसा क्या कह दिया कि उमा भारती ने की सराहना

-दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी को रार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की खुले मन से सराहना की है। वहीं उन्होंने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा से घोषित प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जीत का आशीर्वाद भी दे दिया है।

दरअसल भाजपा प्रत्याशी घोषणा को लेकर नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया था। जो आगे चलकर हिंसक हो गया। इसी बीच शीर्ष नेतृत्व के दखल के बाद नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी प्रत्याशी के नामांकन में शामिल होने का ऐलान किया, जिसे उमा भारती ने संगठनात्मक मर्यादा और राजनीतिक परिपक्वता का आदर्श उदाहरण बताया है। यहां बताते चलें कि इन दिनों उमा भारती वृंदावन प्रवास पर हैं। वहीं से उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने उन्हें फोन कर चुनाव में जीत का आशीर्वाद



मांगा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें पूरे मन से विजय का आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

इसी के साथ ही उमा भारती ने अपनी पोस्ट में नरोत्तम मिश्रा का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्याशी की घोषणा के बाद उन्होंने नरोत्तम मिश्रा को यह कहते सुना कि वे आशुतोष तिवारी के नामांकन में शामिल होंगे। उन्होंने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों और पार्टी अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यही किसी बड़े नेता की पहचान होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि वह नरोत्तम मिश्रा का अत्यंत सम्मान करती हैं और उनके प्रति स्नेह रखती हैं। उन्होंने कहा कि जो बात वह स्वयं कहना चाहती थीं, उसे नरोत्तम मिश्रा ने अपने व्यवहार से पहले ही सिद्ध कर दिया। उनके अनुसार, यह नरोत्तम मिश्रा के बड़प्पन और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि दतिया उपचुनाव में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के स्थान पर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। टिकट की घोषणा के बाद कुछ समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने और पथराव की घटना भी हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हालांकि, इसके बाद पार्टी नेतृत्व ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया है, जिसका असर भी नजर आया है।

फिल्म सतलुज में किए गए दावों के समर्थन में प्रमाण सार्वजनिक करें मेकर्स

-केंद्रीय राज्यमंत्री बिट्टू ने कहा-प्रमाण सही पाए गए तो माफी मांगने को तैयार

चंडीगढ़(एजेंसी)। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए उनसे फिल्म में किए गए कुछ दावों के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों के पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो दर्शकों के सामने उन्हें ऐतिहासिक सत्य के रूप में पेश करना उचित नहीं है। बिट्टू ने विशेष तौर पर फिल्म में कथित तौर पर दर्शाए गए 25 हजार लापता या अवैध रूप से दाह-संस्कार किए गए शवों के दावे पर आपत्ति जताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिट्टू का कहना है कि यदि इस आंकड़े के समर्थन में आधिकारिक रिकॉर्ड या ठोस दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसे प्रमाण



सामने आते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास से जुड़े विवादित मामलों को बिना ठोस सबूत के दिखाना सही नहीं है। उनके मुताबिक पंजाब के आतंकवाद के दौर की कहानी दिखाते समय सभी पक्षों को बराबर जगह मिलनी चाहिए।

बिट्टू ने कहा कि फिल्म में आतंकवाद का सिर्फ एक पक्ष दिखाया गया है, जबकि निर्दोष लोगों, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों और मजदूरों की हत्याओं को उतनी अहमियत नहीं दी गई, जितनी दी जानी चाहिए थी। बिट्टू ने यह भी सवाल उठाया कि फिल्म में आतंकवाद के दौरान मारे गए निर्दोष लोगों और पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों के बलिदान को कितना दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म मेकर्स से कहा कि अगर उनके पास 25 हजार शवों के दावे के सबूत हैं तो उन्हें सामने लाएं। अगर सबूत नहीं हैं, तो इस दावे पर पंजाब के लोगों से माफी मांगे।

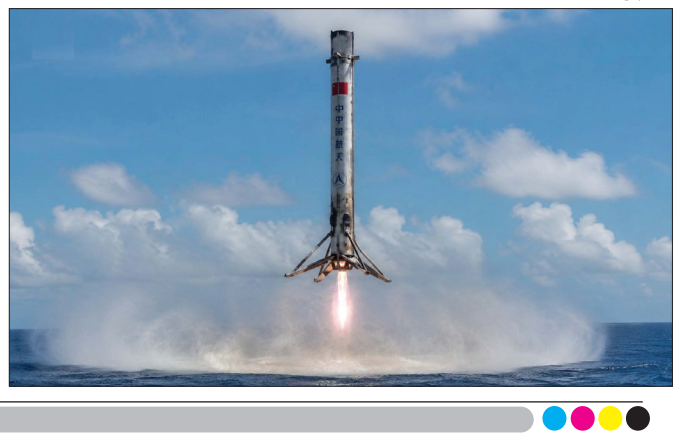
चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल किया, भारत अभी कई साल दूर

-इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल कर लिया है। इसके साथ ही वह उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो दोबारा इस्तेमाल होने वाले लॉन्च सिस्टम पर काम कर रहे हैं। वहीं इसरों के दोबारा इस्तेमाल होने वाले नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल की डेमो-फ्लाइट में अभी कई साल और लगेंगे। चीन ने हैनान तट के पास वर्टिकल पावर्ड डिसेंट के बाद अपने लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर को वापस हासिल कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी के हवाले से बताया कि इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद है। इस कामयाबी से ग्लोबल लीडर्स के साथ अंतर कम तो हुआ है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेस-एक्स अभी भी इस मामले में बेंचमार्क बना हुआ है; इसने करीब एक दशक से फाल्कन-9 बूस्टर को लगातार रिकवर करके दोबारा इस्तेमाल किया है, जिससे लॉन्चिंग की लागत और तौर-तरीके पूरी तरह बदल गए हैं। ब्लू ओरिजिन भी अपने भारी-भरकम न्यू ग्लेन रॉकेट के लिए दोबारा इस्तेमाल होने वाले पहले चरण पर काम कर रहा है। चीन की यह कामयाबी दिखाती है कि दोबारा इस्तेमाल होने वाले ऑर्बिटल लॉन्च सिस्टम अब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कमर्शियल और लूनर प्रोग्राम चलाने वाली बड़ी स्पेस ताकतों के लिए यह एक जरूरी क्षमता बनती जा रही है।

स्पेस एजेंसी की ताजा जानकारी के विश्लेषण से पता चलता है कि एनजीएलवी का विकास शुरू हो गया है। एनजीएलवी को आंशिक रूप से दोबारा इस्तेमाल होने वाला, इंसानों को ले जाने में सक्षम और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक लॉन्चर बताया गया है। इस तीन-स्टेज वाले व्हीकल को लो-अर्थ ऑर्बिट तक 30 टन तक का पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और इसके दो वेरिएंट की योजना है। इसरो ने बताया कि पहले स्टेज को वर्टिकल लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल के जरिए रिकवरी के लिए कॉन्फ़िगर किया जाएगा। यह रिकवरी का तरीका मोटे तौर पर फाल्कन-9 जैसा ही है, जिसे सबसे पहले अपनाया गया था और अब चीन भी इसी रास्ते पर चल रहा है।



जुलाई में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ डाले

- चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड रही

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार चार महीने तक बिकवाली करने के बाद जुलाई में भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया है। यह बेहतर होते घरेलू आर्थिक संकेतकों, रुपये की स्थिरता और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की बढ़ती धारणा का परिणाम है। जुलाई से पहले, एफपीआई ने मार्च से जून तक चार महीनों में भारतीय शेयरों से करोड़ों रुपये की बड़ी निकासी की थी, जिसमें मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिकवाली भी शामिल थी। फिर भी चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड़ रुपये रही है। विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई में निवेश की यह वापसी वैश्विक जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति, भू-राजनीतिक तनाव घटने, ऊर्जा कीमतों की चिंता कम होने और भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक स्थिति पर भरोसे का परिणाम है। घरेलू अर्थव्यवस्था में सुधार और रुपये की स्थिरता ने भी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। हालांकि, विश्लेषकों ने आगाह किया है कि जुलाई की यह वापसी उत्साहजनक है, फिर भी भविष्य का रुख वैश्विक परिस्थितियों और भारत की घरेलू आर्थिक वृद्धि की मजबूती पर निर्भर करेगा। इसी बीच, एफपीआई ने जुलाई में ऋण बाजार में भी पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के तहत 6,625 करोड़ रुपये तथा सामान्य मार्ग से 3,228 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ओसवाल ओवरसीज को दिवाला कार्यवाही से राहत, एनसीएलएटी ने वापसी की दी अनुमति

- कंपनी और वित्तीय ऋणदाता के बीच 2.80 करोड़ में हुआ समझौता

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ओसवाल ओवरसीज लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को वापस लेने की अनुमति दे दी है। यह फैसला कंपनी और उसके वित्तीय ऋणदाता एलएच शुगर फैक्टरीज के बीच हुए एक सौहार्दपूर्ण समझौते के बाद आया है, जिसके तहत ओसवाल ओवरसीज ने 2.80 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। एनसीएलएटी पीठ के समक्ष ओसवाल ओवरसीज और एलएच शुगर फैक्टरीज ने संयुक्त आवेदन दाखिल कर सौहार्दपूर्ण समझौते की जानकारी दी, जिसकी शर्तें भी प्रस्तुत की गईं। समझौते के तहत, ओसवाल ओवरसीज ने एलएच शुगर फैक्टरीज को 2.80 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट सौंप दिया है। ऋणदाता के वकील ने वित्तीय कर्ज के पूर्ण निपटान की पुष्टि की। पूर्व में एनसीएलएटी ने अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) को दिवाला समाधान प्रक्रिया में आगे बढ़ने से रोका था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने बताया कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 12ए के तहत औपचारिक वापसी के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष आवेदन आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि आईबीसी के हालिया संशोधनों के अनुसार, ऐसे आवेदन पर ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की मंजूरी आवश्यक है, जो सभी दावों के सत्यापन के बाद गठित होती है।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को अंतरराष्ट्रीय झटका, जी5 से हटाई गई

मुंबई ।

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की बहुचर्चित फिल्म सतलुज को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। भारत में रिलीज़ न होने के बाद अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इसे जी5 की इंटरनेशनल लाइब्रेरी से हटा दिया गया है। इस कदम से फिल्म के सर्टिफिकेशन और रिलीज़ को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, भारत में भी इसे अभी तक रिलीज़ की मंजूरी नहीं मिली है। फिल्म का नाम पहले पंजाब 95 था और इसे 2022 में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास भेजा गया था, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट अब तक नहीं मिला है। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1980 और 1990 के दशक में पंजाब में कथित अवैध दाह संस्कार और फर्जी मुठभेड़ों के मामलों को उजागर किया था। यही संवेदनशील विषय इस फिल्म के लंबे विवाद का मुख्य कारण है।

कंपनियों के नतीजे, भू-राजनीति और क्रूड की चाल पर रहेगी बाजार की नजर

निवेशक अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की चाल पर रखेंगे पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में जोरदार तेजी दिखाते हुए निवेशकों में उत्साह भरा। सेंसेक्स 828 अंक उछलकर 77,569 और निफ्टी 244 अंक बढ़कर 24,206 पर बंद हुआ। हालांकि, आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कई अहम चुनौतियों और अवसरों से भरा होगा, जहां घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों से प्रभावित होगी। सबसे पहले, जून तिमाही के नतीजों का सिलसिला जोर पकड़ेगा। लगभग 100 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे पेश करेंगी। टीसीएस के बेहतर प्रदर्शन के बाद आईटी सेक्टर पर खास नजर रहेगी। एचसीएल टेक और विप्रो के नतीजों के साथ उनकी भविष्य की गाइडेंस भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो सेक्टर के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उम्मीद से बेहतर नतीजे बाजार को मजबूती दे सकते हैं, वहीं कमजोर गाइडेंस मुनाफावसूली को ट्रिगर कर सकती है। घरेलू कारकों के साथ-साथ भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार पर असर डालेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। हालांकि, बातचीत जारी रहने की खबरों ने कुछ राहत दी है। तनाव में कमी आने से वैश्विक बाजारों का माहौल सुधरेगा, जबकि स्थिति बिगड़ने पर उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भी अहम भूमिका निभाएंगी। कच्चे तेल की नरमी महंगाई पर दबाव कम करती है। हालांकि, यदि अगले सप्ताह कीमतों में फिर से तेजी आती है, तो यह बाजार के लिए चिंता का विषय बन सकता है। निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 4,670 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 8,275 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह खरीदारी का रुख जारी रहता है, तो बाजार को अच्छा समर्थन मिलेगा। अंत में रुपये की चाल भी महत्वपूर्ण रहेगी।



शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.38 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह दबाव में रहा था। डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा बदलाव रुपये को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ना तय है।

कुल मिलाकर यह सप्ताह कॉर्पोरेट नतीजों, भू-राजनीति और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के बीच निवेशकों के लिए सतर्कता और अवसरों का संतुलन लेकर आएगा।

इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष में 5,500 करोड़ के डूबे कर्ज की वसूली का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए 5,500 करोड़ रुपए के डूबे कर्ज (एनपीए) की वसूली और 2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जमा जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। बैंक ने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार और जमा आधार को मजबूत करने के लिए इन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। इंडियन बैंक के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही 1,885 करोड़ रुपए डूबे कर्ज की वसूली कर ली है। बैंक का पूरे वित्त वर्ष के लिए 4,500 से 5,500 करोड़ रुपए वसूली का लक्ष्य है, जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में लंबित मामलों से 500 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। बैंक 9 जुलाई तक 14 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा जमा (एफसीएनआर-बी) जुटा चुका है और सितंबर तक 2 अरब डालर का लक्ष्य लेकर आशान्वित है। फिलहाल, बैंक के पास लगभग .1 अरब की संभावित जमा पाइपलाइन में है। बैंक एफसीएनआर (बी) जमा पर 5.5 से 6.5 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें दे रहा है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाए जाने के बाद संभव हुआ है। कम लागत वाली चालू एवं बचत खाते (कासा) जमा को बढ़ाने के प्रयासों के तहत, पहली तिमाही में इसमें 15.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जून तिमाही के अंत तक कासा जमा बढ़कर 3.19 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे कुल जमा में इसकी हिस्सेदारी 39.73 फीसदी तक पहुंच गई है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष में कासा अनुपात को 40 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने जून तिमाही में 17 लाख निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर 1,469 करोड़ रुपए की अतिरिक्त जमा जोड़ी है।

बाजार की नरमी में भी चार दिग्गजों का जलवा, 93 हजार करोड़ का उछाल

एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मामूली गिरावट के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार ने विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूत प्रदर्शन किया। इन चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 92,995.48 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, जिसमें एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों ही हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 35,808.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,69,454.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का मूल्यांकन 34,896.92 करोड़ रुपये बढ़कर 11,98,774.22 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भी 16,065.50 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप 5,60,205.05 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,224.97 करोड़ रुपये बढ़कर 17,71,206.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिसने पहले स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इसके विपरीत शीर्ष 10 में शामिल अन्य छह कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में कुल 49,294.13 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर को सर्वाधिक 12,088.65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि एलएंडटी का मूल्यांकन 11,040.23 करोड़ रुपये घट गया। इस अवधि में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 194.52 अंक (0.25 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 63.95 अंक (0.26 प्रतिशत) की मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे। शीर्ष 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई का स्थान रहा। यह आंकड़े बाजार में चुनिंदा बड़े खिलाड़ियों की मजबूती और निवेशकों के बदलते रुझान को दर्शाते हैं।



खाद्य तेलों में आया उछाल: विदेशी बाजारों की तेजी और घरेलू आवक में कमी बनी वजह

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी प्रमुख तेल-तिलहनों के दामों में मजबूती दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख, घरेलू मंडियों में आवक में कमी, रुपये की कमजोरी और बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कई कारकों ने मिलकर सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों को ऊपर धकेला। बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर सीधे घरेलू कीमतों पर दिखा। इसके साथ ही, भारतीय रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेलों की लागत बढ़ी। महत्वपूर्ण बात यह है कि आयातकों को होने वाला घाटा पहले के 3-4 प्रतिशत से घटकर अब 1-1.5 प्रतिशत रह गया है, जिससे आयातित तेलों के दाम में सुधार आया। घरेलू मोर्चे पर किसानों ने बेहतर मूल्य की उम्मीद में बाजार में अपनी उपज की आवक कम कर दी है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने तो किसानों को आकर्षित करने के लिए खरीद मूल्य बढ़ाकर 7,750 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे स्टॉक की होल्डिंग बढ़ रही है। सोयाबीन रिफाइंड, पाम-पामोलीन और मूंगफली जैसे तेलों की औद्योगिक मांग में भी वृद्धि देखी गई। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण मूंगफली तेल की मांग में विशेष उछाल आया, जिससे इसके दाम भी मजबूत हुए। कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल की कीमतों में भी तेजी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये के सुधार के साथ 7,725-7,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-55 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,615-2,715 रुपये और 2,615-2,765 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 175-175 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,175-7,225 रुपये और 7,025-7,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,300 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सेल और इंडोनेशियन क्राकाटाउ स्टील स्टेनलेस स्टील जेवी पर सहमत

- 5-10 लाख टन क्षमता की परियोजना की संभावना, इंडोनेशिया के निकल भंडार का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशिया की पीटी क्राकाटाउ स्टील ने एक संयुक्त उद्यम (जेवी) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का लक्ष्य इंडोनेशिया में 5 लाख से 10 लाख टन क्षमता की स्टेनलेस स्टील परियोजना की संभावनाओं को तलाशना है। यह प्रस्तावित जेवी स्टेनलेस स्टील स्लैब के विनिर्माण पर केंद्रित होगा। सूत्रों के अनुसार उत्पादन इंडोनेशिया में होगा, जहां दुनिया के सबसे बड़े निकल भंडार और सस्ती लागत का लाभ उठाया जा सकेगा। उत्पादित स्लैब की आपूर्ति सेल के आंध्र प्रदेश स्थित सलेम स्टील प्लांट को की जाएगी। सेल के एक अ धिकारी ने बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में विश्वसनीय कच्चे माल की उपलब्धता और रणनीतिक साझेदारियां अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। यह कदम भारत की बढ़ती स्टेनलेस स्टील की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होगा।

दिल्ली की ईवी नीति: दोपहिया बाजार के लिए बड़ी चुनौती, क्रिसिल का आकलन

- अप्रैल 2028 से पारंपरिक दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार की हालिया घोषित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का मसौदा, जिसमें अप्रैल 2028 से पारंपरिक इंजन वाले दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक लगाने का प्रस्ताव है, दोपहिया वाहन बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने यह आकलन किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी महज 7.3 प्रतिशत रही है, जो इस बड़े बदलाव को जटिल बना रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक अ धिकारी ने बताया कि अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण की अनिवार्यता उद्योग को इलेक्ट्रिक उत्पादों, उत्पादन क्षमता और वितरण नेटवर्क में निवेश तेज करने का स्पष्ट संकेत देती है। हालांकि, निकट भविष्य में आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले मॉडल भी बाजार में प्रासंगिक बने रहेंगे। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में 5.7 लाख दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें ईवी की हिस्सेदारी बेहद कम थी। नीति के तहत पहले वर्ष इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपये तक का प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है, जिसे अगले दो साल में धीरे-धीरे कम किया जाएगा। जैसे-जैसे वित्तीय सहायता घटेगी, इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत और स्वामित्व का कुल खर्च उपभोक्ताओं के निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निजी यात्री कारों के मामले में बदलाव अपेक्षाकृत धीमा रहने की संभावना है। नीति के मसौदे में निजी कारों के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का अनिवार्य पंजीकरण नहीं किया गया है, बल्कि 30 लाख रुपये तक की शोरूम कीमत वाले ईवी पर पथकर और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से खरीद को बढ़ावा देने का प्रयास है। क्रिसिल के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में पंजीकृत लगभग दो लाख चारपहिया वाहनों में से 39 प्रतिशत (लगभग 77,000) इलेक्ट्रिक वाहन थे।

अमेरिकी आयात शुल्क प्रस्ताव पर भारत सख्त, जबरन श्रम के आरोपों को बताया निराधार

वाणिज्य मंत्रालय ने एकतरफा कार्रवाई की बजाय बातचीत पर जोर दिया

नई दिल्ली । भारत ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत के अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अमेरिका ने कुछ देशों पर बंधुआ या जबरन श्रम से जुड़े उत्पादों के आयात पर रोक न लगाने का आरोप लगाया है, जिस पर भारत ने अपनी आपत्ति जताई। वाणिज्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि व्यापार से जुड़े किसी भी विवाद को एकतरफा कार्रवाई के बजाय आपसी बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की जनसुनवाई में हिस्सा लेते हुए वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव बृज मोहन मिश्रा ने इस प्रस्ताव पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अमेरिका से धारा 301 के तहत की गई अपनी जांच और अतिरिक्त टैक्स लगाने के फैसले पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया। भारत ने अमेरिकी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जबरन श्रम को खत्म करना भारत का एक संवैधानिक कर्तव्य है और देश अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन करता है। भारत ने यूएसटीआर की जांच रिपोर्ट के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाए। संयुक्त सचिव मिश्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापार अधिनियम की धारा 301(डी) के तहत आवश्यक कानूनी मानकों को पूरा नहीं करती। केवल कुछ चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं के केस स्टडीज और सामान्य व्यापारिक आंकड़ों के आधार पर यह मान लेना कि भारत में जबरन श्रम से जुड़ी चीजों के आयात पर प्रतिबंध नहीं है, पूरी तरह गलत है। रिपोर्ट में कुल 46 अर्थव्यवस्थाओं को बिना किसी पुख्ता सबूत के एक ही श्रेणी में डाल दिया गया है और ऐसा कोई जमीनी जुड़ाव या पक्का सबूत नहीं दिखाया गया है कि भारत की नीतियों से अमेरिकी उद्योगों को नुकसान हो रहा है। इस सुनवाई में भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव श्रेयंस गुप्ता ने एपेडा की तरफ से भारतीय चावल को इस अतिरिक्त टैक्स से बाहर रखने की मांग की। अमेरिकी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि भारत में कथित तौर पर जबरन आने वाले चावल के आयात से अमेरिकी बाजार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में चावल निर्यात के लिए कड़े नियम और पंजीकृत मिलें हैं, और इस आधार पर अमेरिकी जांच को तुरंत रद्द करने या भारतीय चावल को इससे पूरी तरह बाहर रखने की मांग की गई है।

बदल रहा एफएमसीजी सेक्टर का वर्कफोर्स- कहीं छंटनी, कहीं विस्तार

एचयूएल-डाबर ने घटाए स्थायी कर्मचारी, नेस्ले-मैरिको-टीसीपीएल ने किया विस्तार



नई दिल्ली ।

बीते वित्त वर्ष 2025-26 में देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या और वेतन वृद्धि को लेकर मिला-जुला रुख रहा। वार्षिक रिपोर्टों से पता चला है कि जहां कुछ कंपनियों ने अपने कार्यबल में कटौती की, वहीं कुछ ने विस्तार किया, साथ ही कर्मचारियों के औसत वेतन में वृद्धि भी कंपनी-दर-कंपनी उल्लेखनीय रूप से भिन्न रही।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और डाबर इंडिया ने अपने स्थायी कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की। एचयूएल ने 700 से अधिक कर्मचारी घटाकर इसे 5,898 कर दिया, जबकि डाबर के स्थायी कर्मचारी 5,343 से घटकर 4,770 रह गए। वेतन वृद्धि की बात करें तो, एचयूएल में औसतन 6.08 प्रतिशत की सबसे कम वृद्धि हुई, वहीं डाबर ने 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। इसके विपरीत, नेस्ले इंडिया, मैरिको और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने अपने कार्यबल का विस्तार किया। टीसीपीएल ने कर्मचारियों की संख्या 4,079 से बढ़ाकर 4,558 की और 12.1 प्रतिशत की सर्वाधिक वेतन वृद्धि दी। मैरिको ने भी स्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई, जबकि नेस्ले इंडिया में कुल कर्मचारी मामूली बढ़े और वेतन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, कर्मचारियों की संख्या में कटौती का मुख्य कारण विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और बैक-ऑफिस संचालन में बढ़ते स्वचालन (ऑटोमेशन) और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग है, जिससे कंपनियां कम कर्मचारियों के साथ अधिक दक्षता से कार्य कर पा रही हैं।

फ्रेडुन फार्मा ने दिए निवेशकों को 2:1 बोनस शेयर और बंपर नतीजे

- रिकॉर्ड डेट 16 जुलाई तय, कंपनी का तिमाही मुनाफा 56 फीसदी उछला

मुंबई। दवा बनाने वाली प्रतिष्ठित कंपनी फेडुन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने निवेशकों को एक बड़ा तोहफा देते हुए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी के बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में जबरदस्त बढ़ोतरी के बाद लिया गया है, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बीते 25 मई को हुई बैठक में इस बोनस शेयर इश्यू की सिफारिश की थी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट और एक्स डेट 16 जुलाई तय की गई है। इस घोषणा के तहत, रिकॉर्ड डेट तक जिस भी निवेशक के पास कंपनी का एक पुराना इक्विटी शेयर होगा, उसे 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले दो नए बोनस शेयर मुफ्त में मिलेंगे।

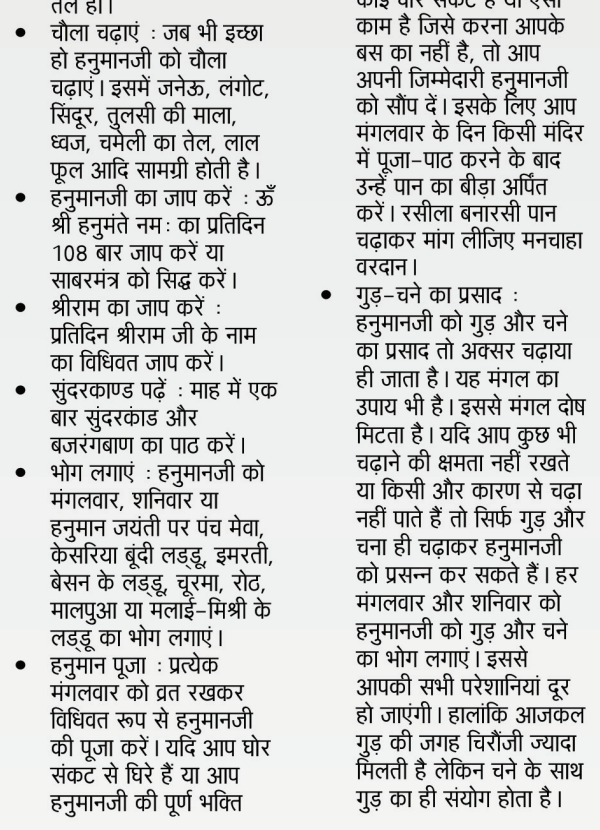
यह सुविधा शेयरधारकों के साथ-साथ वारंट होल्डर्स पर भी लागू होगी, बशर्ते उन्हें शेयरधारकों की अंतिम मंजूरी मिल जाए। बोनस शेयर के ऐलान से पहले, कंपनी ने बीती तिमाही में शानदार वित्तीय नतीजे दर्ज किए हैं। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, कुल आमदनी 27 फीसदी बढ़कर 213 करोड़ रुपये रही। इस सफलता के बाद, कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर के अलावा 0.70 रुपये प्रति शेयर के लाभांश (डिविडेंड) की भी घोषणा की है, जिससे निवेशकों की खुशी दोगुनी हो गई है।



श्री हनुमानजी को खुश करने के शुभ उपाय

हनुमानजी की पूजा मंगलवार, त्रयोदशी, चतुर्दशी और खास दिनों होती है। हिन्दू धर्म के सबसे जाग्रत और सर्वशक्तिशाली देवताओं में एकमत्र हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसरना शुरू होती है उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है। आओ जानते हैं कि उन्हें किस तरह प्रसन्न किया जा सकता है।

- हनुमान चालीसा : प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढें। वह भी एक ही जगह बैठकर।
- तीन कोनों वाला दीपक : प्रतिदिन हनुमानजी के समक्ष तीन कोनों वाला दीपक जलाएं। दीपक में चमेली का तेल हो।
- चौला चढ़ाएं : जब भी इच्छा हो हनुमानजी को चौला चढ़ाएं। इसमें जनेऊ, लंगोट, सिंदूर, तुलसी की माला, ध्वज, चमेली का तेल, लाल फूल आदि सामग्री होती है।
- हनुमानजी का जाप करें : ऊँ श्री हनुमंते नमः का प्रतिदिन 108 बार जाप करें या साबरमंत्र को सिद्ध करें।
- श्रीराम का जाप करें : प्रतिदिन श्रीराम जी के नाम का विधिवत जाप करें।
- सुंदरकाण्ड पढ़ें : माह में एक बार सुंदरकांड और बजरंगबाण का पाठ करें।
- भोग लगाएं : हनुमानजी को मंगलवार, शनिवार या हनुमान जयंती पर पंच मेवा, केसरिया बूंदी लड्डू, इमरती, बेसन के लड्डू, चूरमा, रोट, मालपुआ या मलाई-मिश्री के लड्डू का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा : प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखकर विधिवत रूप से हनुमानजी की पूजा करें। यदि आप घोर संकट से घिरे हैं या आप हनुमानजी की पूर्ण भक्ति करना चाहते हैं तो फिर आपको मांस, मदिरा और सभी तरह का व्यवसन त्याग कर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए प्रतिदिन विधि-विधान से हनुमानजी की पूजा या उनके मंत्र या नाम का जप करना चाहिए। हनुमानजी के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी माता की भी पूजा अच्छे से करें।
- पान का बीड़ा : अपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- गुड़-चने का प्रसाद : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।



छोटी-छोटी काली चींटियां किस्मत के बड़े बड़े दरवाजे खोल देती हैं

हर घर में कई बार थोड़ी-बहुत चींटियां दिखाई पड़ती हैं। कुछ लाल तो कुछ काली नजर आती ही है। ये चींटियां खासकर खाने के सामान के इर्द-गिर्द अधिक दिखाई पड़ती हैं। आपको बता दें कि घर में लाल चींटी और काली चींटी अलग-अलग बातों का संकेत देती हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ खास जानकारी, जिसमें आप जानेंगे कि छोटी-छोटी दिखाई देने वाली काली चींटियां कैसे आपकी किस्मत के बड़े-बड़े दरवाजे खोल सकती हैं।

- अगर आपके घर में काली चींटियां आ रही हैं तो सुख और ऐश्वर्य वाला समय आने के संकेत देती हैं।
- काली चींटियों को शकर या आटा खिलाना शुभ होता है। इससे पितृ देव प्रसन्न होते हैं।
- अगर चावल के भरे बर्तन से चींटियां निकल रही हैं तो यह शुभ संकेत है। कुछ ही दिनों में धन वृद्धि हो सकती है। यह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होने का संकेत है।
- वास्तु की मानें तो काली चीटियों में भगवान श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। अतः घर में काली चींटियां निकलना एक तरह जीवन में खुशहाली तथा सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत माना जाता है।
- पूर्व दिशा से चींटियां आ रही हैं तो सकारात्मक सूचना आपके घर आ सकती है।
- पश्चिम दिशा से चींटियां आ रही हैं तो यात्रा के योग बन सकते हैं।
- काली चींटियां उत्तर दिशा से आती हैं तो धन के लिहाज से शुभ संकेत होते हैं।
- दक्षिण दिशा से आ रही हों तो मंगलकारी सूचना मिल सकती है।
- घर में रखें हुए गोल्ड की चीजों के आसपास यदि काली चींटियां निकलते दिखे तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है, इसका अर्थ आपको नए आभूषण प्राप्त होने का संकेत समझा जाता है।
- काली चींटियां भौतिक सुख वाली चीजों के लिए शुभ मानी जाती है।



वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है

हिन्दू धर्म में ब्रह्मांड और समय को लेकर जो वृहत्तर धारणा है इसी के आधार पर पौराणिक इतिहास को प्रतिष्ठित और अनुष्ठानों को संपन्न किए जाने का क्रम प्रचलित रहा है। आओ पढ़ते हैं एक विशेष लेख को जिसके माध्यम से आप जान पाएंगे कि वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है।

वैदिक ऋषि मण्डल के अनुसार वर्तमान सृष्टि पंच मण्डल क्रम वाली है। यह है- 1. चन्द्र मंडल, 2.पृथ्वी मंडल, 3.सूर्य मंडल, 4.परमेष्ठी मंडल और 5.स्वायम्भू मंडल। ये उत्तरोत्तर यानि एक के बाद दूसरे मण्डल का चक्कर लगा रहे हैं। जैसे चन्द्र पृथ्वी के, पृथ्वी सूर्य के, सूर्य परमेष्ठी के, परमेष्ठी स्वायम्भू की परिक्रमा करते हैं।

- चन्द्र द्वारा पृथ्वी की एक परिक्रमा- एक मास।
- पृथ्वी द्वारा सूर्य की एक परिक्रमा- एक वर्ष।
- सूर्य की परमेष्ठी (आकाश गंगा) की एक परिक्रमा- एक मन्वन्तर।
- परमेष्ठी (आकाश गंगा) की स्वायम्भू (ब्रह्मलोक) की एक परिक्रमा- एक कल्प।
- स्वायम्भू मंडल ही ब्रह्मलोक है। स्वायम्भू का अर्थ स्वयं (भू) प्रकट होने वाला। यही ब्रह्माण्ड का उद्गम स्थल या केंद्र बिंदु माना जाता है।

अभी हम ''ब्रह्मा के 51वें वर्ष के 1 (पहले) दिन के 7वें मन्वन्तर के 28वें महायुग के चौथे युग (कलियुग)'' में मौजूद हैं।

हमारे पूर्वजों ने जहां खगोलीय गति के आधार पर काल का मापन किया, वहीं काल की अनंत यात्रा और वर्तमान समय तक उसे जोड़ना तथा समाज में सर्वसामान्य व्यक्ति को इसका ध्यान रहे इस हेतु एक अद्भुत व्यवस्था भी की थी, जिसकी ओर साधारणतया हमारा ध्यान नहीं जाता है।

हमारे यहां में कोई भी कार्य होता हो चाहे वह भूमिपूजन हो, वास्तुनिर्माण का प्रारंभ हो, गृहप्रवेश हो, जन्म, विवाह या कोई भी अन्य मांगलिक कार्य हो, वह करने के पहले कुछ पूजन संस्कार विधि करते हैं। उसमें सबसे पहले संकल्प कराया जाता है। यह संकल्प मंत्र यानी अनंतकाल से आज तक की समय और स्थान की स्थिति बताने वाला मंत्र है। इस दृष्टि से इस मंत्र के अर्थ पर हम ध्यान देंगे तो बात स्पष्ट हो जाएगी।-

संकल्प मंत्र में कहते हैं.

ऊँ अस्य श्री विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्राहृणां द्वितीये परार्धे।

अर्थात : महाविष्णु द्वारा प्रवर्तित अनंत कालचक्र में वर्तमान ब्रह्मा की आयु का द्वितीय परार्ध। वर्तमान ब्रह्मा की आयु के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। श्वेत वाराह कल्पे कल्प यानि ब्रह्मा के 51वें वर्ष का पहला दिन है।

श्री वैवस्वतमन्वंतरे- अर्थात ब्रह्मा के दिन में 14 मन्वंतर होते हैं। उसमें सातवां मन्वंतर वैवस्वत मन्वंतर चल रहा है।

अष्टाविंशतितमे कलियुगे- एक मन्वंतर में 71 चतुर्युगी होती हैं, उनमें से 28वीं चतुर्युगी का कलियुग चल रहा है।

कलियुगे कलि प्रथमचरणे- कलियुग का प्रारंभिक समय है।

कलिसंवते या युगाब्दे- कलिसंवत या युगाब्द वर्तमान में 5104 चल रहा है।

जम्बु द्वीपे, ब्रह्मावर्त देशे, भरत खंडे- देश प्रदेश का नाम

अमुक स्थाने- कार्य का स्थान

अमुक संवत्सरे- संवत्सर का नाम

अमुक अयने- उत्तरायन/दक्षिणायन

अमुक ऋतौ- वसंत आदि छह ऋतु हैं

अमुक मासे- चैत्र आदि 12 मास हैं

अमुक पक्षे- पक्ष का नाम (शुक्ल या कृष्ण पक्ष)

अमुक तिथौ- तिथि का नाम

अमुक वासरे- दिन का नाम

अमुक समये- दिन में कौन सा समय

उपरोक्त में अमुक के स्थान पर क्रमशः नाम बोलने पड़ते हैं। जैसे अमुक स्थाने में जिस स्थान पर अनुष्ठान किया जा रहा है उसका नाम बोल जाता है। उदहारण के लिए मालव मण्डले (स्थाने), शरद ऋतौ आदि।

इस तरह अमुक व्यक्ति- अपना नाम, फिर पिता का नाम, गोत्र तथा किस उद्देश्य से कौनसा काम कर रहा है, यह बोलकर संकल्प करता है। इस प्रकार जिस समय संकल्प करता है, सृष्टि आरंभ से उस समय तक का स्मरण सहज व्यवहार में भारतीय पद्धति में इस व्यवस्था के द्वारा आया है।

दोष नहीं है मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली

भले ही कुछ लोग मांगलिक होने को लेकर बड़ा हव्वा बनाते हों लेकिन शास्त्रों के अनुसार मांगलिक होना कोई चिंता की वजह नहीं है। यदि आपके पुत्र या पुत्री की कुंडली मांगलिक है, तो घबराएं नहीं, शास्त्रों में मंगल दोष दूर करने के उपाय लिखित में उपलब्ध हैं। मांगलिक विचार का निर्णय बारीकी से किया जाना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में मांगलिक दोष निवारण के तरीके उपलब्ध हैं। शास्त्र वचनों के जिस श्लोक के आधार पर जहां कोई कुंडली मांगलिक बनती है, वहीं उस श्लोक की परिहार (काट) के कई प्रमाण हैं। ज्योतिष और व्याकरण का सिद्धांत है कि पूर्ववर्ती कारिका से परवर्ती कारिका (बाद वाली) बलवान होती है। दोष के सम्बंध में परवर्ती कारिका ही परिहार है। इसलिए मांगलिक दोष का परिहार मिलता हो तो जरूर विवाह का फैसला किया जाना चाहिए। परिहार नहीं मिलने पर भी यदि मांगलिक कन्या का विवाह गैर मांगलिक वर से करना हो तो शास्त्रों में विवाह से पूर्व घट विवाह का प्रावधान है। मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली से भयभीत होने की जरूरत नहीं है। यह दोष नहीं है बल्कि इसी मंगल के प्रभाव से जातक कर्मठ, प्रभावशाली, धैर्यवान तथा सम्मानीय बनता है।

घट विवाह है प्रभावी उपाय

कन्या की कुंडली में मांगलिक दोष का परिहार नहीं हो रहा हो तो उपाय के रुप में कन्या का प्रथम विवाह/सात फेरे किसी घट (घड़े) या वृक्ष के साथ कराए जाने का विधान है। इस प्रकार के उपाय के पीछे तर्क यह है कि मंगली दोष का मारक प्रभाव उस घट या वृक्ष पर होता है, जिससे कन्या का प्रथम विवाह किया जाता है। वर दूसरा पति होने के कारण उस प्रभाव से सुरक्षित रह पाता है। घट विवाह शुभ विवाह मुहूर्त और शुभ लग्न में पुरोहित द्वारा सम्पन्न कराया जाना चाहिए। कन्या का पिता पूर्वाभिमुख बैठकर अपने दाहिने तरफ कन्या को बिठाएं। कन्या का पिता घट विवाह का संकल्प ले। नवग्रह, गौरी गणेशादि का पूजन, शांतिपाठ इत्यादि करे। घट की षोडषोपचार से पूजा करें। शाखोच्चार, हवन, सात फेरे और विवाह की अन्य रस्म निभाएं। बाद में कन्या घट को उठाकर हृदय से सटाकर भूमि पर छोड़ दे जिससे घट फूट जाए। इसके बाद देवताओं का विसर्जन करें और ब्राह्मण को दक्षिणा दें। बाद में चिरंजीवी वर से कन्या का विवाह करें।





क्यों हो रहा है विवाह में विलंब

विवाह में विलंब होने के कई कारण होते हैं। उनमें से एक कारण कुंडली के ग्रहों को भी माना जाता है। कहते हैं कि जीवन में विवाह के योग बनते हैं परंतु जब वे किसी कारणवश टल जाते हैं तो फिर दूसरी बार योग बनने में समय लगता है। आओ जानते हैं कि विवाह के योग कब कब बनते हैं।

विवाह के योग : ज्योतिष मान्यता के अनुसार विवाह के योग उम्र के 27, 29, 31, 33, 35 व 37वें वर्ष में बनते कर दिया जाता था। लड़की की कुंडली में गुरु और पुरुष की कुंडली में शुक्र बनाता है विवाह के योग।

कैसे होता है विवाह में विलंब

- कई बार व्यक्ति विवाह करने से यूं ही इनकार कर देता है कि अभी नहीं करना विवाह। कई बार अच्छे रिश्ते के चक्कर में योग भी को टाल दिया जाता है। ऐसे भी होता है कि करियर के चक्कर में भी वह विवाह नहीं करता है।
- ज्योतिष मानता है कि मांगलिक होना, पितृदोष होना या काल सर्पदोष होना भी विवाह में विलंब का एक कारण है।
- कहते हैं कि जब सूर्य, मंगल या बुध लग्न या लग्न के स्वामी पर दृष्टि डालते हों और गुरु 12वें भाव में बैठा हो तो भी विवाह में देरी होती है।
- प्रथम या चतुर्थ भाव में मंगल हो और सप्तम भाव में शनि हो तो व्यक्ति की विवाह के प्रति उदासीनता के भाव रहते हैं।
- प्रथम भाव, सप्तम भाव में और बारहवें भाव में गुरु या शुभ ग्रह योग कारक न हो और चंद्रमा कमजोर हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम भाव में शनि और गुरु की युति तो शादी देर से होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि दोनों में से कोई एक ग्रह हो तो भी विवाह में अड़चन आती है।
- सप्तम भाव में बुध और शुक्र की युति हो तो भी विवाह तय होने में काफी अड़चने आती रहती है, जिसके चलते विवाह में विलंब हो जाता है।
- चंद्र की राशि कर्क से गुरु सप्तम हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम में त्रिक भाव का स्वामी हो, कोई शुभ ग्रह योगकारक नहीं हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं या विवाह देर से होता है।
- यदि गुरु कमजोर या नीच का होकर बैठा हो, शत्रु भाव में या शत्रुओं के साथ बैठा हो तब भी विवाह में अड़चने आती हैं।

जल्दी शादी करके के उपाय

- मंगल दोष है तो उसका उज्जैन के मंगलनाथ में उपाय करें। कुंभ विवाह करें।
- पितृदोष या कालसर्पदोष हैं तो उसका नासिक का त्र्यंबकेश्वर में जाकर उपाय करें।
- सप्तम भाव का दोष है तो उपके उपाय करना चाहिए।
- लड़कों को शुक्र के उपाय करना चाहिए और लड़कियों को गुरु के उपाय करना चाहिए।
- शनिवार को पीपल की पूजा करें।
- गुरुवार को केले के युगल जोड़ों की पूजा करें।
- ग्यारह शुक्रवार को माता पार्वती या दुर्गाजी के मंदिर में श्रीफल व चुनरी को अर्पित करें।
- पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की 108 परिक्रमा करें।
- गाय को घी की रोटी में गुड़ लपेटकर खिलाएं और हल्दी के पानी में आलू को उबालकर उसे ठंडा करके गाय को खिलाएं।
- गुरुवार और शुक्रवार को व्रत करें।
- अपने माथे पर केसर, हल्दी या चंदन का तिलक लगाएं।
- शुक्रवार के दिन दही स्नान करें, फिटकरी का कुल्ला करके सोएं।



कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में मदद करते हैं ये शुभ चिन्ह

इस त्योहार यदि आपको अपने घर में खुशियों का आगमन चाहिए, तो आपको हमारे शास्त्रों में बताए गए कुछ शुभ चिन्हों की जानकारी जरूर होनी चाहिए। ये ऐसे चिन्ह हैं जिन्हें यदि आपने घर के मुख्य द्वार पर लगा लिया, तो आपके घर में खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकेगा।

हमारे शास्त्रों में ऐसे कई चिन्हों का वर्णन किया गया है जिन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सुख-समृद्धि बनी रहती है। यह चिन्ह घर आने वाली कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में हमारी मदद करते हैं। आइए जानते हैं, ऐसे ही कुछ चिन्हों के बारे में, जिन्हें आपको अपने द्वार पर लगाना चाहिए।

स्वस्तिक

मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाने से हमारे आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

शुभ-लाभ

शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी प्रथम पूज्य देवता हैं और शुभ व लाभ को उनका पुत्र माना गया है। इसीलिए शुभ-लाभ लिखना धनात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। स्वस्तिक के साथ जब सिन्दूर से शुभ-लाभ लिखा जाता है, तब घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

श्रीगणेशजी

घर के मुख्य द्वार पर गणेशजी का चित्र लगाने से गणेशजी की कृपा बनी रहती है और धनधान्य की कमी नहीं होती।

पंचमुखी हनुमान

यदि आपका मुख्य द्वार दक्षिण मुखी है, तो दरवाजे पर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र लगाकर शुभता बढ़ाई जा सकती है।



आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

क्रिकेट जगत का बड़ा सम्मानः भारत के लिए गर्व का पल



आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान

सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी

पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया। मैं उन सभी की आभारी हूं।'अंजुम चोपड़ा ने भारत के लिए 12 टेस्ट, 127 वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह महिला वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बनी थीं।

अर्जेंटीना छठी बार सेमीफाइनल में

स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे, अब इंग्लैंड से मुकाबला



कैंसस, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्योॅय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

इंग्लैंड 8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

- नॉर्वे का सफर समाप्त, हालैंड नहीं कर पाए गोल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में को इंग्लैंड ने नॉर्वे को हराकर 8 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जूड बेलिंगहैम ने एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में गोल करके इंग्लैंड को नॉर्वे पर 2-1 से जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड 2018 सेमीफाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड के लिए दोनों गोल बेलिंगहैम ने किए। उन्होंने पहले हाफ के आखिर में पहला गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

रियल मैड्रिड के स्टार के इस फुटबॉल वर्ल्ड कप में साथी खिलाड़ी हैरी केन के बराबर छह गोल हो गए हैं। वह फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के 8-8 गोल से पीछे हैं। बेलिंगहैम ने राउंड ऑफ 16 में 2 गोल किए थे, जिससे इंग्लैंड ने सह-मेजबान मेक्सिको को हराया था। 1966 वर्ल्ड कप का जीतने वाले इंग्लैंड का सेमीफाइनल में अर्जेंटीना या स्विट्जरलैंड से सामना होगा।

एंड्रियास श्जेल्डरुप ने 36वें मिनट में नॉर्वे के लिए गोल किया। 6 फुट 5 इंच के स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड की करिश्माई प्रदर्शन के दमपर नॉर्वे की टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और दुनिया को हैरान कर दिया। मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी हालैंड ने इस टूर्नामेंट में सात गोल किए थे। क्वार्टर फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ कि वह वर्ल्ड कप में गोल नहीं कर पाए। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में जॉर्जन स्ट्रैंड लार्सन ने उनकी जगह ली। नॉर्वे 56वें मिनट में लगभग 2-1 से आगे हो गया था जब कॉर्नर किक के बाद टोरब्योर्न हेगेम ने गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए रिबाउंड शॉट लगाकर गोल किया। वीडियो रिव्यू के बाद बॉक्स में हालैंड के फाउल के कारण गोल को नामंजूर कर दिया गया।



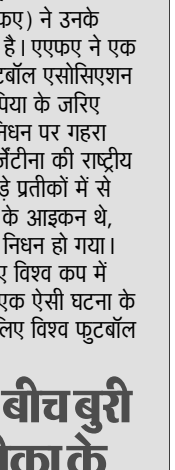
अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान का हुआ निधन, फुटबॉल जगत में शोक

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एएफए ने एक बयान में कहा, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के आइकन थे, जिनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया। रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई।



विश्वकप के बीच बुरी खबर, अफ्रीका के एडम्स का निधन

जोहानिसबर्ग। फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री गेटन मैकेंजी ने की। एडम्स मौजूदा फीफा विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल थे। एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका को पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ हैमैकेंजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गहरे सदमे और भारी मन से मुझे यह जानकारी मिली कि मामेलोडी सनडाउन्स और बाफाना बाफाना के मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल ने अपने सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है और पूरा देश उनके परिवार, साथियों तथा लाखों प्रशंसकों के साथ शोक में डूबा है। जेडन की मौत के कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मैं मीडिया और आम जनता से अपील करता हूं कि वे संयम और संवेदनशीलता बरतें तथा किसी भी तरह की अटकलों से बचें।



इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।



इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम:** टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल:** इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए हैं। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी:** श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।



क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।



होम्बले फिल्म्स के अगले प्रोजेक्ट में सूर्या के साथ होंगी एक्ट्रेस कायाडू लोहार

साउथ के बेहतरीन अभिनेता सूर्या अपनी फिल्म 'करुप्पु' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस बीच उन्हें एक और फिल्म मिली है। होम्बले फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर अपने अगले महत्वाकांक्षी सिनेमाई प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। इसमें सूर्या अहम रोल में होंगे। उनके साथ एक्ट्रेस कायाडू लोहार होंगी। होम्बले फिल्म्स ने पहले 'केजीएफ', 'कांतारा' और 'सालार' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुका है। फिल्म में साई अभ्यंकर का म्यूजिक होगा, एस. आर. काथिर सिनेमैटोग्राफी संभालेंगे, के. काथिर प्रोडक्शन डिजाइन करेंगे और एडिटिंग फिलोमिन राज की होगी। इस नए सफर की ऑफिशियल शुरुआत आज, 29 जून 2026 को चेन्नई के पार्क हयात होटल में एक भव्य मुहूर्त पूजा के साथ हुई। इस खास मौके पर फिल्म के एक्टर्स, क्रू मेंबर्स और फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े चेहरे शामिल हुए। इसके साथ ही भारतीय सिनेमा के इस सबसे बड़े और धमाकेदार प्रोजेक्ट का आगाज हो चुका है। एक बेमिसाल एक्टर, एक उभरती हुई एक्ट्रेस, एक विजनरी डायरेक्टर और कमाल की फिल्में बनाने वाला प्रोडक्शन हाउस, ये सब जब एक साथ आए हैं, तो यकीनन कुछ ऐसा बनने जा रहा है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को हमेशा याद रहेगा।





28 वर्षों बाद नागार्जुन की किंग 100 में आएंगी नजर

साउथ के अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी की 100वीं फिल्म की जब से घोषणा हुई है, तभी से लोगों में इसे लेकर उत्सुकता है। इसका नाम अभी के लिए 'किंग 100' रखा गया है। इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी।

क्या होगा तब्बू का किरदार?

यह पहले से पता था कि फिल्म में तब्बू नागार्जुन के साथ रोमांटिक रोल में नहीं होंगी, मगर उनके किरदार के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई थी। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि तब्बू फिल्म में विलेन (खलनायक) का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। वैरायटी इंडिया के मुताबिक तब्बू 'किंग 100' में विलेन का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म के जरिए वह 28 साल बाद नागार्जुन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इसके निर्देशक आर.ए. कार्तिक हैं। तब्बू ने फिल्म 'मकबूल', 'हैदर', 'अंधाधुन' और 'फितूर' जैसी फिल्मों में अलग तरह के किरदार निभाकर तारीफें बटोरी हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

तब्बू को आखिरी बार अक्षय कुमार, वामिका गब्बी और परेश रावल के साथ फिल्म 'भूत बंगला' में देखा गया था। उन्होंने हाल ही में एचबीओ की 'ड्यूनः प्रोफेसी' में सिस्टर फ्रांसेस्का की अहम भूमिका निभाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है।



'बंटवारा 1947' को लेकर बहुत उत्साहित हूं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं

सनी देओल की नई फिल्म 'बंटवारा 1947' का टीजर रिलीज हो गया है। फैंस इस टीजर को काफी पसंद कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का नाम 'लाहौर 1947' रखा गया था। यह फिल्म 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं अब सनी के छोटे भाई और अभिनेता बॉबी देओल ने टीजर को लेकर अपनी राय पेश की है। 'बंटवारा 1947' के टीजर को देखने के बाद सनी देओल के छोटे भाई बॉबी देओल ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आप सबसे अच्छे हैं, भैया।' बॉबी ने आगे लिखा, 'मैं इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' इसके साथ ही बॉबी ने 'बंटवारा 1947' की पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। सनी देओल की यह फिल्म असगर वजाहत के मशहूर नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई' पर बनी है, जो 1947 भारत-पाकिस्तान विभाजन के दर्द की कहानी दिखाती है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, जावेद अख्तर ने गाने लिखे हैं। 'बंटवारा 1947' में सनी देओल ने सिकंदर मिर्जा का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सनी के अलावा प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी नजर आएंगे। बॉबी देओल की फिल्म 'अल्फा' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की इस एक्शन फिल्म में बॉबी के साथ आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें अनिल कपूर भी हैं और ऋतिक रोशन का कैमियो है।

एक्ट्रेस माही विज ने लिया सोशल मीडिया से ब्रेक

अभिनेत्री माही विज तलाक के बाद पूरी तरह से अपने काम में डूबी हुई हैं। इसके साथ ही वह एक सिंगल मदर की जिम्मेदारियां को भी निभा रही हैं। इसी बीच मंगलवार को एक्ट्रेस ने एक इंस्टा स्टोरी शेयर कर अपने फैंस को चौंकाया। इस स्टोरी में माही ने बताया कि वह सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हैं। हालांकि, कुछ वक्त बाद उन्होंने इसे डिलीट कर दिया। माही ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं, पता नहीं कब तक, जब तक काम से जुड़ी कोई चीज पोस्ट न करनी हो। दुआ में याद रखना।'

तलाक के बाद बेटी संग रहती हैं एक्ट्रेस

माही विज और उनके पति जय भानुशाली की शादी 15 साल तक चली। मगर आपसी मदभेदों के कारण कपल ने इस साल की शुरुआत में ही तलाक की घोषणा की थी। कपल के तीन बच्चे थे। तारा (उनकी बायोलॉजिकल बेटी), खुशी और राजवीर (जिन्हें उन्होंने गोद लिया है)। फिलहाल माही अपनी बेटी तारा संग कई बार सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर करती देखी जाती थीं।



मेरे लिए हमेशा बहुत खास फिल्म रहेगी 'ब्लू 52'



बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया की 'ब्लू 52' फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू हुआ है, जिसको ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट साउथबैंक में आयोजित किया गया। इस फिल्म से 17वें लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एलआईएफएफ) की ओपनिंग फिल्म होगी। इस फिल्म को लेकर उन्होंने बात की। अभिनेत्री नेहा धूपिया ने कहा, 'मशहूर बीएफआई साउथबैंक में हमारी फिल्म का यूरोपियन प्रीमियर होना पूरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। आदिल हुसैन और बाकी कलाकारों जैसे टैलेंटेड को-एक्टर्स के साथ इस पल को शेयर करना इसे और भी यादगार बनाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'लियोनेल मेसी जैसे दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले व्यक्ति का इस फिल्म से जुड़ना इस प्रोजेक्ट के लिए इंटरनेशनल लेवल पर बहुत ज्यादा ध्यान खींचने वाला रहा है। मैं सच में लंदन में दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने और उन सभी लोगों के साथ इस सफर का जश्न मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो 'ब्लू 52' को बनाने में शामिल रहे हैं।'

लंदन में होने वाले इस शानदार प्रीमियर में अभिनेत्री नेहा धूपिया, मशहूर एक्टर आदिल हुसैन और फिल्म की पूरी कास्ट के साथ शामिल होगी। इस खास पल को लेकर नेहा ने कहा कि 'ब्लू 52' मेरे लिए हमेशा एक बहुत खास फिल्म रहेगी, क्योंकि यह मेरा पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है, और लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित फेस्टिवल में इसकी ओपनिंग होते देखना किसी सपने जैसा लगता है। उन्होंने कहा, 'अभिनेत्री के तौर पर, हम हमेशा ऐसी कहानियां ढूंढते हैं जो हमें छू जाएं, हमें चुनौती दें और कैमरा बंद होने के बाद भी हमारे साथ बनी रहें, और इस फिल्म ने मेरे लिए बिल्कुल यही किया। ट्रेलर को मिला रिस्पॉन्स बहुत उत्साहजनक रहा है, खासकर मेरे किरदार और परफॉर्मेंस के लिए मिल रहा प्यार। इससे यह भरोसा मिलता है कि दर्शक फिल्म की इमोशनल दुनिया से जुड़ रहे हैं।'

अली अल अरबी की डायरेक्ट की गई यह फिल्म आशीष के बारे में है, जिसे उसके पिता ने अलग-थलग कर दिया था। वह 23 साल की उम्र में अपनी मां के पूरे सपोर्ट से घर से भाग जाता है ताकि कतर में 2022 वर्ल्ड कप में अपने आइडल, मेसी, से मिल सके। यह एक ऐसा सफर शुरू करता है जो उसे पहली बार खुद को और दुनिया को जानने का मौका देता है।



बड़े पर्दे पर पहली बार बनेगी अली फजल और ऋचा चड्ढा की जोड़ी



बॉलीवुड कपल अली फजल और ऋचा चड्ढा पहली बार किसी फिल्म में एक-दूसरे के अपोजिट नजर आएंगे। यानी पहली बार ये रियल लाइफ जोड़ी बड़े पर्दे पर भी एक जोड़ी के रूप में नजर आएगी। हालांकि, दोनों ने पहले 'फुकरे' फ्रैंचाइजी में साथ काम किया है, लेकिन स्क्रीन पर उन्हें कभी एक-दूसरे के अपोजिट कास्ट नहीं किया गया। एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा की आने वाली फिल्म में कपल साथ नजर आएगा। कपल ने इसको लेकर अपना उत्साह भी जाहिर किया है।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

अली और ऋचा आखिरकार पहली बार एक साथ एक बिना नाम वाली सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रहे हैं, जिसे सीनवर्क प्रोडक्शंस और गिरिराज प्रोडक्शंस बना रहे हैं। इनके अलावा फिल्म में कुमुद मिश्रा भी नजर आएंगे। दिल्ली की भागदौड़ भरी जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा डायरेक्ट करेंगे। शशि वर्मा पहले 'बाला', 'गुंजन सक्सेना' और 'कटहल' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं और उन्होंने 'AK47' और 'मुर्गा ट्रॉफी' जैसी फिल्में लिखी हैं। हालांकि, अभी फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। फिल्म की शूटिंग 2026 के दूसरे हिस्से में शुरू होगी और इसे अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं

इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए अली फजल ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे अच्छी कॉमेडी ईमानदार किरदारों और असल लगने वाली स्थितियों से बनती है। जैसे ही मैंने यह स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे पता चल गया कि इसमें कुछ खास है। ऋचा के साथ स्क्रीन पर एक बिल्कुल नया तालमेल आजमाना भी रोमांचक है। मैं सच में उस चीज का इंतज़ार कर रहा हूं जो हम साथ मिलकर बनाएंगे। शशि सर के काम को मैं हमेशा से फॉलो करता रहा हूं और उनके साथ काम करना मेरी हमेशा से इच्छा रही है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का यह भी एक बड़ा कारण है।'

कहानी की सादगी ने मुझे खींचा

वहीं ऋचा चड्ढा ने फिल्म को लेकर अपना उत्साह जताते हुए कहा, 'इस कहानी की सादगी और असलियत ने मुझे अपनी ओर खींचा। यह मजेदार और इमोशनल है और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी है, साथ ही इसमें समाज पर एक बेहतरीन टिप्पणी भी है। अली और मैंने पहले भी साथ काम किया है, लेकिन कभी ऐसा नहीं किया। मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक हमें एक बिल्कुल नए अंदाज में साथ देखेंगे। इस कहानी ने मुझे दिल्ली के यमुना पार में बिताए अपने स्कूल के दिनों की याद दिला दी। अली एक बेहतरीन एक्टर हैं। हमें पहले कभी इस तरह साथ काम करने का मौका नहीं मिला। इससे पहले हमने 'फुकरे' में काम किया था, जहां हमारे किरदार अलग-अलग थे।'

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पीएम शहबाज़ शरीफ़ की ईरान के राष्ट्रपति से बातचीत, कहा-स्थायी शांति के लिए मध्यस्थ बनने को तैयार है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने शुक्रवार को ईरान के नए राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियान से फोन पर एक बेहद महत्वपूर्ण बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने बदलते वैश्विक व क्षेत्रीय घटनाक्रमों के बीच शांति कायम रखने के लिए संयम और कूटनीति की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। पीएम शहबाज़ शरीफ़ ने देर रात सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर इस बातचीत की विस्तृत जानकारी दी। शहबाज़ शरीफ़ ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'आज मैंने अपने भाई और ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियान से बात की। हमने बदलते हुए ताज़ा हालात पर विस्तार से चर्चा की और इस बात पर ज़ोर दिया कि हाल के महीनों में क्षेत्र में जो शांति स्थापित हुई है, उसे बचाने के लिए सभी पक्षों द्वारा संयम, आपसी बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना बेहद ज़रूरी है।' समाचार के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को कम करने, शांति स्थापित कराने तथा संभावित युद्ध के संकट को पूरी तरह ख़त्म कराने के लिए पाकिस्तान मध्यस्थता की कोशिशों में जुटा हुआ है।

नेपाल में भारतीय पर्यटक की मौत, तैरने के लिए नाव से झील में लगाई थी छलांग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल की एक झील में तैरते समय एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई। यह घटना कास्की जिले के पोखरा महानगरपालिका में स्थित फेवा झील में घटी। मृतक की पहचान बिहार निवासी 28 वर्षीय रोहित कुमार के रूप में हुई है। वह नाव में सवार थे और तैरने के लिए नाव से कूद गए थे। कास्की जिला पुलिस के प्रवक्ता बीरेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि वह शाम करीब 5 बजे लापता हो गया था और सशस्त्र पुलिस बल की एक टीम ने उसे बचा लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें वेस्टर्न रीजनल हॉस्पिटल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

नाइजीरिया : मई में आतंकवादियों ने अगवा किए थे कई छात्र, एक समूह को बचाया गया

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया की सरकार ने शुक्रवार को बताया कि देश के दक्षिण-पश्चिमी ओयो राज्य में मई में मुस्लिम आतंकवादियों द्वारा अगवा किए गए छात्रों के एक समूह को बचा लिया गया है। सरकारी प्रवक्ता बायो ओनानूगा ने बचाए गए छात्रों की कुल संख्या नहीं बताई, लेकिन अधिकारियों ने 15 मई को दो माध्यमिक विद्यालयों से अपहरण के समय कहा था कि 40 से अधिक लोगों का अपहरण किया गया था। ओनानूगा ने बताया कि इस अभियान के तहत आठ आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। दक्षिणी राज्य ओयो में हुए अपहरणों ने देश के सुरक्षा संकट में वृद्धि का संकेत दिया है क्योंकि इससे पहले इस तरह के अधिकांश अपहरण उत्तर में हुए थे।

ब्रिटेन : पुलिस ने पूर्व संसद सदस्य ऐन विडेकोम्बे की हत्या के संदिग्ध को किया गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। पुलिस ने बताया कि ब्रिटेन की पूर्व सांसद और रियलिटी टीवी प्रतियोगी ऐन विडेकोम्बे की हत्या के संदेह में शुक्रवार को 26 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। 78 वर्षीय विडेकोम्बे गुरुवार को दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के डार्टमूर नेशनल पार्क के बाहरी इलाके में स्थित अपने हेटोर वेले स्थित घर में गंभीर चोटों के साथ मृत पाई गईं। डेवॉन और कॉर्नवाल पुलिस के सहायक मुख्य कांस्टेबल मैट लॉन्गमैन ने कहा कि इस हत्या को आतंकवादी कृत्य नहीं माना जा रहा है और ऐसी कोई जानकारी नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि यह राजनीतिक रूप से प्रेरित थी।

नासा के अनिल मेनन 14 जुलाई को अंतरिक्ष के लिए होंगे रवाना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर कॉस्मोड्रोम (अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल) से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। वह आपात चिकित्सा के चिकित्सक व अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं। वह भारत में एक वर्ष तक रोटरी एंबेसडोरियल स्कॉलर के रूप में रहे और पोलियो टीकाकरण अभियान के अध्ययन और समर्थन का कार्य किया। अमेरिकी वायुसेना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम' के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर सेवा दी। मेनन (49) ने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के लिए माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों का इलाज किया।

चीन का नया कानून बना तिब्बत के लिए संकट, मानवाधिकारों का हो रहा घोर उल्लंघन

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत में लगातार मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बहुत तेजी से हो रहा है। चीन एक नए कानून के जरिए तिब्बती लोगों को जबरदस्ती अपनी संस्कृति में ढालने की कोशिश कर रहा है। इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत के निदेशक रयान फियोरेसी ने इसे लेकर बहुत गहरी चिंता जताई है। यह नीतियां तिब्बतियों की स्वतंत्र सांस्कृतिक पहचान के लिए एक बहुत ही बड़ा खतरा बन चुकी हैं।

चीन ने 1 जुलाई से 'एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस लॉ' को पूरी तरह से लागू कर दिया है। यह नया कानून ऐसी क्रूर नीतियों को कानूनी मान्यता देता है जिनका मुख्य उद्देश्य तिब्बत की अलग पहचान कमजोर करना है। बीजिंग की यह जबरन एकीकरण नीति तिब्बतियों के मौलिक अधिकारों को बहुत बुरी तरह छीन रही है। दुनिया को अब इसके खिलाफ एकजुट होकर अपनी बहुत ही कड़ी आवाज तत्काल उठानी होगी।

चीनी सरकार का तानाशाही कानून : फियोरेसी ने स्पष्ट किया कि चीन के नए कानून की कई बातें उसके अपने संविधान के सख्त खिलाफ जाती हैं। इसके अलावा यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार प्रतिबद्धताओं का भी एक सीधा और बहुत बड़ा उल्लंघन माना जा रहा है। आईसीटी ने संयुक्त राष्ट्र और कई देशों की सरकारों से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। चीन इस खतरनाक कानून के जरिए



तिब्बती लोगों की आवाज को बहुत बुरी तरह से दबा रहा है।

दलाई लामा का 91वां जन्मदिन : आईसीटी के निदेशक रयान फियोरेसी ने यह अहम बात वॉशिंगटन में दलाई लामा के 91वें जन्मदिन के मौके पर कही। इस विशेष कार्यक्रम में अमेरिकी सरकारी अधिकारी, राजनयिक और तिब्बती समुदाय के कई लोग मुख्य रूप से शामिल हुए थे। नागरिक समाज के कई प्रतिनिधियों और पत्रकारों ने भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने एकजुट होकर तिब्बत की वर्तमान स्थिति और चीनी नीतियों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।

करुणा और अहिंसा का संदेश : फियोरेसी ने जोर देकर कहा कि आज के समय में दुनिया के कई हिस्सों में लगातार भारी संघर्ष चल रहे हैं। ऐसे में दलाई लामा का करुणा और अहिंसा का संदेश पूरी दुनिया के लिए बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनका यह संदेश सरल जरूर है लेकिन इसमें देशों के बीच बिगड़े रिश्तों को पूरी तरह बदलने की भारी ताकत है। शांति के रास्ते पर चलकर ही ऐसे पुराने और जटिल विवादों को सही तरीके से सुलझाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय दबाव की बड़ी जरूरत : आईसीटी ने अमेरिका सहित सभी देशों की सरकारों से चीन पर कड़ा अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की बहुत भारी अपील की है। संगठन का दृढ़ मानना है कि चीन को दलाई लामा या उनके विशेष प्रतिनिधियों के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए। तिब्बत के इस गंभीर मुद्दे का स्थायी समाधान केवल शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए ही पूरी तरह निकाला जा सकता है। इस अहम बातचीत में तिब्बती लोगों की वर्तमान चिंताएं बहुत ही प्रमुखता से शामिल होनी चाहिए।

वास्तविक स्वायत्तता और मूल अधिकार : इस बातचीत में तिब्बती लोगों की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को मुख्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्हें अपने क्षेत्र में वास्तविक स्वायत्तता और सभी बुनियादी मूल अधिकार मिलने बहुत ही ज्यादा जरूरी हैं। दलाई लामा साल 1959 में अपना देश तिब्बत छोड़कर भारत आ गए थे और तब से धर्मशाला में रह रहे हैं। उन्हें 1989 में शांतिपूर्ण तरीके से समाधान खोजने के लिए विश्व प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार मिला था।

अमेरिका का तिब्बत नीति कानून : अमेरिका ने साल 2002 के तिब्बत नीति कानून के तहत तिब्बत मामलों के लिए एक विशेष समन्वयक का अहम पद बनाया था। यह खास कार्यालय तिब्बत को लेकर सभी अमेरिकी नीतियों में एक बहुत ही बेहतर तालमेल स्थापित करता है। यह चीनी अधिकारियों और तिब्बती प्रतिनिधियों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने का काम भी बहुत ही जिम्मेदारी से करता है। यह तिब्बतियों को उनके अधिकार दिलाने और शांति स्थापित करने की एक बहुत बड़ी और सकारात्मक पहल है।

चीन में बारिश ने मचाई तबाही! 95 हजार से ज्यादा लोग घर छोड़ने को मजबूर, कई इलाकों में रेड अलर्ट

बीजिंग, एजेंसी। चीन की राजधानी बीजिंग इस समय भीषण प्राकृतिक आपदा का सामना कर रही है। शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश ने शहर के कई हिस्सों में जनजीवन को पूरी तरह से ठप कर दिया है। बीजिंग नगर बाढ़ नियंत्रण कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक पूरे शहर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश दर्ज की गई है। सबसे खराब स्थिति शहर के बाहरी इलाके पिंगगू जिले में देखी गई, जहां एक स्थानीय बाजार क्षेत्र में 164 मिमी तक पानी बरस गया, जिससे चारों ओर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई।

95 हजार से अधिक लोगों का रेस्क्यू : प्रशासन ने भारी बारिश और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार शाम तक 36,279 परिवारों के कुल 95,657 लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बिना किसी आपातकालीन कार्य के अपने घरों से बाहर न निकलें और मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करें। फिलहाल राहत की बात यह है कि शहर के सभी बड़े और मध्यम आकार के जलाशय अपनी अधिकतम जल-सीमा से नीचे बने हुए हैं। हालांकि, खतरा अभी टला नहीं है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि शुक्रवार की रात और शनिवार को भी कई इलाकों में मध्यम से लेकर मूसलाधार बारिश जारी रह सकती है। प्रशासन ने अपनी आपातकालीन टीमों को अलर्ट पर रखा है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

दोहरे टाइफून का खतरा : चीन के लिए चिंता केवल बीजिंग की बारिश तक सीमित नहीं है। जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, टाइफून मायसक और टाइफून बावी के कारण देश की कई प्रमुख नदियों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। टाइफून 'मायसक' की वजह से दक्षिणी चीन के गुआंग्शी झुआंग ऑटोनॉमस रीजन में पहले ही भीषण बारिश हो चुकी है, जिससे पर्ल नदी क्षेत्र के कई हिस्सों में गंभीर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुआंग्शी और पड़ोसी ग्वांगडोंग प्रांत में 'रेड अलर्ट' जारी कर दिया गया है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सुपर टाइफून 'बावी' चीन के पूर्वी तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से आने वाले एक सप्ताह के भीतर देश के छह प्रमुख नदी क्षेत्रों में भारी तबाही और बाढ़ आने की आशंका है। जल संसाधन मंत्रालय ने संबंधित विभागों को जलाशयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, पहाड़ी इलाकों में अचानक आने वाली बाढ़ की निगरानी करने और जल परियोजनाओं की नियमित जांच करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

फ़िलिपींस में बावी तूफ़ान का हाहाकार, भूस्खलन में 15 लोगों की मौत, ताइवान, जापान और चीन में हाई अलर्ट

मनीला/ताइपे, एजेंसी। दक्षिणी फ़िलिपींस में दशकों के सबसे शक्तिशाली और विनाशकारी चक्रवाती तूफ़ानों में से एक 'बावी' ने भीषण तबाही मचाई है। तूफ़ान के प्रभाव के कारण हुए भीषण भूस्खलन की चपेट में आने से अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इस चक्रवात के विकराल रूप को देखते हुए पूर्वी एशिया के कई देशों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यह महातूफ़ान क़रीब 1,000 किलोमीटर (620 मील) से अधिक के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसका आकार लगभग फ़्रांस के बराबर बताया जा रहा है। वर्तमान में यह प्रशांत महासागर से होते हुए ताइवान की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। तूफ़ान के चलते फ़िलिपींस के मिंडानाओ द्वीप पर मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से कई परिवार मलबे की चपेट में आ गए हैं। आपदा प्रबंधन और बचाव दल की टीमें मौके पर मुस्तैदी से जुटी हुई हैं और मलबे में लापता हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मौसम विभाग की चेतावनियों के बाद पड़ोसी देशों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं:

ताइवान और जापान: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस विशाल तूफ़ान के कारण ताइवान के उत्तरी व पूर्वी हिस्सों के साथ-साथ जापान के दूरदराज़ के द्वीपों में अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है।

चीन: अनुमान जताया गया है कि यह तूफ़ान शनिवार को दक्षिण-पूर्वी चीन के तटीय इलाकों से टकरा सकता है जिसके चलते तटीय क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। तूफ़ान की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित होने वाले संभावित क्षेत्रों में कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र स्कूलों में क्लासेज़ को पूरी तरह स्थगित कर दिया गया है। वहीं, संभावित लॉकडाउन या संकट की स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय नागरिकों में आवश्यक वस्तुओं को खरीदने की होड़ मच गई है, जिसके कारण सुपरमार्केट की कई शेल्फ़ पूरी तरह खाली हो चुकी हैं। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

पूर्व ब्रिटिश सांसद एन विडिकॉम्ब की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या, पुलिस ने 26 वर्षीय युवक को किया गिरफ्तार

लंदन/डेवोन, एजेंसी। ब्रिटेन की जानी-मानी राजनीतिज्ञ और पूर्व सांसद 78 वर्षीय एन विडिकॉम्ब की उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या किए जाने का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। डेवोन के डार्टमूर स्थित उनके आवास पर विडिकॉम्ब का शव गंभीर चोटों के साथ बरामद हुआ, जिसके बाद समूचे ब्रिटिश राजनीतिक हलके में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई है।

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय एक ब्रिटिश नागरिक को हत्या के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। डेवोन और कॉर्नवाल पुलिस के अनुसार, एम्बुलेंस सेवा को गुरुवार सुबह करीब 11:40 बजे डेवोन के हेयटोर स्थित उनके घर 'विडिकॉम्ब्स रेस्ट' में उनका शव मिला। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने पास के ही न्यूटन एबट इलाके से एक संदिग्ध युवक को दबोच लिया, जिससे फिलहाल हिरासत में पूछताछ की जा रही है। एक्सेटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट चीफ कांस्टेबल मैट लॉन्गमैन ने स्पष्ट किया कि शुरुआती जांच और आतंकवाद विरोधी अधिकारियों के साथ विमर्श के बाद इस हमले में किसी भी प्रकार के आतंकवादी या राजनीतिक मकसद को खारिज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

ब्रिटेन के शीर्ष नेताओं ने व्यक्त किया गहरा शोक : इस भीषण घटना के बाद ब्रिटेन के राजनीतिक दलों के नेताओं ने राजनीति से ऊपर उठकर इस कृत्य की निंदा की है और दुख जताया है: प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, 'यह बेहद चौंकाने वाली खबर है। एन कई वर्षों तक एक प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ रहीं और उनका जाना एक बहुत बड़ी क्षति है। इस दुखद घड़ी में हम सभी की संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।' कंज़रवेटिव पार्टी की नेता केमी बैडेनोच ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'मैं इस खबर से स्तब्ध हूं। समझ नहीं आता कि कोई एक बुजुर्ग महिला के साथ ऐसा भयानक और क्रूर कृत्य कैसे कर सकता है। इस दुखद खबर से हमारी पार्टी गहरे सदमे में है।' लिब डेम नेता एड डेवी ने इसे एक अत्यंत भयावह घटना बताते हुए कहा कि एन ने अपना पूरा जीवन लोक सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।

राजनीति के साथ-साथ टीवी जगत में भी थीं मशहूर : एन विडिकॉम्ब 1987 से 2010 तक कंज़रवेटिव पार्टी की सांसद और पूर्व मंत्री रहीं। बाद में 2019 में वे 'ब्रेक्सिट पार्टी' (अब रिफॉर्म यूके) में शामिल हुईं और 2020 तक यूरोपीय संसद की सदस्य रहीं। राजनीति के अलावा वे ब्रिटिश टीवी जगत का भी एक जाना-माना चेहरा थीं और 'स्ट्रिक्टली कम डांसिंग' और 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' जैसे बेहद लोकप्रिय रियलिटी शोज़ का हिस्सा रह चुकी थीं। फिलहाल पुलिस की मेजर क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और फोरेंसिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य जांच अधिकारी इलोना रॉसन ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाहों या अटकलों से बचें, क्योंकि यह जांच को प्रभावित करने के साथ-साथ पीड़ित परिवार के लिए और अधिक दुखद हो सकता है।

बहामास में प्लेन क्रैश, आजादी के जश्न के बीच 10 लोगों की मौत; सरकार ने सस्पेंड की विमान सेवाएं

नासाऊ, एजेंसी। कैरेबियाई देश बहामास से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। शुक्रवार को बहामास की आजादी की 53वीं सालगिरह के मौके पर पूरा देश जश्न में डूबा था, लेकिन एक भीषण विमान हादसे ने इस खुशी को गहरे मातम में बदल दिया। नॉर्थ एंड्रॉस के पास एक छोटा निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई है। यह इलाका राजधानी नसाऊ के पश्चिम में समुद्र में स्थित है।

प्रधानमंत्री ने की मौत की पुष्टि : शुरुआती जानकारी में बचाव कार्यों के दौरान यह उम्मीद जताई गई थी कि कम से कम एक व्यक्ति जीवित बचा है। बहामास के प्रधानमंत्री फिलिप ब्रेव डेविस ने शुरू में एक ह्यह्हह-1द्ब1 श्हह्-की सूचना दी थी, लेकिन बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति ने भी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हम गहरे दुख के साये में हैं। जो परिवार आज अपने प्रियजनों के घर लौटने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें यह दुखद खबर मिली है। हम उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

हादसे का शिकार हुआ सेसना 402 विमान : बहामास एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन अथॉरिटी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान 'सेसना 402' था, जो बहामास में ही रजिस्टर्ड था। यह विमान नसाऊ के लिंडन पिंडलिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सैन एंड्रॉस के लिए उड़ान भर रहा था लेकिन गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही यह हादसे का शिकार हो गया। फिलहाल मृतकों की पहचान उजागर नहीं की गई है। फ्लेमिंगो एयर की उड़ानें सस्पेंड इस घातक दुर्घटना के बाद बहामास सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए 'फ्लेमिंगो एयर' के एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। ऊर्जा, यूटिलिटी और एविएशन मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह कदम सुरक्षा के मद्देनजर एक एहतियाती उपाय के रूप में उठाया गया है।

एक ही दिन में दो घटनाएं : एविएशन मंत्री जोबेथ कोल्बी-डेविस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह निलंबन केवल इस क्रैश की वजह से नहीं, बल्कि शुक्रवार को हुई सुरक्षा से जुड़ी दो अलग-अलग घटनाओं के कारण किया गया है। पहली घटना में फ्लेमिंगो एयर का एक विमान मायागुआना जा रहा था लेकिन तकनीकी खराबी के कारण पायलट को विमान वापस नसाऊ मोड़ना पड़ा। राहत की बात यह रही कि यात्रियों के सुरक्षित उतरने के बाद विमान में आग लगी। इस दूसरी घटना और प्लेन क्रैश, दोनों की गहन जांच के आदेश दे दिए गए हैं। चीन आमतौर पर सैन्य कर्मियों की मौत की जानकारी सार्वजनिक नहीं करता और उसने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया है।

भारत और न्यूजीलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया: पीएम लक्सन



ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और न्यूजीलैंड अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इसका मकसद द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करना और आने वाले सालों में जुड़ाव बढ़ाने के लिए एक बड़ा फ्रेमवर्क देना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को दोनों देशों के संबंधों में एक अहम पड़ाव बताया और कहा कि यह 40 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा है। ऑकलैंड में पीएम मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत में प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा, 'यह सच में एक ऐतिहासिक घटना है, जैसा कि आपने और मैंने कल रात बात की थी, 40 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा। यह दौरा न्यूजीलैंड-भारत के संबंधों में भी एक अहम पड़ाव है। जब मैं पिछले साल भारत आया था, तो आपने मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का बहुत गर्मजोशी और बहुत उदारता से स्वागत किया था। इसलिए मुझे आपका यहां स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए पीएम मोदी के व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए उनका शुक्रिया अदा करते हुए, लक्सन ने कहा कि बातचीत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से आगे बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच पूरी साझेदारी को बढ़ाने पर फोकस करेगी। उन्होंने आगे कहा, 'इस संबंध के लिए धन्यवाद और इसमें आपने जो भी किया है, उसके लिए भी धन्यवाद। मुझे लगता है कि हमने व्यापार एजेंडा पर बहुत कम समय में जबरदस्त तरक्की की है। लेकिन आज का फोकस सिर्फ एफटीए से कहीं ज्यादा है। यह इस बारे में है कि हम इस संबंधों में आगे कहां जाते हैं और हम इसे कैसे बड़ा करते हैं और मुझे पता है कि हमने ऐसा किया है। मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हम एक रणनीतिक साझेदार बनाने जा रहे हैं जो इस संबंधों को और ज्यादा फ्रेमवर्क और गहराई देगी ताकि हम यहां से आगे बढ़ते हुए इसे और बढ़ा सकें।' इसके अलावा, पीएम लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि न्यूजीलैंड और भारत भले ही हिंद-प्रशांत के दो अलग-अलग छोर पर हों, लेकिन एफटीए के जरिए आर्थिक संबंधों को बढ़ाने में भौगोलिक दूरी आड़े नहीं आई है। लक्सन ने कहा, 'न्यूजीलैंड और भारत हिंद-प्रशांत के बीच में हैं, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने में दूरी कोई रुकावट नहीं है। हम अपने एफटीए के जरिए यही कर रहे हैं।

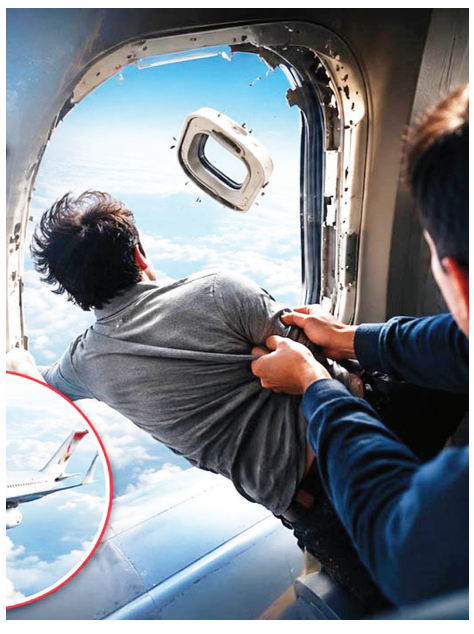
आसमान में मौत से मुकाबला: उड़ान के बीच खिड़की उखड़ने से हवा में खिंचा यात्री; फिर कैसे बची शख्स की जान?

माल्टा, एजेंसी। माल्टा एयर की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान के दौरान विमान की एक खिड़की अपनी जगह से उखड़ गई। इस हादसे में 61 वर्षीय एक यात्री का सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की ओर खिंच गए। विमान में मौजूद अन्य यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर वापस अंदर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। यात्री को गर्दन और कंधे में चोटें आईं, साथ ही शरीर पर रगड़ लगने से जलन जैसी चोटें भी आईं। ग्रीस के एक अस्पताल के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी।

कहां जा रही थी फ्लाइट : यह घटना उत्तरी ग्रीस के शहर थेसालोनिकी से जर्मनी के म्यूनिख के पास स्थित मेम्मिंगेन जा रही सुबह की फ्लाइट में हुई। इस विमान का संचालन रायनएयर की सहयोगी एयरलाइन माल्टा एयर कर रही थी। रायनएयर ने अपने बयान में कहा कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यात्री वाली एक खिड़की उड़ान के दौरान अपनी जगह से निकल गई, जिसके बाद विमान को वापस थेसालोनिकी लौटाना पड़ा।

खिड़की उखड़ते ही विमान में क्या हुआ : यात्रियों के मुताबिक, अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। इसके तुरंत बाद ऑक्सीजन मास्क नीचे आ गए और विमान तेजी से ऊंचाई कम करने लगा। इससे विमान में बैठे लोगों के बीच घबराहट फैल गई और कई यात्री चीखने लगे।

यात्रियों ने कैसे बचाई उस शख्स की जान : थेसालोनिकी रेडियो से बातचीत में क्रिस्टिना नाम की एक महिला यात्री ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। तभी जोरदार धमाका हुआ और सभी समझ गए कि विमान के केबिन का दबाव कम हो गया है। उस व्यक्ति का पूरा सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की तरफ खिंच गए थे। उसके पास बैठे यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर अंदर खींच लिया। क्रिस्टिना



ने आगे कहा कि आवाज बिल्कुल फटे हुए टायर जैसी थी, लेकिन उससे भी कहीं ज्यादा तेज। उसके बाद विमान तेजी से नीचे आने लगा। चारों तरफ चीख पुकार मच गई थी।

कैसे सुरक्षित उतारा गया विमान : एयरलाइन के अनुसार, विमान सुरक्षित तरीके से थेसालोनिकी हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। सभी यात्रियों को टर्मिनल पर वापस ले जाया गया। घायल यात्री को जमीन पर ही चिकित्सकीय सहायता दी गई। बाद में यात्रियों को जर्मनी भेजने के लिए दूसरा विमान उपलब्ध कराया गया।

कौन कर रहा हादसे की जांच : अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि विमान को दाहिने इंजन में आई समस्या और केबिन के दबाव में कमी आने के कारण वापस लौटना पड़ा। एजेंसी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहयोग करेगी। इस हादसे की मुख्य जांच रिपब्लिक ऑफ नॉर्थ मैसेडोनिया की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट एंड इंसिडेंट इन्वेस्टिगेशन कमेटी करेगी।

कितना पुराना था विमान : यह विमान बोइंग 737-800 मॉडल का था, जिसमें अधिकतम 189 यात्री सफर कर सकते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान वर्ष 2008 में नया होने के बाद रायनएयर को सौंपा गया था। उड़ान के रिकॉर्ड बताते हैं कि विमान ने उड़ान भरने के करीब छह मिनट बाद लगभग 15 हजार फुट की ऊंचाई हासिल कर ली थी। इसके तुरंत बाद वह तेजी से नीचे उतरकर करीब छह हजार फुट की ऊंचाई पर आ गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.